

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-104

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

पन विद्युत परियोजनाएं

†*104. श्री तकाम संजय:
श्री लालजी टन्डन:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में मौजूदा पन विद्युत परियोजनाओंकी विद्युत उत्पादन क्षमता और विद्युत उत्पादन मेंउनके कुल योगदान सहित परियोजना औरराज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों से पनविद्युत परियोजनाओं की स्थापना हेतु प्राप्त उनप्रस्तावों का प्रस्ताव और राज्य-वार ब्यौरा क्या हैजो सरकार के पास लंबित हैं और उनकी स्वीकृतिकब तक दिए जाने की संभावना है;
- (ग) उन पन विद्युत परियोजनाओं कापरियोजना और राज्य-वार ब्यौरा क्या है, जिन्हेंसरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान कर दी गई है औरउनके निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है तथाउनमें कुल कितना निवेश अंतर्ग्रस्त है और उनकीविद्युत उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है; और
- (घ) सरकार द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों सहितनिर्माणाधीन पन विद्युत परियोजनाओं को शीघ्र पूराकरने हेतु राज्य-वार क्या कदम उठाए गए हैं/उठाएजा रहे हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क)से(घ):विवरणसभापटलपररखदियागयाहै।

"पन विद्युत परियोजनाओं"के संबंध में लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 104 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) : देश में वर्तमान जल विद्युत परियोजनाओं की विद्युत उत्पादन क्षमता और विद्युत उत्पादन में उनके कुल योगदान सहित परियोजना और राज्य-वार ब्यौरा**अनुबंध-I**में दिया गया है।

(ख) : कर्नाटक राज्य सहित राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों का विवरण, प्रत्येक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की जांच की वर्तमान स्थिति सहित**अनुबंध-II**में दिया गया है।

(ग) और (घ) : देश में निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं का विवरण उनकी लागत और विद्युत उत्पादन क्षमता सहित,**अनुबंध-III**में दिया गया है। जिन जल विद्युत परियोजनाओं को सीईए द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है और जिनका निर्माण अभी किया जाना है, उनका विवरण**अनुबंध-IV**में दिया गया है। पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित परियोजनाओं सहित राज्यों में चल रही जलविद्युत परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण निम्नलिखित है:-

- परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के पुनर्स्थापन और पुनर्वास के मुद्दों सहित जल विद्युत के विकास से संबंधित सभी मुद्दों की जांच करने के लिए जल विद्युत विकास कार्यबल का गठन किया गया है। इस कार्य बल के अध्यक्ष विद्युत मंत्री हैं। इस कार्य बल की अब तक छः बैठकें हो चुकी हैं। पिछली बैठक 10.09.2013 को हुई।
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 73(एफ) के अनुसरण में विद्युत परियोजनाओं की मॉनीटरिंग कर रहा है। प्रत्येक परियोजना की प्रगति की कार्यस्थलों के बार-बार दौरों, विकासकर्ताओं के साथ बातचीत तथा मासिक प्रगति रिपोर्टों के समीक्षात्मक अध्ययन के माध्यम से निरंतर मॉनीटरिंग की जाती है। सीईए के अध्यक्ष महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान हेतु विकासकर्ताओं तथा अन्य पणधारियों के साथ नियमित रूप से बैठकें करते हैं।
- हाइड्रो परियोजनाओं की प्रगति का स्वतंत्र अनुवर्तन तथा मॉनीटरिंग के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा विद्युत परियोजना मॉनीटरिंग पैनल (पीपीएमपी) का गठन किया गया है।
- महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करने के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा सीईए के संबंधित अधिकारियों, उपस्कर विनिर्माताओं, राज्य यूटिलिटीयों/सीपीएसयू/परियोजना विकासकर्ताओं इत्यादि के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें की जाती हैं।
- अवसंरचनात्मक मुद्दों, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र संबंधी मुद्दों का समाधान करने के लिए विद्युत मंत्रालय/सीईए द्वारा सीमा सड़क संगठन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय इत्यादि के साथ समीक्षा बैठकें की जाती हैं।
- सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न शेष मुद्दों पर विचार करने और उनका समाधान करने के लिए अधिकार प्राप्त मंत्री समूह का गठन किया है।

पन विद्युत परियोजनाओं के संबंध में लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 104 के विवरण के भाग (क) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

वर्ष 2013-14 के दौरान देश में जल विद्युत स्टेशन (संस्थापित क्षमता 25 मेगावाट से अधिक) की संस्थापित क्षमता और कुल उत्पादन में योगदान

स्टेशनों के नाम	31.11.2013 के अनुसार संस्थापित क्षमता (मेगावाट)	वर्ष 2013-14* में कुल उत्पादन में योगदान (30 नवंबर, 2013 तक) (मिलियन यूनिट)
उत्तरी क्षेत्र		
केंद्रीय		
बीबीएमबी		
1. भाखड़ा एल एण्ड आर (हिमाचल प्रदेश)	1325.00	4547.58
2. गंगुवाल(पंजाब)	77.65	359.74
3. कोटला (पंजाब)	77.65	343.55
4. देहर (हिमाचल प्रदेश)	990.00	2696.80
5. पौंग (हिमाचल प्रदेश)	396.00	1100.15
कुल बीबीएमबी	2866.30	9047.82
एनएचपीसी		
1. बैरा स्यूल (हिमाचल प्रदेश)	198.00	501.67
2 सलाल-1 एण्ड II (जम्मू व कश्मीर)	690.00	2712.67
3. टनकपुर (उत्तराखण्ड)	94.20	354.38
4. चमेरा-I (हिमाचल प्रदेश)	540.00	1976.90
5. चमेरा-II (हिमाचल प्रदेश)	300.00	1218.89
6. चमेरा-III (हिमाचल प्रदेश)	231.00	860.97
7. उरी (जम्मू व कश्मीर)	480.00	1952.22
8. उरी -II (जम्मू व कश्मीर)	180.00	118.51
9. धौलीगंगा (उत्तराखण्ड)	280.00	282.31
10. दुलहस्ती (जम्मू व कश्मीर)	390.00	1821.05
11. सेवा-II (जम्मू व कश्मीर)	120.00	357.09
12. चुटक (जम्मू व कश्मीर)	44.00	19.79
13. निम्नो बाजगो (जम्मू व कश्मीर)	45.00	11.31
कुल एनएचपीसी	3592.20	12187.76
एसजेवीएनएल		
1. नाथपा झाकरी (हिमाचल प्रदेश)	1500.00	6314.76
टीएचडीसी		
1. टेहरी (उत्तराखण्ड)	1000.00	3134.15
2. कोटेश्वर (उत्तराखण्ड)	400.00	1174.68

कुल टीएचडीसी	1400.00	4308.83
कुल केंद्रीय	9358.50	31859.17
हिमाचल प्रदेश		
एचपीएसईबीएल		
1. गिरी बाटा	60.00	177.62
2. बस्सी	60.00	186.37
3. संजय	120.00	462.00
4. लारजी	126.00	510.22
कुल एचपीएसईबीएल	366.00	1336.21
मलाना पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एमपीसीएल)		
1. मलाना	86.00	291.10
जयप्रकाश पावर वेंचर लि. (जेपीवीएल)		
1. बसपा-॥	300.00	1213.20
2. करचम वांगटू	1000.00	4192.93
कुल जेपीवीएल (एचपी)	1300.00	5406.13
अलैन दुहांगन हाइड्रो पावर लि(प्रा.)		
1. अलैन दुहांगन (प्रा.)	192.00	657.93
लैंको ग्रीन पावर लि		
1. बुधील (प्रा.)	70.00	234.55
एवरेस्ट पावर प्रा. लि.		
1. मलाना-॥ (प्रा.)	100.00	330.26
एच.पी. कुल	2114.00	8256.18
जम्मू एवं कश्मीर		
जेकेएसपीडीसी		
1. लोअर झेलम	105.00	395.79
2. अपर सिंध-॥	105.00	182.57
3. बगलिहार	450.00	2287.61
कुल जेकेएसपीडीसी	660.00	2865.97
राजस्थान		
आरआरवीयूएनएल		
1. आर. पी. सागर	172.00	299.06
2. जवाहर सागर	99.00	179.01
3. माही बजाज-। एण्ड ॥	140.00	134.16
कुल आरआरवीयूएनएल	411.00	612.23
पंजाब		
पीएसपीसीएल		
1. शानन	110.00	287.10
2. मुकेरियां- I-IV	207.00	719.27
3. एपी साहिब । एण्ड ॥	134.00	530.87

4. रंजीत सागर (थीन डैम)	600.00	1288.06
कुल पीएसपीसीएल	1051.00	2825.30
उत्तर प्रदेश		
यूपीजेवीएनएल		
1. रिहंद	300.00	340.24
2. ओबरा	99.00	142.43
3. माताटीला	30.60	75.34
4. खारा	72.00	321.50
कुल यूपीजेवीएनएल	501.60	879.51
उत्तराखंड		
यूजेवीएनएल		
1. खटीमा	41.40	87.09
2. रामगंगा	198.00	128.98
3. धकरानी (वाई. स्टे. I)	33.75	134.80
4. धालीपुर (वाई. स्टे. I)	51.00	201.14
5. कुलहाल (वाई. स्टे. IV)	30.00	135.82
6. चीब्रो (वाई. स्टे. II)	240.00	771.61
7. चिल्ला	144.00	581.91
8. खोदरी (वाई. स्टे. II)	120.00	350.62
9. मनेरी भाली-I	90.00	296.01
10. मनेरीभाली-II	304.00	702.37
कुल यूजेवीएनएल	1252.15	3390.35
जयप्रकाश पावर वेंचर लि. (जेपीवीएल)		
1. विष्णुप्रयाग	400.00	437.90
कुल उत्तराखण्ड	1652.15	3828.25
कुल उत्तरी क्षेत्र	15748.25	51126.61
पश्चिमी क्षेत्र		
गुजरात		
एसएसएनएनएल		
1. सरदार सरोवर सीएचपीएच	250.00	448.19
2. सरदार सरोवर आरबीपीएच	1200.00	4090.13
कुल एसएसएनएनएल	1450.00	4538.32
जीएसईसीएल		
1. उकाई	300.00	681.97
2. कडाना पीएसएस	240.00	358.19
कुल जीएसईसीएल	540.00	1040.16
कुल गुजरात	1990.00	5578.48
मध्य प्रदेश		
केंद्रीय/कॉमन		

एनएचडीसी		
1. इंदिरा सागर	1000.00	3028.37
2. ओंकारेश्वर	520.00	1170.14
कुल एनएचडीसी	1520.00	4198.51
एमपीपीजीसीएल		
1. गांधी सागर	115.00	238.78
2. पेंच	160.00	310.89
3. बारगी	90.00	363.09
4. माधीखेड़ा	60.00	92.52
5. बाणसागर टॉस-I	315.00	1140.24
6 बाणसागर टॉस-II	30.00	139.15
7 बाणसागर टॉस-III	60.00	75.66
8. राजघाट	45.00	32.83
कुल एमपीपीजीसीएल	875.00	2393.16
कुल मध्य प्रदेश	2395.00	6591.67
छत्तीसगढ़		
सीएसपीजीसी		
1. हसदेव बांगो	120.00	223.48
कुल सीएसपीजीसी	120.00	223.48
महाराष्ट्र		
महाजेनको		
1. कोयना स्टे. I एण्ड II	600.00	831.18
2. कोयना स्टे. III	320.00	457.22
3. कोयना IV	1000.00	990.91
4. कोयना डीपीएच	36.00	104.97
5. वैतरना	60.00	115.22
6. तिल्लारी	60.00	86.04
7. भीरा टेल रेस	80.00	76.51
8. घाटघर पीएसएस	250.00	182.42
कुल महाजेनको	2406.00	2844.47
ओडिसो-लिंडब्लम हाइड्रो पावर प्रा. लि. (डीएलएचपी)		
1. भंडारधारा-II	34.00	53.12
कुल डीएलएचपी	34.00	53.12
टाटा हाइड्रो		
1. भीरा	150.00	719.14
2. भीरा पीएसएस	150.00	
3. भीवपुरी	75.00	172.06
4. खोपोली	72.00	233.42
कुल टाटा	447.00	1124.62

कुल महाराष्ट्र	2887.00	4022.21
कुल पश्चिमी	7392.00	16415.84
दक्षिणी क्षेत्र		
आंध्र प्रदेश		
एपीजेनको		
1. मचकुंड	114.75	399.09
2. टीबी डैमएण्डहंपी	72.00	116.54
3. अपर सिलेरू I एण्ड II	240.00	264.01
4. लोअर सिलेरू	460.00	831.67
5. एनजेसागर पीएसएस	815.60	1013.35
6. एनजेसागर आरबीसी	90.00	207.88
7. एनजेसागर एलबीसी	60.00	88.66
8. श्रीसैलम आरबी	770.00	908.28
9. पोचमपाड	27.00	48.58
10. श्रीसैलम एलबी	900.00	1276.56
11. प्रियदर्शनी	234.00	267.23
कुल एपीजेनको	3783.35	5421.85
कुल आंध्र प्रदेश	3783.35	5421.85
कर्नाटक		
केपीसीएल		
1. शरावती	1035.00	3313.04
2. कालीनदी	855.00	1339.11
3. सुपा डीपीएच	100.00	217.82
4. भद्रा	39.20	37.90
5. लिंगनामक्की	55.00	152.23
6. वराही	460.00	836.32
7. घाटप्रभा	32.00	55.89
8. कद्रा	150.00	266.10
9. कोडासली	120.00	211.78
10. जेरूसोप्पा	240.00	404.76
11. अलमाटी डैम	290.00	418.80
12. जोग	139.20	149.75
13. शिवसमुद्रम	42.00	165.02
14. मुनीराबाद	28.00	77.25
कुल केपीसीएल	3585.40	7645.77
कुल कर्नाटक	3585.40	7645.77
केरल		
केएसईवी		
1. इडुक्की	780.00	1797.41

2. सबरीगिरी	300.00	1102.26
3. कुटीयादी	125.00	682.52
4. कुटीयादी एडिश. एक्सटें.	100.00	
5. शोलायर	54.00	137.55
6. सेंगुलाम	48.00	106.28
7. नारीमंगलम	70.00	301.59
8. पल्लीवसल	37.50	151.08
9. पोरिगलकुट्टू	32.00	104.92
10. पन्नियार	30.00	127.96
11. इदमलयार	75.00	271.00
12. लोअर पेरियार	180.00	531.92
13. कक्कड	50.00	169.89
कुल केएसईवी	1881.50	5484.38
कुल केरल	1881.50	5484.38
तमिलनाडु		
टैनजेडको		
1. पडकारा	59.20	47.06
2. मोयर	36.00	103.55
3. कुंडा I-V	555.00	1084.86
4. पारसंस वैली	30.00	36.51
5. सुरुलियार	35.00	81.21
6. अलियार	60.00	133.63
7. मेटूर डैम एण्ड टनल	250.00	389.94
8. लोअरमेटूर I-IV	120.00	174.03
9. पेरियार	140.00	402.53
10. पापनसम	32.00	102.75
11. सरकारपथी	30.00	65.62
12. शोलायरा एण्ड II	95.00	175.61
13. कोडयारा एण्ड II	100.00	95.17
14. कादमपराई पीएसएस	400.00	285.99
15. पाडकारा अल्टीमेट	150.00	287.39
16. भवानीकट्टलई बैराज-I	30.00	32.04
17. भवानीकट्टलई बैराज-II	30.00	59.93
18. भवानीकट्टलई बैराज-III	30.00	25.04
कुल टैनजेडको	2182.20	3582.86
कुल दक्षिणी	11432.45	22134.86
पूर्वी क्षेत्र		
झारखण्ड		
जेएसईवी		

1. सुबर्नरेखा एण्ड II	130.00	110.90
कुल झारखण्ड	130.00	110.90
डीवीसी		
1. मैथन (पश्चिम बंगाल)	63.20	76.36
2. पंचेट(झारखंड)	80.00	106.21
कुल डीवीसी	143.20	182.57
ओडिशा		
ओएचपीसी		
1. बालीमेला	510.00	1393.17
2. हिराकुड एण्ड II	347.50	858.03
3. रेंगाली	250.00	799.46
4. अपर कोलाब	320.00	677.60
5. अपर इंद्रावती	600.00	1888.91
कुल ओएचपीसी	2027.50	5617.17
पश्चिम बंगाल		
डब्ल्यूवीएसईडीसीएल		
1. जलढाका- I	27.00	123.30
2. रमामाII	50.00	222.57
3. पुरुलिया पीएसएस	900.00	388.32
कुल डब्ल्यूवीएसईडीसीएल	977.00	734.19
एनएचपीसी		
1. तीस्तालो डैम-III	132.00	176.85
कुल एनएचपीसी डब्ल्यूवी	132.00	
कुल पश्चिम बंगाल	1109.00	911.04
सिक्किम		
एनएचपीसी		
1. रंगित	60.00	294.23
2. तीस्ता-V	510.00	2157.37
कुल एनएचपीसी (सिक्किम)	570.00	2451.60
निजी क्षेत्र		
गतिइन्वेस्टमेंट प्रा. लि.		
1. चुजाचेन	99.00	254.85
कुल पूर्वी	4078.70	9528.13
पूर्वोत्तर क्षेत्र		
असम		
एपीजीसीएल		
1. करबी लांगपी	100.00	371.27
मेघालय		
एमईईसीएल		
1. किरदेमकुलाई	60.00	97.93

2. उमीयम स्टे.I	36.00	51.06
3. उमीयम स्टे.IV	60.00	137.58
4.मिंटडू	126.00	400.87
कुल एमईईसीएल	282.00	687.44
नीपको		
1. खनडोंग(असम)	50.00	163.88
2. कोपिली(असम)	225.00	680.78
3. दोयांग(नागालैंड)	75.00	222.69
4. रंगनदी(अरुणाचल प्रदेश)	405.00	842.69
कुल नीपको	755.00	1910.04
एनएचपीसी		
1. लोकटक (मणिपुर)	105.00	499.64
कुल केंद्रीय	860.00	2409.68
कुल पूर्वोत्तर	1242.00	3468.39
कुल अखिल भारतीय	39893.40	102673.83
भूटान से आयात		5309.28
कुल अखिल भारत	39893.40	107983.11
*अनंतिम		

पन विद्युत परियोजनाओं के संबंध में लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 104 के विवरण के भाग (ख) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

सीईए में जांच के अधीन जल विद्युत स्कीमों का ब्यौरा

क्रम सं.	स्कीम/राज्य	प्राप्ति का माह	संस्थापित क्षमता (मेगावाट)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की स्थिति
	जम्मू एवं कश्मीर			
1	किरू	08/2012	660	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, भू-गर्भीय, निर्माण सामग्री, अंतरराज्य, विद्युत निकासी तथा उपकरणीय पहलुओं से स्वीकृत।
2	नया गंदरवाल	10/2012	93	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, भू-गर्भीय, निर्माण सामग्री, अंतरराज्य, विद्युत निकासी, ई एण्ड एम कार्यों का डिजाइन, बैराज एवं कैनाल डिजाइन, नींव अभियांत्रिकी एवं भूकम्पीय पहलुओं तथा जल विद्युत सिविल डिजाइन एवं संयंत्र नियोजन पहलुओं से स्वीकृत।
3	किरथई-I	01/13	390	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, विद्युत निकासी पहलुओं से स्वीकृत।
	हिमाचल प्रदेश			
4	सेली	12/12	400	जल विद्युत सिविल डिजाइन, द्वार डिजाइन, सिविल निर्माण कार्यों की मात्रा एवं ई एण्ड एम उपकरण, संयंत्र नियोजन, सिविल एवं ई एण्ड एम कार्यों की लागत की चरणबद्धता को छोड़कर सभी पहलुओं से स्वीकृत।
5	चतरू	04/2012	126	द्वार डिजाइन, ई एण्ड एम डिजाइन, सिविल निर्माण कार्यों की मात्रा एवं ई एण्ड एम उपकरण, संयंत्र नियोजन, सिविल एवं ई एण्ड एम कार्यों की लागत की चरणबद्धता को छोड़कर सभी पहलुओं से स्वीकृत।
6	सच खास	01/13	267	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, भू-गर्भीय, विद्युत निकासी एवं निर्माण विद्युत पहलुओं से स्वीकृत।
7	लुहरी	03/2013	588	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, निर्माण सामग्री, कंक्रीट बांध डिजाइन, द्वार डिजाइन, अंतरराज्य, अंतर्राष्ट्रीय, नींव अभियांत्रिकी एवं भूकम्पीय तथा उपकरणीय पहलुओं से स्वीकृत।
8	चांगो यंगथाग	11/2013	180	निर्माण सामग्री, संयंत्र नियोजन, सिविल एवं ई एण्ड एम कार्यों की लागत की चरणबद्धता को छोड़कर सभी पहलुओं से स्वीकृत।
	उत्तराखंड			
9	जेलम तमक	12/2012	108	जल विद्युत सिविल डिजाइन, बांध डिजाइन, द्वार डिजाइन, निर्माण सामग्री, ई एण्ड एम डिजाइन, सिविल निर्माण कार्यों की मात्रा एवं ई एण्ड एम उपकरण, सिविल एवं ई एण्ड एम कार्यों की लागत की चरणबद्धता को छोड़कर सभी पहलुओं से स्वीकृत।
10	बोवला नंद प्रयाग	08/12	300	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, अंतरराज्य, अंतर्राष्ट्रीय, विद्युत निकासी, जल विद्युत सिविल डिजाइन, द्वार डिजाइन, नींव अभियांत्रिकी एवं भूकम्पीय तथा उपकरणीय पहलुओं से स्वीकृत।
	बिहार			
11	दगमारा	04/12	130	विकासकर्ता को परियोजना की लागत घटाने तथा सीईए एवं सीडब्ल्यूसी के प्रेक्षणों का पालन करने की सलाह दी गई।
	नागालैंड			
12	दिखू	04/12	186	निर्माण सामग्री, सिविल मात्रा, सिविल कार्यों की लागत एवं लागत की चरणबद्धता को छोड़कर सभी पहलुओं से स्वीकृत।
	मेघालय			
13	उमंगोट	03/2013	240	जल विज्ञान एवं अंतरराज्य पहलुओं से स्वीकृत।
14	क्युन्शी-I	02/2013	270	भण्डारण से आर ओ आर में परिवर्तन के बाद एसटीसी द्वारा जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, विद्युत निकासी एवं उपकरणीय पहलुओं से स्वीकृत।

	असम			
15	लोअर कोपली	03/2013	120	जल विज्ञान, विद्युत निकासी, अंतरराज्य एवं भू-गर्भीय पहलुओं से स्वीकृत।
	अरुणाचल प्रदेश			
16	कलई-II	04/2012	1200	संयंत्र नियोजन, सिविल कार्यों की लागत एवं लागत की चरणबद्धता के सिवाय सभी पहलुओं से स्वीकृत।
17	डेम्बे अपर	07/2012	1080	भण्डारण से आर ओ आर में परिवर्तन के बाद एसटीसी द्वारा जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन, विद्युत निकासी, नींव अभियांत्रिकी एवं भूकम्पीय, द्वार डिजाइन, निर्माण सामग्री एवं उपकरणिय पहलुओं से स्वीकृत।
18	तगुरशिट	07/2012	74	भू-गर्भीय, निर्माण सामग्री, नींव अभियांत्रिकी एवं भूकम्पीय, सिविल निर्माण कार्यों की मात्रा एवं ई एण्ड एम उपकरण, सिविल एवं ई एण्ड एम कार्यों की लागत तथा लागत की चरणबद्धता को छोड़कर सभी पहलुओं से स्वीकृत।
19	न्यूकचारोंग चू	01/2013	96	जल विज्ञान, विद्युत सम्भाव्यता, विद्युत निकासी, एवं अंतरराज्य पहलुओं से स्वीकृत।
20	तातो-I	05/13	186	जल विज्ञान एवं विद्युत निकासी पहलुओं से स्वीकृत।
21	हियो	07/2013	240	जल विज्ञान एवं विद्युत निकासी पहलुओं से स्वीकृत।
22	सुबानसिरी मध्य (कमला)	10/2013	1800	जल विज्ञान एवं विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन पहलुओं से स्वीकृत।
23	मगोचू	10/2013	96	जल विज्ञान एवं विद्युत सम्भाव्यता अध्ययन पहलुओं से स्वीकृत।
	कुल		8830	

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 104 के विवरण के भाग (ग)और(घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

25 मेगावाट से अधिक की निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं की स्थिति (30.11.2013 की स्थिति के अनुसार)

क्रम सं.	परियोजना का नाम निष्पादनकर्ता क्षमता (मेगावाट) लागत (करोड़ रुपये)	राज्य	व्यापक वर्तमान स्थिति
क.	निष्पादनकर्ता के अधीन 12वीं योजना के दौरान लाभ के लिए हाइड्रो क्षमता		
	केंद्रीय क्षेत्र		
1.	उड़ी-II एनएचपीसी 4x60 = 240 मेगावाट लागत: 2081.00	जम्मू व कश्मीर	यू#1: 25.09.2013 को चालू. यू#3: 27.09.2013 को चालू. यू#2: 16.11.2013 को चालू
2.	किशनगंगा एनएचपीसी 3x110 = 330 मेगावाट लागत: 3642.04	जम्मू व कश्मीर	डायवर्जन कार्य -नदी का डायवर्जन कार्य 21.06.2012 को कर लिया गया. बांध एवं अंतर्वाह कार्य: 300000 घन मीटर में से बायें किनारे पर 290000 घन मीटर खुदाई कर ली गई है। एचआरटी :8491मीटर में से डीबीएम द्वारा 7903 मीटर खुदाई कर ली गई है। 14750 मीटर में से टीबीएम द्वारा 11478 मीटर खुदाई कर ली गई है । सर्ज शाफ्ट:ऊपर से लेकर नीचे तक खुदाई संपन्न। प्रेसर शाफ्ट: अपर लिंब स्लैशिंग-233 मीटर में से 176 मीटर संपन्न। लोअर लिंब-पाइलेट- 261मीटर में से 163मीटर संपन्न। विद्युत गृह :खुदाई संपन्न। टीआरटी खुदाई: 882 मीटर में से 666मीटर संपन्न।
3.	पार्वती-II एनएचपीसी 4x200 = 800 मेगावाट लागत: 5365.70	हिमाचल प्रदेश	बांध एवं अंतर्वाह संरचना:- : 207296 घन मीटर में से 204220 घन मीटर बांध एवं अंतर्वाह अवसंरचना कंक्रिटिंग संपन्न । हेड रेस टनेल- 31525 मी में से 26615 मी की खुदाई संपन्न कुल ओवर्ट लाइनिंग: 31525 मीटर17124 मीटर लाइनिंग संपन्न । विद्युत गृह: 64016 घनमीटर में 55276 घनमीटर संपन्न जीवा नल्लाह फीडर टनेल: 4560 मीटर में 3801 मीटर की खुदाई संपन्न 4560 मीटर में 531 मीटर की कंक्रिटिंग संपन्न ई एवं एम कार्य: एक ईओटी क्रैन(200 एमटी) का उत्थापन, परीक्षण एवं चालू किए जाने का कार्य संपन्न । 200 टन की द्वितीय ईओटी का उत्थापन एवं केबलिंग संपन्न । इकाई 1: टरबान हाउसिंग एवं वितरण का उत्थापन संपन्न इकाई 2: लोअर टरबान हाउसिंग का उत्थापन संपन्न एचएम कार्य: दोनों वर्टिकल प्रेशर शाफ्ट में फेरुल का उत्थापन संपन्न । सर्ज शाफ्ट में रिसेप्शन फ्रेम एवं गाइड रेल का उत्थापन संपन्न
4.	पार्वती-III एनएचपीसी 4x130 = 520 मेगावाट लागत: 2470.46	हिमाचल प्रदेश	सभी सिविल कार्य संपन्न । ई एवं एम कार्य: इकाई #1: यांत्रिक चक्रण 31.5.2013 को रेटेड स्पिड पर किया गया इकाई #2: यांत्रिक चक्रण 02.07.2013 को रेटेड स्पिड पर किया गया. इकाई #3: इकाई का बॉक्सिंग अप एवं एक्सिस संरेखन 30.09.2013 को संपन्न. इकाई #4: पाइवट रिंग, रनर एवं गाइड वेन के साथ टॉप कवर की एसेंबली का कार्य संपन्न । सर्विस वे में रोटर की एसेंबली प्रगति पर है । एक्सएलपीई केबल का टर्मिनेशन 15.10.2013 को संपन्न हो गया । सभी यूनिटों को एमआइवी चालू किया गया । एचएम कार्य: संपन्न

5.	कोल डैम एनटीपीसी 4x200 = 800 मेगावाट लागत: 6358.91	हिमाचल प्रदेश	ई एवं एम कार्य: सभी इकाईयों का बॉक्सअप किया गया। एचएम कार्य: रेडियल गेट का उत्पापन प्रगति पर है। 8 ड्राफ्ट ट्यूब द्वारों में से 7 का उत्पापन। बॉटम आउटलेट द्वारा का उत्पापन। पावर इंटेक द्वार लाइनर का उत्पापन सभी यूनिटों में संपन्न।
6.	रामपुर एसजेवीएनएल 6x68.67= 412 मेगावाट लागत: 2047.03	हिमाचल प्रदेश	एचआरटी: हेडिंग खुदाई संपन्न. ई एवं एम कार्य: यू#1, 2, 4, 5, 6: बॉक्सअप. यू#3: जेनरेटर बेरल की कंक्रीटिंग 15.05.13 को संपन्न
7.	तपोवन विष्णुगाड एनटीपीसी 4x130 = 520 मेगावाट लागत: 3846.30	उत्तराखण्ड	नदी डायवर्जन 13.04.2013 को संपन्न बैराज: खुदाई पहले संपन्न. एचआरटी: 13370 मीटर में से 9087 मीटर की खुदाई संपन्न. विद्युत गृह गुफा: खुदाई संपन्न डिसिल्टिंग चैम्बर एवं इनटेक: 16.90 लाख घन मीटर में से 15.03 लाख घन मीटर की खुदाई संपन्न. टीआरटी: खुदाई संपन्न. 813 मीटर में से 602 मीटर लाइनिंग संपन्न सर्ज शाफ्ट: चौड़ा करने का काम संपन्न 152.3 घनमीटर में से 81.2 घनमीटर की लाइनिंग संपन्न पेनस्टॉक: खुदाई संपन्न। मध्य से शीर्ष तक इनक्लाइड पीएस-। में तथा पीएस-।। में मध्य से शीर्ष तक स्टील लाइनर का उत्पापन संपन्न ई एवं एम कार्य: बीएफ वाल्व चैम्बर में ईओटी क्रेन का उत्पापन संपन्न। सभी 4 यूनिटों पिट लाइनर संपन्न
8.	तीस्ता लो डैम-IV एनएचपीसी 4x40 = 160 मेगावाट लागत: 1502.00	पश्चिम बंगाल	विद्युत गृह : 134373 घनमीटर में से 121682 घनमीटर कंक्रीटिंग संपन्न पेनस्टॉक के आस-पास कंक्रीटिंग: 12000 घनमीटर में से 5654 घनमीटर संपन्न विद्युत बांध एवं अंतर्वाह संरचना(शीर्ष स्तर तक): 70000 घनमीटर में से 55479 घनमीटर कंक्रीटिंग संपन्न। आरसीसी कंक्रीटिंग: 178000 घनमीटर में से 51700 घनमीटर संपन्न. ई एवं एम कार्य: सर्विस वे में ईओटी क्रेन का उत्पापन संपन्न सभी इकाईयों में स्पाइरल केस का उत्पापन संपन्न इकाई#1, के लिए टरबाइन एवं रोटर एसेंबली उत्पापन संपन्न इकाई #2, के लिए बॉटम रिंग को गडडे में उतारा जा चुका है। एचएम कार्य: रेडियल द्वारों का 90.6% उत्पापन संपन्न। पेनस्टॉक लाइनर का उत्पापन संपन्न। इनटेक द्वारों का 76% उत्पापन संपन्न। शील्ड एक्सक्यूडर द्वारों का 77% उत्पापन संपन्न। स्पीलवे स्टॉपलॉग द्वारों का 62.3% उत्पापन संपन्न। इनटेक स्टॉपलॉग द्वारों का 57.3% उत्पापन संपन्न।
9क.	सुबानसिरी लोअर एनएचपीसी 8x250= 2000 मेगावाट (12वीं योजना में 1000 मेगावाट) लागत: 10667.00	अरुणाचल प्रदेश असम	बांध: खुदाई: 173000 घनमीटर में से 169444 घनमीटर संपन्न। कंक्रीटिंग: 1823782 घनमीटर में से 575426 घनमीटर संपन्न। अंतर्वाह संरचना: 279454 घनमीटर में से 261377 घनमीटर कंक्रीटिंग संपन्न। मुख्य सुरंग (I-VIII): 7124 मीटर में से 7050 मीटर हेडिंग खुदाई संपन्न। 7124 मीटर में से 4279 मीटर बेंचिंग खुदाई संपन्न। 7124 मीटर में से 3199 मीटर कंक्रीट ओवर्ट लाइनिंग संपन्न। सर्ज सुरंग (8) : 3545 मीटर में से 3109 मीटर हेडिंग खुदाई संपन्न। वर्टिकल प्रेशर शाफ्ट स्लैटिंग: 384 मीटर में से 199 मीटर संपन्न। सरफेस विद्युत गृह: कंक्रीटिंग: 302600 घनमीटर में से 124887 घनमीटर संपन्न। ई एवं एम कार्य: इकाई #1 एवं 2: टरबाइन स्टेरिंग एवं स्पायर्ल केस उत्पापन संपन्न। एचएम कार्य: डायवर्जन द्वारों का उत्पापन 23% संपन्न। अंतर्वाह-5 का उत्पापन - प्रत्येक में 2% संपन्न। इनटेक 7 व 8 का उत्पापन-प्रत्येक 20% संपन्न। कुल 1594 मीटर में से 201 मीटर प्रेशर शाफ्ट स्टील लाइनर उत्पापन हुआ।
10.	कामेंग नीपको 4x150 = 600 मेगावाट लागत: 5139.00	अरुणाचल प्रदेश	बिछम बांध: 649075/682126 घनमीटर खुदाई तथा 40075/357490 घनमीटर कंक्रीटिंग संपन्न। टेंगा बांध: 125615/135000 घनमीटर खुदाई और 31365/92850 घनमीटर कंक्रीटिंग संपन्न। मुख्य सुरंग: खुदाई: 12388.85/14477.50 रनिंग मीटर संपन्न। सर्ज शाफ्ट: खुली खुदाई और वेधन संपन्न, सर्ज शाफ्ट एवं ऑरफिस कंक्रीट लाइनिंग: 62/70 रनिंग मीटर संपन्न।

			<p>एचपीटी:वर्टिकल एवं होरीजेंटल भागद का वेधन संपन्न और वाल्व हाउस सहित सरफेस जेन स्टॉक, की 396764/462504 घनमीटर की खुली खुदाई संपन्न।</p> <p>विद्युत गृह एवं टेल रेस:1085376/1092184 घनमीटर की पिट खुदाई संपन्न। कंक्रीटिंग 40892/75600 घनमीटर संपन्न।</p> <p>इलैक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य:यूनिट# I से III के सर्विस बे क्षेत्र में अर्थ मेट कार्य संपन्न। यूनिट # I एवं II के लिए ड्राफ्ट ट्यूब उत्पादन संपन्न।</p>
11.	<p>पारे नीपको 2x55 = 110 मेगावाट लागत: 1117.9</p>	<p>अरुणाचल प्रदेश</p>	<p>डायवर्जन सुरंग:डीटी संपन्न एवं यू/एस तथा डी/एस कॉफर बांध का निर्माण संपन्न।</p> <p>बांध:398000 घनमीटर में से 272510 घनमीटर की खुदाई संपन्न।</p> <p>मुख्य सुरंग:2828 आरएम में से 2561 वेधन संपन्न।</p> <p>हाई प्रेशर सुरंग:वेधन संपन्न।</p> <p>सर्ज शाफ्ट: सर्ज शाफ्ट की खुली कुदाई एवं वेधन संपन्न और 30.8/59 आरएम लाइनिंग संपन्न।</p> <p>विद्युत गृह: 119406/125000 घनमीटर खुदाई संपन्न। 17456.5/35000 घनमीटर कंक्रीटिंग संपन्न।</p> <p>ई एण्ड एम कार्य: यूनिट I एवं II की डीटी लाइनर्स का उत्पादन संपन्न।</p> <p>एचएम कार्य: 3 ड्राफ्ट ट्यूब गेट का फेब्रीकेशन संपन्न। डी/टी इनटेल द्वार का उत्पादन संपन्न।</p>
12.	<p>तुरियल नीपको 2x30= 60 मेगावाट लागत: 913.63</p>	<p>मिजोरम</p>	<p>डायवर्जन सुरंग (2): 625/765 मीटर खुदाई तथा 732/775 मीटर लाइनिंग संपन्न।</p> <p>मुख्य बांध:430100 घनमीटर खुदाई में से 71600 घनमीटर संपन्न।</p> <p>स्थित्य:1754801 घनमीटर में से 1632385 घनमीटर खुदाई संपन्न। 92500 घनमीटर कंक्रीटिंग में से 7532 घनमीटर संपन्न।</p> <p>विद्युत गृह एवं स्विचयार्ड: खुदाई लगभग संपन्न।</p>
	राज्य क्षेत्र		
13.	<p>बगलिहार-II जेकेपीडीसी 3x150=450मेगावाट लागत:2113.09</p>	<p>जम्मू व कश्मीर</p>	<p>मुख्य सुरंग:खुदाई संपन्न, 1888 मीटर ओवर्ट लाइनिंग में से 1028 मीटर संपन्न तथा 1888 मीटर इनवर्ट लाइनिंग में से 636 मीटर संपन्न।</p> <p>सर्ज शाफ्ट:खुदाई लगभग पूरी होने वाली है।</p> <p>पेन स्टॉक:10000 घनमीटर में से 8339 घनमीटर संपन्न।</p> <p>विद्युत गृह:खुदाई लगभग संपन्न।</p> <p>टीआरटी: हैडिंग एवं बैचिंग खुदाई संपन्न हो चुकी है।</p>
14.	<p>उहल-III बीस वैली पावरकारपोरेशन लिमिटेड (एचपीएसईवी) 3x33.3=100मेगावाट लागत:431.56</p>	<p>हिमाचल प्रदेश</p>	<p>संहारण जलाशय:खुदाई एवं कंक्रीटिंगसंपन्न।</p> <p>मुख्य सुरंग:खुदाई संपन्न और 8010 मीटर लाइनिंग में से 974 मीटर संपन्न।</p> <p>सर्ज शाफ्ट:संपन्न।</p> <p>पेन स्टॉक:155000 घनमीटर खुदाई में से 152775 घनमीटर संपन्न तथा 35300 घनमीटर कंक्रीटिंग में से 34863 घनमीटर संपन्न।</p> <p>विद्युत गृह एवं टेल रेस:31300 घनमीटर खुदाई में से 30988 घनमीटर संपन्न तथा 13100 घनमीटर कंक्रीटिंग में से 11503 घनमीटर संपन्न।</p> <p>ई एण्ड एम:</p> <p>इकाई#I:रनर की सेंटरिंग एवं लेवलिंग संपन्न।</p> <p>इकाई#II:जेनरेटर शाफ्ट की सेंटरिंग, लेवलिंग एवं संरेखन संपन्न।</p> <p>इकाई#III:उत्पादन संपन्न।</p>
15.	<p>कशांग-I एच.पी. पावर कारपोरेशन लि. 65मेगावाट लागत:1079.81 (स्टे. -IIएवंIII सहित)</p>	<p>हिमाचल प्रदेश</p>	<p>ट्रेंच वेयर:3743 घनमीटर कंक्रीटिंग में से 3738 घनमीटर संपन्न।</p> <p>मुख्य सुरंग:खुदाई संपन्न एवं 1113 मीटर की लाइनिंग (इनटेक एण्ड) में से 1063 मीटर संपन्न।</p> <p>प्रेशर शाफ्ट:वाल्व हाउसटॉप हॉरिजेंटल प्रेशर शाफ्ट की खुदाई संपन्न। 1346 मीटर बैकफिल कंक्रीटिंग में से 575 मीटर संपन्न।</p> <p>ई एण्ड एम कार्य:मॉडल जांच संपन्न।</p> <p>335 मीटर टीआरटी कंक्रीट लाइनिंग में से 188 मीटर संपन्न।</p>
16.	<p>कशांग-II एवं III एच.पी. पावर कारपोरेशन लि. 1x65 + 1x65= 130 मेगावाट</p>	<p>हिमाचल प्रदेश</p>	<p>केशंग-कशांग लिंक (केके लिंक) सुरंग के कार्यों को मैसर्स पटेलइंजीनियरिंग लि. को अवार्ड किया गया था। लिप्पा ग्रामीणों के निरंतर विरोध के कारण कार्य में विलंब हो रहा है। मामला न्यायाधीन है।</p>
17.	<p>सैंज एच.पी. पावर कारपोरेशन लि. 100 मेगावाट लागत: 725.24</p>	<p>हिमाचल प्रदेश</p>	<p>बैराज: 6बे में से 2बे में कंक्रीटिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।</p> <p>एचआरटी: फेज-I में इनवर्ट लाइनिंग का 935मी. पूरा कर लिया गया है। फेज-II में 2120मी. में से 2066 का खनन पूरा कर लिया गया है।</p> <p>पावर हाउस तक मुख्य पहुँच सुरंग का खनन पूरा कर लिया गया है।</p> <p>विद्युत गृह: खनन कार्य पूरा कर लिया गया है।</p> <p>ई एवं एम कार्य: 10108 मी. में से 5187 मी. अर्थमेट बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।</p> <p>टीआरटी: खनन कार्य पूर्ण।</p>
18.	<p>सवारा कुडू</p>	<p>हिमाचल</p>	<p>एचआरटी: एचआरटी खनन के सभी फेजों से 11364 मी. में से 9639 मी. खुदाई पूर्ण हो चुकी है और</p>

	एच.पी. पावर कारपोरेशन लि. 3x37= 111 मेगावाट लागत: 1181.90	प्रदेश	11364 मी. में से 1117 मी. कंक्रिटिंग कार्य पूर्ण । सर्ज शाफ्ट: खनन कार्य पूर्ण । विद्युत गृह: खनन कार्य पूर्ण । टीआरटी: खनन कार्य पूर्ण । ई एवं एम कार्य: पी.एच में डीटी लाइनर का इरेक्शन पूर्ण ।
19.	नागार्जुन सागर टीआर एपजैको 2x25=50 मेगावाट लागत: 958.67	आंध्र प्रदेश	मुख्य बांध: बांध क्षेत्र में खनन पूर्ण और 511854/532500 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य पूर्ण । पी.एच. सिविल कार्य: पूर्ण इकाई स्थापना: इकाई-1- सर्विस बे में रोटर एवं स्टेटर असेंबली कार्य पूर्ण । इकाई-2- सर्विसबे में स्टेटर असेंबली कार्य पूर्ण । एच एवं एम कार्य 11.05.2009 को जीटीवी-पीईएस (जेवी) को पुनः अवार्ड किया गया । सभी 20 रेडियल द्वारों का निर्माण कार्य पूर्ण । 7435 एमटी की तुलना में 3910 एमटी इरेक्शन कार्य पूर्ण ।
20.	लोअर जुमाला एपजैको 6x40=240 मेगावाट लागत: 1474.83	आंध्र प्रदेश	पहुँच चैनल, इंटेक पूल, पावर हाउस गर्त का खनन पूर्ण । वेयर: 415276/416700 क्यूमेक खनन कार्य किया गया । 172321/219039 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य पूर्ण । विद्युत गृह: खनन कार्य पूर्ण । 191817/203000 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य किया गया । इकाई स्थापना: इकाई#1: बॉक्सड अप इकाई##2: टरबाइन एवं जेनरेटर का उत्पादन कार्य पूर्ण । इकाई#3 : स्टे कॉन उत्पापित । सर्विसबे में स्टेटर एवं रोटर की असेंबली पूर्ण और उत्पापन के लिए तैयार । इकाई#4 : स्टे कॉन उत्पापित । इकाई# 5: स्टे कॉन का उत्पापन पूर्ण । इकाई# 6: डीटी कॉन का उत्पापन पूर्ण ।
21.	पुलीचिताला एपजैको 120 मेगावाट (4x30 मेगावाट) लागत: 396	आंध्र प्रदेश	विद्युत गृह: विद्युत गृह का खनन कार्य लगभग पूर्ण और 5873692000 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य किया गया । ई एवं एम कार्य: इकाई#1 एवं #2: ड्राफ्ट ट्यूब का उत्पापन पूर्ण और कंक्रिटिंग के लिए जारी किया गया । इकाई#3: ड्राफ्ट ट्यूब वायु निकास पाइपों का विस्तार कार्य पूर्ण । इकाई#4: ड्राफ्ट ट्यूब निकास पाइप को बिछाने का कार्य पूर्ण ।
22.	पल्लीवसल केएसईवी 2x30= 60 मेगावाट लागत: 268.02	केरल	अंतर्वाह संरचना: खनन - 28398/33492 क्यूमेक पूर्ण । एचआरटी: खनन-2858/3330 मी. पूर्ण । ओवर्ट कंक्रिटिंग. 1634/3330 मी. पूर्ण । इनवर्ट कंक्रिटिंग. - 1637/3330 मी. पूर्ण । सर्ज टैंक/फोरबे: खनन-7210/13400 क्यूमेक कंक्रिटिंग.409/843 क्यूमेक प्रेसन शाफ्ट: खनन कार्य पूर्ण । सरफेस पेनस्टॉक : खनन-102507/122600 क्यूमेक । कंक्रिटिंग - 8554/11375 क्यूमेक । 2036 मी. में से 1190 मी. खनन कार्य पूर्ण । विद्युत गृह: खनन कार्य पूर्ण । कंक्रिटिंग 3536/11225 क्यूमेक । टेल रेस चैनल(सं.2): खनन एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण । ई एवं एम कार्य: 75% आपूर्ति पूर्ण । दोनों इकाईयों के लिए गर्त लाइनर उत्पापन, वितरण पाइप का उत्पापन और एमआईवी कार्य पूर्ण ।
23.	थोटियार केएसईवी 1x30 + 1x10= 40 मेगावाट लागत: 145.77	केरल	वेयर: कुल 5850 क्यूमेक में से 3194 क्यूमेक खनन कार्य पूर्ण । एप्रोच चैनल एवं अंतर्वाह: 9100 क्यूमेक में से 3184 क्यूमेक पूर्ण । पावर सुरंग : 2300 क्यूमेक में से 164 क्यूमेक खनन कार्य पूर्ण । विद्युत गृह, स्वीचगार्ड एवं संबंधित कार्य: 44500 क्यूमेक में से 28957 क्यूमेक खनन और 15675मी. में से 808 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य पूर्ण ।
24.	न्यू उमतरु एमईईसीएल, 2x20=40 लागत:226.40	मेघालय	बांध: 208685 क्यूमेक में से 46184 क्यूमेक कार्य पूर्ण । 73488 क्यूमेक में से 13118 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य पूर्ण । इंटेक: 30000 क्यूमेक में से 26984 क्यूमेक का खनन कार्य पूर्ण । 13000 क्यूमेक में से 8862 क्यूमेक कंक्रिटिंग कार्य पूर्ण एचआरटी : खनन कार्य पूर्ण । स्टील सपोर्ट का उत्पापन कार्य पूर्ण । 14000 क्यूमेक में से 13886 क्यूमेक लाइनिंग कार्य पूर्ण । प्रेसर शॉफ्ट: पूर्ण. सर्ज शाफ्ट: खुला खनन कार्य पूर्ण और कंक्रिटिंग कार्य भी पूर्ण ।

			<p>पावर हाउस : खनन कार्य पूर्ण । टीआरटी : खुला खनन और सुरंग बोरिंग कार्य पूर्ण । ई एंड एम:दोनों यूनिटों के लिए ड्राफ्ट ट्यूब उत्पादन कार्य पूर्ण।</p>
	निजी क्षेत्र		
25.	<p>सोरांग हिमाचल सोरांग पावर कारपोरेशन लि. 2x50= 100 मेगावाट लागत: 586.00</p>	हिमाचल प्रदेश	<p>सिविल कार्य : लगभग पूर्ण । पेनस्टॉक: कार्य लगभग पूर्ण । ई एंड एम कार्य : दोनों यूनिटों का बॉक्सड अप किया गया ।</p>
26.	<p>टिडोंग-I मैसर्स एनएसएल टिडोंग पावर जेनरेशन लि. 2x50 = 100 मेगावाट लागत: 543.15</p>	हिमाचल प्रदेश	<p>बांध:खनन कार्य पूर्ण।4865 क्यूमेक में 4735 क्यूमेक कंक्रीटिंग कार्य पूर्ण । एचआरटी: 8.6 कि.मी. में से 4 कि.मी. खनन कार्य पूर्ण । सर्ज शाफ्ट: 110 मी. में से 12.6 मी. पायलट होल खनन कार्य पूर्ण । विद्युत गृह: 95% खनन कार्य और 25% कंक्रीट कार्य पूर्ण । प्रेसर शाफ्ट: अपर एवं लोअर इन्क्लाइंड हिस्से को छोड़कर खनन कार्य पूर्ण ।</p>
27.	<p>टंगनु रोमई-I मैसर्स टंगनु रोमई पावर जेनरेशन 2x22= 44 मेगावाट लागत: 255.00</p>	हिमाचल प्रदेश	<p>डायवर्जन कनाल: स्लोप कटिंग कार्य प्रगति पर है । डिसिल्टिंग चेंबर एवं एसएफटी: खनन कार्य प्रगति पर है । एचआरटी- 6267 मी. में से 1900 मीटर खनन कार्य पूर्ण विद्युत गृह: 52000 क्यूमेक में से 27075 क्यूमेक खनन कार्य पूर्ण ।</p>
28.	<p>श्रीनगर जीवीके इण्डस्ट्रीज लि. 4x82.5=330 लागत: 2069.00</p>	उत्तराखण्ड	<p>इकाई उत्पादन: इकाई#2: स्टे रिंग अलाइनमेंट कार्य पूर्ण.</p>
29.	<p>फाटा ब्लूंग मैसर्स लैंको 2x38 मेगावाट = 76 मेगावाट लागत: 720.00</p>	उत्तराखण्ड	<p>डायवर्जन सुरंग: नदी को डायवर्ट किया गया । बांध कंक्रीटिंग: 17800/18000 क्यूमेक कंक्रीटिंग कार्य पूर्ण । पी.एच: खनन कार्य पूर्ण एचआरटी:8474/9228 मी. खनन कार्य पूर्ण इनटेक-। एवं इनटेक-।। का खनन एवं लाइनिंग कार्य पूर्ण । केबल सुरंग: पूर्ण टीआरटी:178/235 मी खनन कार्य पूर्ण ।</p>
30.	<p>सिंगौली भटवारी मैसर्स एल एण्ड टी 3x33 मेगावाट = 99 मेगावाट लागत: 666.47</p>	उत्तराखण्ड	<p>नदी डायवर्जन: पूर्ण. बांध एवं डाइक/बैराज: 68842/90744 क्यूमेक खनन कार्य और 46981/76500 क्यूमेक कंक्रीटिंग कार्य पूर्ण । एचआरटी: 8300/11255 मी. खनन पूर्ण. प्रेसर शाफ्ट: 440.5/485 मीटर खनन कार्य पूर्ण पीएच: खनन कार्य पूर्ण एवं6517/18000 क्यूमेक कंक्रीटिंग कार्य पूर्ण । सर्ज टैंक: खनन कार्य पूर्ण ।</p>
31.	<p>महेश्वर, एसएमएचपीसीएल 10x40= 400 मेगावाट लागत: 2449.20</p>	मध्य प्रदेश	<p>सिविल एवं एचएम कार्य: सभी बड़े सिविल कार्य पूर्ण इकाई उत्पादन: इकाई-10: प्रारंभिक स्पीनिंग 14.10.2011 को प्राप्त की गई । इकाई-9 एवं 8: स्पीनिंग के लिए तैयार इकाई-7: गाइड अपरेटस ट्रायल एसंबली कार्य प्रगति पर । इकाई-6: टरबाइन इम्बेडेड पार्ट एवं फाउंडेशन पार्ट का उत्पादन कार्य पूर्ण विकासकर्ता के साथ नकद प्रवाह की समस्या के कारण नवंबर 2011 में भेल द्वारा कार्य निलंबित ।</p>
32.	<p>तीस्ता-III तीस्ता ऊर्जा लि. (टीयूएल) 6x200=1200 मेगावाट लागत: 5705.55</p>	सिक्किम	<p>बांध:सीएफआरडी, 11.5 लाख क्यूमेक में से 9.74 लाख क्यूमेक सामग्री निकाली गई। एचआरटी: खनन पूर्ण। 13824 मीटर में से 10269 मीटर ओवर्ट लाइनिंग पूर्ण और 13824 मीटर में से 2207 मीटर इन्वर्ट लाइनिंग पूर्ण। सभी मशीन हॉल, जीआईएस हॉल और टीआरटी पर पहुँचने वाली एसेस सुरंग का खनन पूर्ण। सर्ज शाफ्ट:शाफ्ट सिंकिंग प्रणाली द्वारा 158 मीटर शाफ्ट की खुदाई। 8994 क्यूमेक में से 1716 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण। प्रेसर शाफ्ट खनन:खनन पूर्ण। विद्युत गृह:खनन पूर्ण। ट्रांसफार्मर कैवर्न का भी खनन पूर्ण। टीआरटी: खननपूर्ण:1336 मीटर में से 1267 मीटर आवर लाइनिंग पूर्ण ।</p>
33.	<p>तीस्ता-VI लैंको</p>	सिक्किम	<p>बैरेज एण्ड डीसिल्टिंग:983349/1934000 क्यूमेक खनन और 191184/380003 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण। एचआरटी:1217402/2447447 क्यूमेक खनन पूर्ण और 191184/680562 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण।</p>

	4x125= 500 मेगावाट लागत:3283.08		सर्ज टैंक:खनन कार्य पूर्ण और 12377/54873 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण। प्रमुख एसेस सुरंग का खनन, बेंटीलेशन सुरंग एडिट में ट्रांसफार्मर कैवर्न, केबिल सुरंग और बीएफबी में एडिट चैम्बर पूर्ण। विद्युत गृह:खनन पूर्ण और 21945/44578 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण। ट्रांसफार्मर कैवर्न:खनन पूर्ण और 2539/7101 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण। टीआरटी:खनन पूर्ण। 24837/43725 क्यूमेक लाइनिंग पूर्ण। केबिल सुरंग और ट्रैचिस:खनन पूर्ण।
34.	रंगित-IV जल पावर कारपोरेशन लि. 3x40= 120 मेगावाट लागत:726.17	सिक्किम	बांध और इन्टेक कार्य:290733/519887 क्यूमेक खनन पूर्ण और 145413 क्यूमेक में से 61008.5 क्यूमेक कंक्रीटिंग पूर्ण। सड़क डाइवर्जन सुरंग का खनन पूर्ण कर लिया गया है। एचआरटी:खनन कार्य चल रहा है और 6488 मीटर में से 3557 मीटर कार्य पूर्ण। सर्ज शॉफ्ट:खनन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। विद्युत गृह:विद्युत गृह पर पहुँच के लिए सड़क बनाने का कार्य पूर्ण। डीसिल्टिंग चैम्बर:3360 मीटर में से 2121 मीटर खनन कार्य पूर्ण।
35.	जोरथंग लूप मैसर्स मैन्स एनर्जी 2x48 = 96 मेगावाट लागत: 403.00	सिक्किम	एचआरटी:5903 मीटर/6718 मीटर खनन कार्यपूर्ण। बैरेज:सभी बड़े सिविल कार्य पूर्ण। सर्ज शॉफ्ट:खनन कार्य पूर्ण और लाइनिंग ईएल 366.00 (55 मीटर) तक पूर्ण। प्रेशर शॉफ्ट:बॉटम क्षेतिज सुरंग (80.10 मीटर) पूर्ण। विद्युत गृह:खनन पूर्ण। टेल रेस चैनल:खनन एवं कंक्रीटिंग पूर्ण। ई एवं एम कार्य: यूनिट 1 और 2: स्पायर्स केसिंग और स्टेरिंग उत्थापन पूर्ण एवं हाइड्रोलिक प्रेशर परीक्षण पूर्ण। दोनों यूनिटों के ड्रॉफ्ट ट्यूब का उत्थापन एवं कंक्रीटिंग पूर्ण। एचएम कार्य:दोनों ही स्लूस सेवा गेट के तहत उत्थापित हो गए हैं। सभी पांचों सर्विस स्पिल्वे गेटों का निर्माण कर लिया गया है।
36.	भास्मे गति इन्फ्रास्ट्रक्चर 3x17= 51 मेगावाट लागत: 408.5	सिक्किम	डाइवर्जन सुरंग पूर्ण। एचआरटी: 309.85 आरएम/781.97 आरएम एडिट पूर्ण। विद्युत गृह: 181117/216147 क्यूमेक खनन पूर्ण। प्रेशर सुरंग/शॉफ्ट: 559.84 आरएम में से 40 आरएम खनन पूर्ण।
ख.	निष्पादनकर्ता के अधीन 12वीं योजना के दौरान लाभ के लिए हाइड्रो क्षमता		
	केंद्रीय क्षेत्र		
37.	टेहरी पीएसएस, टीएचडीसी, 4x250=1000 मेगावाट लागत: 2978.86	उत्तराखण्ड	पेन स्टॉक असंबली चैम्बर:कुल 95 आरएम में से 26.5 आरएम की लम्बाई में क्राउन स्लेशिंग पूर्ण। विद्युत गृह:पावर हाउस कैबर्न (203 मीटर) का क्राउन स्लेशिंग पूर्ण। सर्ज शॉफ्ट डाउनस्ट्रीम (संख्या 2):दोनों शॉफ्टों की पायलट शॉफ्ट खनन पूर्ण। टीआरटी (संख्या 2- 1000 मीटर एवं 1095 मीटर): टीआरटी-Iमें से 1070 आरएम में से 129 आरएम और टीआरटी-IIमें 1160 आरएम में से 83.4 आरएम के हेडिंग को प्राप्त कर लिया गया है।
38.	लता तपोवन, एनटीपीसी 3x57= 171 मेगावाट लागत: 792.00	उत्तराखण्ड	निर्माणपूर्व गतिविधियां चल रही हैं।
9ख	सुबानसिरी लोअर एनएचपीसी 8x250= 2000 मेगावाट (12वीं योजना में 1000 मेगावाट) लागत: 10667.00	अरुणाचल प्रदेश असम	उपर्युक्त 9(क) के अनुसार।
	राज्य क्षेत्र		
39.	शाहपुरकंडी इरीगेशन विभाग एण्ड पीएसपीसीएल 3x33+3x33+1x8=206 मेगावाट लागत: 2285.81	पंजाब	प्रमुख बांध और हाइड्रिल कैनल का सिविल कार्य प्रदान किया जा चुका है।
40.	शॉटोंग करचम एच.पी. पावर कारपोरेशन लि. 3x150= 450 मेगावाट लागत: 2807.83	हिमाचल प्रदेश	एचआरटी:27.2.13 को एडिट-IIमें पहला ब्लास्ट किया गया और 907 मीटर में से 94 मीटर पूर्ण। एडिट-IIIमें सड़क की पहुँच का कार्य शुरू। एडिट-IVमें 403 मीटर में से 7 मीटर के खननको पूर्ण कर लिया गया। ई एवं एम कार्य:अभी प्रदान किया जाना बाकी है।
41.	कोयना लेफ्ट बैंक पीएसएस	महाराष्ट्र	सिविल कार्य:

	डब्ल्यूआरडी. 2x40 = 80 मेगावाट लागत: 379.78		स्विचयार्ड का खनन पूर्ण। मशीन हाल: 55050 क्यूमेक में से 21300 क्यूमेक खनन पूर्ण। ई एवं एम: कार्य प्रदत्त।
	निजी क्षेत्र		
42.	रत्ने रत्ने हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजेक्ट प्रा. लि. 4x205+1x30= 850 मेगावाट लागत: 5517.02	जम्मू व कश्मीर	सिविल और एचएम कार्य के ईपीसी संविदा मैसर्स जीवीके प्रोजेक्ट्स एवं टेक्निकल सर्विस लिमिटेड को 04.07.2013 को प्रदान किया गया। निर्माणपूर्ण कार्यकलाप चल रहे हैं।
43.	बजोली होली मैसर्स जीएमआर बजोली होली हाइड्रो पावर प्रा. लि. लागत: 1696.93	हिमाचल प्रदेश	29.05.2013 को सिविल कार्यों को गैमान इंडिया लि. को प्रदान किया गया।
44	चंजु-I मैसर्स आईए एनर्जी 3x12=36 मेगावाट लागत: 295.09	हिमाचल प्रदेश	सिविल कार्य और ई एवं एम कार्य प्रदान किए जा चुके हैं।
45.	ताशिडिंग मैसर्स शिघा एनर्जी प्रा. लि. 2x48.5 = 97 मेगावाट लागत: 465.95	सिक्किम	एचआरटी (कुल - 5437 मीटर): फेस-1 : 818.50 मीटर, फेस-2: 564.0 मीटर, फेस-3: 907.70 मीटर, फेस-4: 495 मीटर, फेस-5 और 6: 7.50 मीटर में खनन पूर्ण हो चुक है। सर्ज शॉफ्ट:एडिट में सर्ज शॉफ्ट की सरफेस तैयारी पूर्ण। ई एवं एम कार्य:कार्य दिए जा चुके हैं। विद्युत गृह:ई-1 732.00 मीटर पपर खनन पूर्व एन्कर बीम के रिइन्फोर्सड सीमेंट कंक्रीट का 89% पूर्ण। क्लैडिंग बाल कंक्रीट का 95% पूर्ण। 63% सतह खनन कार्य पूर्ण। 40% शॉटक्रीटिंग कार्य पूर्ण।
46.	डिक्चू स्नेहा काइनेटिक पावर प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. 3x32= 96 मेगावाट लागत: 639.57	सिक्किम	बांध:86762 क्यूमेक में से 54000 क्यूमेक खनन पूर्ण। एचआरटी:5456 आरएम में से 72 आरएम खनन पूर्ण। विद्युत गृह:43570 क्यूमेक्स में से 22370 क्यूमेक्स का खनन पूर्ण । टीएच:9177 क्यूमेक में से 8914 क्यूमेक खनन पूर्ण। टीआरटी:295 आरएम में से 195 आरएम खनन पूर्ण। प्रमुख एसेस सुरंग:खनन पूर्ण।
47.	रंगित-II सिक्किम हाइड्रो पावर लि. 2x33= 66 मेगावाट लागत: 497.17	सिक्किम	फरवरी, 2012 में ईपीसी संविदा मैसर्स कोस्टल को प्रदान की गई।
48.	रोंगनिचू मध्य भारत पावर कारपोरेशन लि. 2x48= 96 मेगावाट लागत: 491.32	सिक्किम	निर्माणपूर्व कार्यकलाप चल रहे हैं।

पन विद्युत परियोजनाओं के संबंध में लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या 104 के विवरण के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में निर्दिष्ट अनुबंध

सीईए द्वारा सहमत और निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने हेतु शेष जल विद्युत स्कीमों की सूची

क्रम सं.	स्कीम	संस्थापित क्षमता (मेगावाट)
उत्तरी क्षेत्र		
जम्मू एवं कश्मीर		
1	पकल दुल	1000
हिमाचल प्रदेश		
2	कुटेहर	240
3	मियार	120
उत्तराखण्ड		
4	विष्णुगाड पीपलकोटी	444
5	कोटलीभेल चरण-Iए	195
6	कोटलीभेल चरण-Iबी	320
7	कोटलीभेल स्टे.-II	530
8	पाला मनेरी	480
9	अलकनंदा	300
10	रूपसियाबगर खसियाबाड़ा	261
11	व्यासी	120
12	देवसरी	252
उप-जोड़ : उत्तरी क्षेत्र :		4262
पश्चिमी क्षेत्र		
छत्तीसगढ़		
13	मतनार एचईपी	60
उप-जोड़ : पश्चिमी क्षेत्र :		60
पूर्वी क्षेत्र		
पश्चिम बंगाल		
14	रामम स्टे.-III	120
उड़ीसा		
15	जालापुट डैम टो	18
सिक्किम		
16	तीस्ता स्टे.-IV	520
17	पानन	300
उप-जोड़ : पूर्वी क्षेत्र :		958
दक्षिणी क्षेत्र		
केरल		
18	अथिरापिल्ली	163
आंध्र प्रदेश		
19	इंदिरासागर(पोलावरम)	960
कर्नाटक		
20	गुंदिया	200
उप-जोड़ : दक्षिणी क्षेत्र :		1323

पूर्वोत्तर क्षेत्र		
मणिपुर		
21	तिपाईमुख	1500
22	लोकटक डी/एस	66
अरुणाचल प्रदेश		
23	दिबांग	3000
24	डिबिन	120
25	लोअर सियांग	2700
26	नाफ्रा	120
27	न्यामजंगचू	780
28	तवांग स्टे.-I	600
29	तातो-II	700
30	तवांग स्टे.-II	800
31	देम्चे लोअर	1750
32	गोंगरी	144
33	हिरोंग	500
34	इटालिन	3097
35	टालोंग लोंडा	225
36	नर्यींग	1000
37	सियोम	1000
मिजोरम		
38	कोलोडाइन स्टे.-II	460
उप-जोड़ पूर्वोत्तर क्षेत्र		18562
कुल : अखिल भारत		25165

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-114

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

विद्युत परियोजनाओं हेतु उपस्कर

*114. श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण:
श्री अर्जुन राय:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या विगत कुछ वर्षों के दौरान स्वदेश में विनिर्मित उपस्कर के उपयोग की तुलना में चीनीविद्युत उत्पादन उपस्कर का उपयोग बढ़ा है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) क्या केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा स्वदेश में उत्पादित उपस्करों की तुलना में चीनीविद्युत उत्पादन उपस्कर के निष्पादन के संबंध में कोई मूल्यांकन किया गया था और यदि हां, तो इस संबंध में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा क्या निष्कर्ष निकाले गए;
- (घ) क्या सरकार का विचार देश में विद्युतसंबंधी उपस्कर हेतु आयात नीति में ढांचागत परिवर्तन करने का है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा अल्ट्रा मेगा पॉवर प्रोजेक्ट्स के लिए आवश्यक उपस्कर की लागत कम रखने तथा देश में आयातित विद्युत उपस्कर पर निर्भरता कम करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ङ): विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

विद्युत परियोजनाओं हेतु उपस्करोंके संबंध में लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 114 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) : 11वीं और 12वीं योजना में (नवंबर, 2013 तक) कुल 75222.7 मेगावाट ताप क्षमता अभिवृद्धि में से 28492 मेगावाट के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर की आपूर्ति चीनी विनिर्माताओं द्वारा की गई और वह भी अधिकांशतः निजी क्षेत्र के विकासकर्ताओं को की गई।

(ग) : 11वीं योजना के प्रथम चार वर्षों के दौरान सब-क्रिटिकल प्रौद्योगिकी पर आधारित और ताप विद्युत स्टेशनों में संस्थापित भारतीय उपस्करोंकी तुलना में चीनी उपस्करों का विश्लेषण केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा किया गया था। अध्ययन के निष्कर्ष निम्नलिखित हैं:

- 330 मेगावाट की चीनी यूनिटों को छोड़कर, चीनी और भेल दोनों की यूनिटों में अधिकतम सतत् रेटिंग में पर्याप्त प्रवाह मार्जिन है।
- स्वदेशी कोयले पर आधारित चीनी स्टेशनों का प्रचालनात्मक भार कारक भेल यूनिटों की तुलना में कम है। तथापि, चीनी स्वदेशी कोयला आधारित यूनिटों की प्रचालनात्मक ताप दर भेल यूनिटों की तुलना में अधिक है।
- भेल यूनिटें, स्वदेशी कोयला पर आधारित चीनी यूनिटों की तुलना में दूसरे दर्जे की ईंधन तेल खपत के संबंध में उल्लेखनीय बेहतर कार्यनिष्पादन दर्शाती हैं।
- आयातित कोयले पर आधारित चीनी यूनिटों का प्रचालनात्मक भार कारक, प्रचालनात्मक ताप दर और दूसरे दर्जे की ईंधन तेल खपत, घरेलू कोयले पर आधारित भेल यूनिटों से बेहतर है।

(घ) और(ङ): आयातित विद्युत उपस्करों पर निर्भरता कम करने और अल्ट्रा मेगा विद्युत परियोजनाओं (यूएमपीपी) के लिए अपेक्षित उपस्करों की लागत को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

- (i) सरकार ने निर्णय लिया है कि भारत में विनिर्मित मुख्य संयंत्र उपस्करोंके अनिवार्य उपयोग के लिए, मानक बोली दिशा-निर्देशों में, विशेष रूप से यूएमपीपी में, प्रावधान शामिल किया जाए।
- (ii) दक्ष उपस्कर और ईंधन खपत को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, ईंधन प्रभार के प्रयोजन हेतु नॉर्मेटिव स्टेशन ताप दर (एसएचआर) निर्धारित की गई है।
- (iii) केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा सभी केंद्रीय और राज्य ताप विद्युत उत्पादक कंपनियों को एक सलाह जारी की गई थी जिसमें सरकार द्वारा अनुमोदित थोक आदेशों के अनुरूप, अक्टूबर, 2015 तक, चरणबद्ध रूप से सुपर क्रिटिकल परियोजनाओं के बॉयलरों और टरबाइन जेनरेटरों के लिए आंत्रित की जाने वाली बोलियों में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा चरणबद्ध रूप से स्वदेशी विनिर्माण की शर्त शामिल करने की सलाह दी गई थी।
- (iv) देश में भेल की 20,000 मेगावाट की क्षमता के अलावा सुपर क्रिटिकल बॉयलर (16,000 मेगावाट प्रति वर्ष) और टरबाइन (15,000 मेगावाट प्रति वर्ष) के विनिर्माण के लिए कई संयुक्त उद्यम (उद्यमों) की स्थापना की गई है। इस प्रतिस्पर्धा के फलस्वरूप विद्युत संयंत्र उपस्करों की कीमतें प्रतिस्पर्धी होंगी।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1153
जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

विद्युत की मांग

1153. श्री राजय्या सिरिसिल्ला:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या राष्ट्रीय पन बिजली नीति के अनुसार कोयला भंडार वाले राज्य स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों से 12 प्रतिशत निःशुल्क विद्युत की मांग कर रहे हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई/की जा रही है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) : संसाधन सम्पन्न कुछ राज्यों जैसे छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्य प्रदेश और झारखंड का मानना है कि कोयला धारित राज्यों को उनके पर्यावरण और अवसंरचना पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव के लिए पर्याप्त मुआवजा दिया जाना चाहिए क्योंकि उनके अनुसार कोयले पर रायल्टी से राजस्व की प्राप्ति जलविद्युत परियोजनाओं के मेजबान राज्यों को की जाने वाली 12 प्रतिशत निःशुल्क विद्युत की तुलना में कम है ।

उपर्युक्त अनुरोध पर सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1159

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

विद्युत आवंटन

1159. श्री रामसिंह राठवा:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या केन्द्र सरकार ने पश्चिमी जोन कीकेन्द्रीय विद्युत यूनिट से आबंटित विद्युत के हिस्सेसे राज्यों को मिलने वाली विद्युत की मात्रा कोकम कर दिया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है औरइसके क्या कारण हैं और इसके परिणामस्वरूपउन राज्यों को राज्य-वार कितनी बिजली कममिल रही है; और
- (ग) सरकार का बिजली की इस कमी कोकिस प्रकार दूर करने का विचार है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) : वर्तमान वर्ष के दौरान, पश्चिमी क्षेत्र में स्थित केन्द्रीय क्षेत्र के उत्पादन स्टेशनों (सीजीएस) से पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के बीच विद्युत के हिस्से को 15141 मेगावाट के निश्चित हिस्से के आबंटन से घटाया नहीं गया है । पश्चिमी क्षेत्र के सीजीएस के अनाबंटित विद्युत से आबंटन को मानक प्रक्रिया के अनुसार, देश के अन्य क्षेत्रों/राज्यों में विद्युत की अपेक्षाकृत कमी के आधार पर समय-समय पर संशोधित किया गया था । तदनुसार, अनाबंटित कोटे से 180 मेगावाट विद्युत की कटौती की गई है । इस कटौती के परिणामस्वरूप, देश के शेष भागों/अन्य राज्यों/अन्य क्षेत्रों में विद्युत कमी की स्थिति की तुलना में पश्चिमी क्षेत्र में विद्युत की प्रतिकूल कमी नहीं होगी ।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1167

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

नापथा से विद्युत उत्पादन

1167. श्री जी.एम. सिद्देश्वर:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान सरकार द्वारा राज्य-वार नापथा ईंधन आधारित कितनी विद्युत परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है;
- (ख) देश में नापथा आधारित विद्युत परियोजनाओं से कुल कितनी मेगावाट विद्युत उत्पादन होने का अनुमान है;
- (ग) उक्त परियोजनाओं से उत्पादित विद्युत का प्रति यूनिट औसत उत्पादन लागत कितनी है;
- (घ) क्या सरकार का उक्त प्रयोजन के लिए नापथा का आयात करने का विचार है;
- (ङ) यदि हां, तो राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (च) सभी विद्युत परियोजनाओं के चालू होने तक प्रत्येक वर्ष कितनी विदेशी मुद्रा के व्यय होने की संभावना है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

- (क) : विद्युत अधिनियम, 2003 के अनुसार, ताप विद्युत संयंत्रों या फीडस्टोक के रूप में नापथा का उपयोग करने वाले विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए किसी मंजूरी/स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है ।
- (ख) : केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के रिकार्ड के अनुसार देश में अक्टूबर, 2013 माह में नापथा आधारित परियोजनाओं से विद्युत का कुल उत्पादन शून्य है ।
- (ग) से (च) : उपर्युक्त (ख) के परिप्रेक्ष्य में प्रश्न नहीं उठता ।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1173

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

विद्युत की बिक्री

1173. श्री आनंदराव अडसुलः
श्री अधलराव पाटील शिवाजीः

क्याविद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या योजना आयोग ने आयातित गैसके प्रयोग के लिए वाणिज्यिक विद्युत निर्माताओंकी राजसहायता बढ़ाने के बजाय निजी विद्युतसंयंत्रों को इंधन के रूप में उपयोग हेतु उनके उत्पादनके 50 प्रतिशत हिस्से की खुले बाजार में बिक्रीकिए जाने की अनुमति प्रदान करने संबंधी सुझावदिया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है औरइस संबंध में विद्युत मंत्रालय की क्या प्रतिक्रिया है;और
- (ग) इसकी विद्यमान स्थिति क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) :गैस पर आधारित विद्युत संयंत्रों की व्यवहार्यता में सुधार करने के लिए घरेलू गैस के साथ आयानित रीगैसीकृत द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की पूलिंग और अन्य विकल्पों की संभावना की जांच की जा रही है। उपरोक्त के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है ।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1174

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

टी.एच.डी.सी. में रोजगार

1174. श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या टिहरी बांध परियोजना द्वाराविस्थापित हुए परिवारों को टी.एच.डी.सी. इंडियालिमिटेड, टिहरी उत्तराखंड में रोजगार हेतु प्राथमिकता दी जा रही है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है औरयदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ग) गत तीन वर्षों के दौरान टी.एच.डी.सी.परियोजना में की गई नियुक्तियों का इंजीनियरोंसहित पद-वार ब्यौरा क्या है; और
- (घ) उक्त अवधि के दौरान इन पदों पर कितनेस्थानीय लोगों की नियुक्ति की गई?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)

(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख)-टीएचडीसीआईएल ने राज्य सरकार के साथ हस्ताक्षरित कार्यान्वयन करार के आधार पर परियोजना प्रभावित क्षेत्र से टिहरी बांध परियोजना में 822 व्यक्तियों को नियुक्त किया है।

(ग)और (घ)- पिछले 03 वर्षों के दौरान 49 कार्मिकों की भर्ती की गई थी, जिसमें 9 स्थानीय व्यक्ति थे। पद-वार ब्यौरे विवरण नीचे दिए गए हैं-

क्रम सं.	वर्ष	पद का नाम	कार्मिकों की संख्या
1.	2010	भूवैज्ञानिक	2
2.	2010	परिचर	2
3.	2011	इंजीनियर	1
4.	2011	लेखा अधिकारी	1
5.	2011	कंपनी सचिव (प्रशिक्षु)	1
6.	2011	कनिष्ठ तकनीशियन	1
7.	2012	उपप्रबंधक (वित्त)	2
8.	2012	इंजीनियर (प्रशिक्षु) तथा प्रबंधन (प्रशिक्षु)	36 03

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1193
जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

निधियों का आबंटन

1193. श्री रामकिशुनः

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान बाकी बचेगांवों और छोटी बस्तियों के पूर्ण विद्युतीकरण के लिए उत्तर प्रदेश को निधियों का आबंटन किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख) : राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के अंतर्गत किसी भी राज्य को निधियों का अग्रिम (अपफ्रंट) आबंटन नहीं किया गया है । मंजूर परियोजनाओं को निधियां पिछली किश्त (किश्तों) की धनराशि के उपयोग की रिपोर्ट देने तथा अन्य शर्तों को पूरा करने के आधार पर किश्तों में जारी की जाती हैं ।

11वीं योजना के फेज-II के दौरान वर्ष 2011 में आरजीजीवीवाई के अंतर्गत 72 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी । इनमें से 22 परियोजनाएं उत्तर प्रदेश राज्य के लिए मंजूर की गई थीं, जिनमें 245 गैर-विद्युतीकृत गांवों, 19,991 आंशिक रूप से विद्युतीकृत गांवों का विद्युतीकरण तथा 9,43,641 गरीबी रेखा से नीचे के (बीपीएल) घरों को मुफ्त विद्युत कनेक्शन जारी किया जाना शामिल था ।

सरकार ने उत्तर प्रदेश सहित देश में शेष जनगणना गांवों तथा 100 से अधिक की आबादी वाले सभी वास-स्थलों तथा सभी पात्र बीपीएल घरों का विद्युतीकरण किए जाने हेतु 12वीं योजना में आरजीजीवीवाई को जारी रखे जाने के लिए अनुमोदन प्रदान किया है ।

12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान आरजीजीवीवाई के अंतर्गत 39 परियोजनाओं (5-मध्य प्रदेश, 6-उत्तर प्रदेश तथा 28-राजस्थान) को मंजूरी दी गई है। इनमें से 6 परियोजनाएं उत्तर प्रदेश के लिए मंजूर की गई हैं, जिनमें 92 गैर-विद्युतीकृत गांवों, 3,179 आंशिक रूप से विद्युतीकृत गांवों का विद्युतीकरण तथा गरीबी रेखा से नीचे के (बीपीएल) 2,54,601 घरों को निःशुल्क विद्युत के कनेक्शन जारी किया जाना शामिल है।

10वीं और 11वीं योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के लिए 86 परियोजनाओं के लिए 4150.50 करोड़ रुपए (सब्सिडी सहित) जारी किए गए हैं।

आरजीजीवीवाई के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कारपोरेशन (आरईसी) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य को जारी की गई निधियां (ऋण और सब्सिडी सहित) निम्नानुसार है :-

(रु. करोड़ में)

	2010-11	2011-12	2012-13	15.11.2013 की स्थिति के अनुसार जारी की गई संचयी निधियां (वर्ष 2010-11 से पूर्व जारी निधियां शामिल है)
निधियां (ऋण तथा सब्सिडी सहित)	72.44	95.47	103.63	4150.50

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1200

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

पी जी सी आई एल द्वारा जुटाई गई धनराशि

1200. डॉ. पी. वेणुगोपाल:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पावर ग्रिड कॉरपोरेशनऑफ इंडिया लिमिटेड (पी जी सी आई एल) को करीब 7,500 करोड़ रुपये की धनराशि जुटाने की अनुमति दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या पीजीसीआईएल उक्त धनराशि का प्रयोग अपनी नई परियोजनाओं के प्रयोजनार्थ करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख) : जी, हां। भारत सरकार ने पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) को, 787,053,309 इक्विटी शेयरों (प्रदत्त पूँजी का 17%) की अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश (एफपीओ) के लिए अनुमति दे दी है, जिसमें 601,864,295 इक्विटी शेयरों (प्रदत्त पूँजी का 13%) के नए इश्यू और भारत सरकार द्वारा पावर ग्रिड में अपनी होल्डिंग में से 185,189,014 इक्विटी शेयरों (प्रदत्त पूँजी का 4%) का विनिवेश शामिल है। अनुवर्ती सार्वजनिक पेशकश से लगभग 6900 करोड़ रुपये प्राप्त होने की संभावना है जिसमें शेयरों के नए इश्यू से लगभग 5300 करोड़ रुपये और शेयरों के विनिवेश के माध्यम से लगभग 1600 करोड़ रुपये शामिल हैं।

(ग) और (घ) : जी, हां। इक्विटी शेयरों के नए इश्यू से जुटाई गई धनराशि, चल रही विभिन्न पारेषण परियोजनाओं के पूँजीगत व्यय के लिए पीजीसीआईएल द्वारा इस्तेमाल की जाएगी। परियोजनाओं के ब्यौरे अनुबंध में हैं।

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1200 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

एफपीओ प्राप्तियों के उपयोगहेतु परियोजनाओं की सूची

क्रम सं.	परियोजनाएं
1	एस्सार पावर गुजरात लिमिटेड की कनेक्टिविटी के लिए पारेषण प्रणाली।
2	रिहंद-III एवं विन्ध्याचल-IV के साथ संबद्ध पारेषण प्रणाली।
3	ओडिशा (भाग-ग) में फेज-उत्पादन परियोजनाओं के लिए पारेषण प्रणाली।
4	दक्षिणी क्षेत्र प्रणाली सुदृढीकरण- XIX (एसआरएसएस - XIX)
5	छत्तीसगढ़-डीपीआर-4 में आईपीपी उत्पादन परियोजनाओं के लिए पश्चिमी क्षेत्र के पश्चिम भाग में टीएस सुदृढीकरण।
6	कृष्णापट्टनम यूएमपीपी-भाग-ख के लिए पारेषण प्रणाली।
7	आंध्र प्रदेश के कृष्णापट्टनम क्षेत्र में आईएसजीएस परियोजनाओं के साथ संबद्ध सामान्य प्रणाली।
8	तूतीकोरिन क्षेत्र (भाग-ख) में कोस्टल एनर्जन प्राइवेट लिमिटेड और इण्ड-बराथ पावर (मद्रास) लिमिटेड एलटीओए उत्पादन परियोजनाओं के साथ संबद्ध सामान्य प्रणाली।
9	छत्तीसगढ़ (डीपीआर-2) में आईपीपी उत्पादन परियोजनाओं के लिए चम्पा और रायगढ़ (तमनार के पास) में पूलिंग स्टेशनों की स्थापना।
10	छत्तीसगढ़ (डीपीआर-1) में आईपीपी उत्पादन परियोजनाओं के लिए रायगढ़ (कोटरा) और रायपुर में पूलिंग स्टेशनों की स्थापना।
11	दक्षिणी क्षेत्र प्रणाली सुदृढीकरण- XVIII (एसआरएसएस - XVIII)
12	ओडिशा-भाग क में फेज-उत्पादन परियोजनाओं के लिए पारेषण प्रणाली।
13	मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में आईपीपी उत्पादन परियोजनाओं के लिए पारेषण प्रणाली।
14	छत्तीसगढ़ (डीपीआर-3) में आईपीपी उत्पादन परियोजनाओं के लिए पश्चिमी क्षेत्र के केंद्रीय भाग के साथ छत्तीसगढ़ में पूलिंग स्टेशनों के एकीकरण।
15	छत्तीसगढ़ (डीपीआर-7) में आईपीपी परियोजनाओं के लिए वर्धा-औरंगाबाद कॉरीडोर में प्रणाली सुदृढीकरण।
16	ओडिशा- भाग ख में फेज-उत्पादन परियोजनाओं के लिए पारेषण प्रणाली।
17	बाढ़-ITपीएस-उत्पादन - लिंक के साथ संबद्ध तत्काल निकास प्रणाली।
18	उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढीकरण-XXI (एनआरएसएस-XXI)
19	यूटीडीडी के मगरवाडा में 400/220 केवी जीआईएस उप-केंद्र की स्थापना के लिए पारेषण प्रणाली।
20	उत्तर क्षेत्र/पश्चिमी क्षेत्र- भाग ख से सिक्किम में उत्पादन परियोजनाओं से विद्युत के स्थानांतरण हेतु पारेषण प्रणाली।
21	झारखण्ड और पश्चिम बंगाल-भाग ख में फेज-उत्पादन परियोजनाओं के लिए पारेषण प्रणाली।
22	झारखण्ड और पश्चिम बंगाल-भाग क-2 में फेज-उत्पादन परियोजनाओं के लिए पारेषण प्रणाली।
23	श्रीकाकुलम क्षेत्र भाग-क में ईस्ट कोस्ट एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और एनसीसी, पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड एलटीओए उत्पादन परियोजनाओं के साथ संबद्ध सामान्य प्रणाली।
24	पल्लाताना गैस आधारित विद्युत परियोजना और बोंगाईगांव ताप विद्युत केंद्र (बोंगाईगांव मर्जड के लिए टीएस) के साथ संबद्ध पारेषण प्रणाली।
25	मौदा स्टेज-II (2x660 मेगावाट) के साथ संबद्ध पारेषण प्रणाली।
26	उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढीकरण -XXVI (एनआरएसएस-XXVI)
27	उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढीकरण -XXV (एनआरएसएस-XXV)

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1224

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

विद्युत का बंटवारा

1224. श्री भरत राम मेघवाल:

क्या विद्युत मंत्री पनबिजली परियोजना के लिए समझौता के बारे में 14 मार्च, 2013 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2777 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि सरकार द्वारा पंजाब की पनबिजली परियोजनाओं से हरियाणा और राजस्थान को विद्युत का बंटवारा करने का निर्णय करने हेतु उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

जैसा कि 14.03.2013 के लोकसभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 2777 के उत्तर में बताया गया है कि इस मामले का समाधान करने के लिए विगत समय में कई चर्चाएं हो चुकी हैं किन्तु पणधारी राज्यों के अलग-अलग विचारों के कारण सर्वसम्मति नहीं हो सकी है। इसके अतिरिक्त यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि पंजाब की जल विद्युत परियोजनाओं से विद्युत की हिस्सेदारी का मुद्दा हरियाणा राज्य बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य के मामले में 2009 के मूल वाद संख्या 3 में भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीन है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1225

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

विद्युत उत्पादन पर प्रभाव

1225. श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या कुछ कोयला खनन वाले राज्यों में आन्दोलनों के कारण उत्तर प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में विद्युत का उत्पादन प्रभावित हुआ है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
- (ग) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में विद्युत के उत्पादन में गिरावट लाने वाली ऐसी घटनाओं की राज्य-वार संख्या कितनी थी; और
- (घ) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या सुधरात्मक उपाय किये जा रहे हो या किये जानेका विचार है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) : उत्तर प्रदेश में पिछले तीन (3) वर्षों के दौरान कोयला खनन वाले राज्यों में आन्दोलन से विद्युत उत्पादन प्रभावित नहीं हुआ है ।

कोयला खनन वाले राज्यों में आन्दोलन के कारण पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान प्रभावित विद्युत यूटिलिटीयों द्वारा सूचित किए गए अनुसार उत्पादन हानि नीचे दी गई है :-

विद्युत यूटिलिटी	पावर स्टेशन	सूचित की गई उत्पादन हानि (मिलियन यूनिट में)
2010-11		
एनटीपीसी	तालचेर एसटीपीएस	90.3
2011-12		
एनटीपीसी	रामागुंडम एसटीपीएस	546.2
	सिम्हाद्रीएसटीपीएस	214.2
एपीजेनको	काकतीया	28.0
एमएसपीजीसीएल	पार्ली	98.1
2012-13		
एनटीपीसी	दादरी एसटीपीएस	53.5
	सिम्हाद्री एसटीपीएस	8.3
	तलचेरएसटीपीएस	13.7
2013-14 (3 दिसंबर, 2013 तक)		
एनटीपीसी	सिम्हाद्रीएसटीपीएस	45.9
	तलचेरएसटीपीएस	
एपीजेनको: आंध्र प्रदेश पावर जेनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड एमएसपीजीसीएल: महाराष्ट्र स्टेट पावर जेनरेशन कारपोरेशन लिमिटेड		

इस प्रकार की आकस्मिकताओं के दौरान, प्रभावित होने वाले संभावित विद्युत स्टेशनों को पहले से ही कोयले की आपूर्ति बढ़ा दी है ओर जहां भी संभव हो वैकल्पिक कोयला स्रोत के माध्यम से कोयले की आपूर्ति भी की जाती है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1226

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

आर.जी.जी.वी.वाई. की स्थिति

1226. श्री मकनसिंह सोलंकी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) मध्य प्रदेश के खारगोन और बरवानीक्षेत्रों में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना(आर.जी.जी.वी.वाई.) की वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ख) उक्त क्षेत्रों में योजना का कार्यान्वयनकब तक पूरा होने की संभावना है;
- (ग) क्या योजना के अंतर्गत वन ग्रामों को भीशामिल किया गया है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है औरयदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख): राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के अंतर्गत मध्यप्रदेश के खारगोन और बरवानी जिलों की परियोजनाओं को दिनांक 16.12.2011 को 11वीं योजना के चरण II के दौरान मंजूरी दी गई थी। दोनों परियोजनाएं 26.03.2012 को सौंपी गई थी। इन परियोजनाओं का क्षेत्र एवं उपलब्धियां निम्नवत हैं:-

मध्य प्रदेश का जिला	गैर-विद्युतीकृत गांव		आंशिक रूप में विद्युतीकृत गांव		गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवार	
	क्षेत्र	उपलब्धि	क्षेत्र	उपलब्धि	क्षेत्र	उपलब्धि
खारगोन	6	3 (50%)	1169	204 (17%)	44471	6153 (14%)
बरवानी	-	-	647	52 (8%)	21975	800 (4%)

इन परियोजनाओं को पूरा करने की निर्धारित अवधि कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा ठेका सौंपने की तारीख से 24 माह अर्थात् मार्च 2014 के अंत तक है।

(ग) और (घ): कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा प्रस्तावित वन ग्रामों सहित सभी गांवों को मंजूरी दी गई है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1234

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

उत्तर-पूर्व में जल विद्युत परियोजनाएं

1234. श्री बदरुद्दीन अजमल:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या बांग्लादेश ने मेघालय और मणिपुरमें जल विद्युत परियोजनाओं हेतु बांधों के निर्माणका विरोध किया है और क्या ऐसे कदम से इनराज्यों में विद्युत की कमी होगी;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग मेंइस मुद्दे को सुलझाना चाहता है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) सरकार द्वारा इस संबंध में बांग्लादेश केसाथ विवाद को यथाशीघ्र सुलझाने और इन राज्योंमें विद्युत की भारी कमी का समाधान करने हेतुक्या कदम उठाए गए/जा रहे हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ङ.)- बांग्लादेश ने मणिपुर में तिपाईमुख हाइड्रोइलैक्ट्रिक (बहुप्रयोजन) परियोजना (1500 मेगावाट) और मेघालय में मौफू (85मेगावाट) और माइन्टडू (84मेगावाट) बांध के बारे में अपनी चिंता जताई है। तिपाईमुख परियोजना के लिए सहमत संदर्भ शर्तों (टीओआर) के अनुसार संयुक्त अध्ययन करने के लिए भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग के तहत गठित उप-समूह द्वारा बैठकें आयोजित की गई हैं। जहां तक मेघालय में परियोजनाओं का संबंध है, बांग्लादेश पक्ष को सूचित कर दिया गया है कि मेघालय में परियोजनाएं संकल्पना की स्थिति में है और डीपीआर तैयार करने के लिए केवल कुछ जांच कार्य ही किया गया है। मणिपुर और मेघालय में विद्युत की कमी को दूर करने के लिए 30.11.2013 की स्थिति के अनुसार केंद्रीय उत्पादन केंद्र (सीजीएस) की सहायता क्रमशः 123 मेगावाट और 206 मेगावाट है। इसके अतिरिक्त, 12वीं योजना के दौरान सीजीएस से क्रमशः 136.5 मेगावाट और 186.5 मेगावाट का लाभ होने की संभावना है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1243

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

विद्युत परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण

1243. श्री बलीराम जाधव:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकारी एवं निजी विद्युत परियोजनाओं सहित विभिन्न विद्युत परियोजनाओं हेतु अधिगृहीत भूमि के लिए प्रभावित लोगों को मुआवजे प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित नीति का ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या पिछले तीन वर्षों के प्रत्येक एवं चालू वर्ष के दौरान महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों में विभिन्न ताप विद्युत परियोजनाओं के लिए अधिगृहीत भूमि हेतु प्रभावित लोगों का किसी मुआवजे का भुगतान किया गया है; और
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष एवं राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क)- राष्ट्रीय पुनर्स्थापना एवं पुनर्वास नीति 2007 विस्थापित हुए परिसम्पत्ति विहीन ग्रामीण गरीबों कम संसाधन वाले वर्गों अर्थात् छोटे और नाममात्र के किसानों, अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगों और महिलाओं को सहायता प्रदान करने पर बल देती है। इसमें लागत संबंधी निश्चितता और विस्थापित व्यक्तियों की आवश्यकताओं की ओर पर्याप्त ध्यान देने की भावना के साथ परियोजना की समयबद्ध पूर्णता को संभव बनाने के लिए परियोजना प्रभावित परिवारों (पीएएफ) और पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास हेतु प्रशासन (आरएण्डआर) के बीच प्रभावी बातचीत हेतु व्यापक परिदृश्य तैयार करना अपेक्षित है। नीति में प्रस्तावित पुनर्वास अनुदान और अन्य आर्थिक लाभ सभी परियोजना प्रभावित परिवारों पर लागू न्यूनतम सीमाएं विनिर्दिष्ट करते हैं और राज्य अपने स्वयं के उच्च स्तर के पैकेज अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं।

सरकार द्वारा एक नया भूमि अधिग्रहण, पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास अधिनियम पारित किया गया है। इससे भूमि अधिग्रहण और पुनर्स्थापन एवं पुनर्वास के संबंध में स्थानीय लोगों की और अधिक भागीदारी होगी।

(ख) और (ग)- राज्य क्षेत्र और निजी क्षेत्र की ताप परियोजनाओं के लिए दिए गए मुआवजे के संबंध में मंत्रालय में आँकड़े नहीं रखे जाते हैं।

जहां तक नेशनल थर्मल पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी)का संबंध है, गत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष (2010,2011 और 2012) तथा वर्तमान वर्ष 2013 के दौरान एनटीपीसी द्वारा राज्य सरकार को दिए गए मुआवजे का वर्ष-वार और राज्यवार ब्यौरा निम्नवत है:-

क्रम सं.	परियोजना का नाम	राज्य	अधिगृहीत भूमि के लिए राज्य सरकार को दिया गया मुआवजा (रूपये करोड़ में)
1	टाण्डा	यू.पी	182.74
2	नबीनगर, एनपीजीसीपीएल, बिहार के साथ जेवी	बिहार	381.94
3	गादरवारा	म.प्र.	80.00
4	खरगोन	म.प्र.	76.21
5	बरेथी	म.प्र.	138.00
6	लारा	छत्तीसगढ़	296.00
7	दारलीपल्ली	ओडिशा	287.14
8	कुडगी(केआईएडीबी एक्ट रूट)	कर्नाटक	37.06

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1251

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

निजी वितरण कंपनियों द्वारा बिजली
की बिक्री

1251. श्री गोरख प्रसाद जायसवाल:
श्री एस. अलागिरी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या निजी विद्युत वितरण कंपनियों के पास अधिशेष विद्युत नहीं रहने पर भी उन्हें सरकारद्वारा विद्युत बिक्री के लिए प्राधिकृत किया गया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है एवं इसके क्या कारण हैं; और
- (ग) पिछले तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष के दौरान उन निजी विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा बेची गयी विद्युत का ब्यौरा क्या है जिनके पास अधिशेष विद्युत उपलब्ध नहीं थी तथा उनसे लाभान्वितों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख): जी हाँ। वितरण कंपनियों को अधिनियम के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को विद्युत बिक्री के लिए प्राधिकृत किया गया है। विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 14 के अंतिम परंतुक इस प्रकार है:

"परंतु यह भी कि वितरण लाइसेंस को विद्युत में ट्रेडिंग शुरू करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता नहीं होगी। तदनुसार, वितरण कंपनियों विद्युत में व्यापार के लिए प्राधिकृत हैं।"

(ग): केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) अंतर-राज्यीय ट्रेडिंग लाइसेंसियों के माध्यम से अल्पकालिक द्विपक्षीय लेने-देने संबंधी आंकड़ों का अनुपालना करता है। सीईआरसी द्वारा दिए गए विस्तृत आंकड़ों के ब्यौरे के अनुसार क्रमशः वर्ष 2010-11, 2011-12 और 2012-13 के वर्षों के लिए निजी विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा बिक्री की गई विद्युत अनुबंध-I, II, एवं III में दी गई है।

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1251 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

व्यापारियों के द्वि-पक्षीय लेन-देन 2010-11 (बैंकिंग को छोड़कर)				
वास्तविक शेड्यूल वॉल्यूम (एमयूएस)	विक्रेता का नाम	राज्य	खरीदकर्ता का नाम	राज्य
0.73	बीआरपीएल	दिल्ली	एचपीपीसी	हरियाणा
28.30	बीआरपीएल	दिल्ली	केएसईबी	केरल
0.10	बीआरपीएल	दिल्ली	पीसीकेएल	कर्नाटक
0.70	बीआरपीएल	दिल्ली	एमएसईडीसीएल	महाराष्ट्र
47.04	बीआरपीएल	दिल्ली	आरडीपीपीसी	राजस्थान
134.04	बीआरपीएल	दिल्ली	यूपीसीएल	उत्तराखण्ड
31.58	बीआरपीएल	दिल्ली	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
17.49	बीवाईपीएल	दिल्ली	एनपीसीएल	उत्तर प्रदेश
31.03	बीवाईपीएल	दिल्ली	यूपीपीसीएल	उत्तर प्रदेश
1.20	बीवाईपीएल	दिल्ली	एमएसईडीसीएल	महाराष्ट्र
45.00	बीवाईपीएल	दिल्ली	केएसईबी	केरल
99.05	बीवाईपीएल	दिल्ली	यूपीसीएल	उत्तराखण्ड
47.03	बीवाईपीएल	दिल्ली	आरडीपीपीसी	राजस्थान
0.90	एनडीपीएल	दिल्ली	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
1.26	एनडीपीएल	दिल्ली	यूपीसीएल	उत्तरांचल
1.99	एनडीपीएल	दिल्ली	यूपीपीसीएल	उत्तर प्रदेश
0.35	टाटा पावर	महाराष्ट्र	एनडीपीएल	दिल्ली
131.12	टाटा पावर मुम्बई	महाराष्ट्र	पीएसपीसीएल	पंजाब
19.50	टीपीसीएल	महाराष्ट्र	टीएनईबी	तमिलनाडु
0.30	टीपीसीएल	महाराष्ट्र	वीएल	उड़ीसा
119.25	टोरेंट पावर	गुजरात	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
211.75	टोरेंट पावर	गुजरात	टीएमईबी	तमिलनाडु
31.39	टोरेंट पावर	गुजरात	टेनजेडको	तमिलनाडु
65.42	टोरेंट पावर	गुजरात	एमएसईडीसीएल	महाराष्ट्र
77.27	टोरेंट पावर	गुजरात	यूपीपीसीएल	उत्तर प्रदेश
17.99	टोरेंट पावर	गुजरात	यूटी सीएचडी	चंडीगढ़
270.19	टोरेंट पावर	गुजरात	पीसीकेएल	कर्नाटक
16.68	टोरेंट पावर	गुजरात	बेस्कॉम	कर्नाटक
64.22	टोरेंट पावर	गुजरात	एमपीपीटीसी	मध्य प्रदेश
18.90	टोरेंट पावर	गुजरात	केआईएसपीएल	अंतर्राज्यीय लाइसेंस
56.09	टोरेंट पावर	गुजरात	जेवीवीएनएल	राजस्थान
35.63	टोरेंट पावर	गुजरात	आरडीपीपीसी	राजस्थान

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1251 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

व्यापारियों के द्वि-पक्षीय लेन-देन 2011-12 (बैंकिंग को छोड़कर)				
वास्तविक शेड्यूल वॉल्यूम (एमयूएस)	विक्रेता का नाम	राज्य	खरीदकर्ता का नाम	राज्य
36.31	बीआरपीएल	दिल्ली	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
0.99	बीआरपीएल	नई दिल्ली	केएसईबी	केरल
28.08	बीआरपीएल	दिल्ली	एमएसईडीसीएल	महाराष्ट्र
0.17	बीवाईपीएल	दिल्ली	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	पश्चिम बंगाल
0.75	एनडीपीएल	दिल्ली	आरडीपीपीसी	राजस्थान
55.01	एनडीपीएल	दिल्ली	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
94.95	एनडीपीएल	दिल्ली	एमपीपीटीसी	मध्य प्रदेश
27.23	एनडीपीएल	दिल्ली	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	पश्चिम बंगाल
12.41	आरआईएल	महाराष्ट्र	एमपीपीटीसी	मध्य प्रदेश
2.95	आर इन्फ्रा	महाराष्ट्र	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
28.70	टाटा पावर मुंबई	महाराष्ट्र	एमपीपीटीसी	मध्य प्रदेश
0.40	टीपीसी (एल)	महाराष्ट्र	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	पश्चिम बंगाल
35.77	टोरेट	गुजरात	एपीपीसीसी	आंध्र प्रदेश
48.08	टोरेट	गुजरात	एमपीपीटीसी	मध्य प्रदेश
51.26	टोरेट पावर	गुजरात	पीसीकेएल	कर्नाटक

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1251 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

व्यापारियों के द्वि-पक्षीय लेन-देन 2012-13 (बैंकिंग को छोड़कर)				
वास्तविक शेड्यूल वॉल्यूम (एमयूएस)	किससे खरीदा गया-विक्रेता का नाम	किस राज्य से खरीदा गया	किससे बेचा गया-खरीदार का नाम	किस राज्य को बेचा गया
0.36	बीवाईपीएल	दिल्ली	ईईएल	महाराष्ट्र
3.52	बीवाईपीएल	दिल्ली	यूपीपीसीएल	उत्तर प्रदेश
2.26	बीवाईपीएल	दिल्ली	एमएसईडीसीएल	महाराष्ट्र
7.65	बीवाईपीएल	दिल्ली	एपीपीएमसीएल	मध्य प्रदेश
115.76	बीवाईपीएल	दिल्ली	आरडीपीपीसी	राजस्थान
71.77	बीवाईपीएल	दिल्ली	वीआईपीएल	महाराष्ट्र
0.50	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	जेएसईबी	झारखण्ड
0.29	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	वीएआरएमडीएफ	मध्य प्रदेश
0.26	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	वीएआरडीएमएन	मध्य प्रदेश
21.61	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एमपीपीटीसी	मध्य प्रदेश
12.77	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एमपीपीएमसीएल	मध्य प्रदेश
68.63	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	टोरेंट-डी	गुजरात
3.19	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एनपीसीएल	उत्तर प्रदेश
4.65	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एपीडीसीएल	असम
1.42	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	ईएसआईएल	गुजरात
6.62	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	पीएसपीसीएल	पंजाब
0.44	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एपीएनआरएल	पश्चिम बंगाल
183.43	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	यूपीसीएल	उत्तराखण्ड
5.13	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	केएसईबी	केरल
0.59	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एसटीएल	महाराष्ट्र
5.70	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	यूपीपीसीएल	उत्तर प्रदेश
8.10	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	यूटी-सी	छत्तीसगढ़
4.74	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एवीवीएनएल	राजस्थान
6.38	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	जेवीवीएनएल	राजस्थान
5.23	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	जेडीवीवीएनएल	राजस्थान
3.08	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	यूपीपीसीएल	उत्तर प्रदेश
16.86	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	आरडीपीपीसी	राजस्थान
0.76	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एसटीएल	महाराष्ट्र
0.37	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एससीएल	आंध्र प्रदेश
6.74	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एमपीपीएमसीएल	मध्य प्रदेश
10.36	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एसटीएल	महाराष्ट्र
9.48	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	पश्चिम बंगाल
192.55	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एमएसईडीसीएल	महाराष्ट्र
65.11	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	एनपीसीएल	उत्तर प्रदेश
0.71	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	ईईएल	महाराष्ट्र
7.96	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	ईएसआईएल	गुजरात
125.99	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	यूपीसीएल	उत्तराखण्ड
8.26	एनडीपीएल (टीपीडीडीएल)	दिल्ली	आरआईएल, वहेज	गुजरात

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1263

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है ।

विद्युत क्षेत्र में एफ.डी.आई.

1263. डॉ. रामचन्द्र डोम:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विद्युत क्षेत्र में प्रत्यक्षविदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दे दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश द्वारा वित्त-पोषित विद्युत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनके लिए सरकार ने काउंटर गारंटी का आश्वासन दिया है; और

(घ) ऐसी परियोजनाओं में शामिल निवेश की राशि परियोजना-वार कितनी है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख) : स्वचालित मार्ग के अंतर्गत विद्युत के उत्पादन (नाभिकीय ऊर्जा को छोड़कर) पारेषण, वितरण और व्यापार में 100% तक एफडीआई की अनुमति दी गई है । भारत सरकार ने दिनांक 22.08.2013 को "स्वचालित मार्ग" के माध्यम से 49% (26% एफडीआईउ 23% एफआईआई) के रूप में सीईआरसी विनियम, 2010 के अंतर्गत पंजीकृत पावर एक्सचेंजों के लिए एफडीआई कैप हेतु संशोधित स्थिति अधिसूचित की ।

(ग) और (घ) : देश में कोई भी परियोजना एफडीआई के माध्यम से वित्तपोषित नहीं की गई है जिसके लिए सरकार ने काउंटर गारंटी सुनिश्चित की है ।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1269

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

कटवा तापीय विद्युत परियोजना

1269. श्री अभिजीत मुखर्जी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय ताप विद्युतनिगम लिमिटेड (एनटीपीसी) की कटवा ताप विद्युतपरियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है;
- (ख) उक्त परियोजना हेतु आबंटित की गई धनराशि और उसके उपयोग का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या इस परियोजना की स्थापना हेतु अधिग्रहीत की गई भूमि पर्याप्त है अथवा एनटीपीसी द्वारा कुछ और भूमि का अधिग्रहण किए जाने का प्रस्ताव है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (घ) : एनटीपीसी द्वारा क्रियान्वित की जा रही कटवा परियोजना की प्रस्तावित क्षमता 1320 मे.वा. है। एनटीपीसी ने दिनांक 04.03.2011 को परियोजना के लिए कोयला लिक्वेंज हेतु आवेदन किया है। कुल अपेक्षित भूमि 700 एकड़ है जिसमें से 556 एकड़ भूमि पश्चिम बंगाल पावर डेवलेपमेंट कारपोरेशन लिमि. द्वारा अधिग्रहित कर ली गई है। एनटीपीसी ने भागीरथी नदी के छोर पर ऐश पाण्ड, रेलवे कॉरिडोर और वाटर पम्प हाउस बनाने के लिए शेष भूमि के अधिग्रहण हेतु पश्चिम बंगाल सरकार से अनुरोध किया है। अब तक निर्माण पर कोई भी पूंजी व्यय नहीं किया गया है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1275
जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

नवीकरणीय विद्युत परियोजनाएं

1275. श्रीमती बोचा झांसी लक्ष्मी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) ग्रिड से जुड़ी वृहत स्तरीय नवीकरणीयविद्युत परियोजनाओं के लिए विश्वसनीय ग्रिडसमेकन, भविष्यवाणी, शेड्यूलिंग और डिस्पैच कोबढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलोंका ब्यौरा क्या है; और
- (ख) नवीकरणीय विद्युत के लिए दीर्घावधिपारेषण योजना हेतु रणनीति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख) :नवीकरणीय विद्युत परियोजनाओं सहित सभी उत्पादन परियोजनाओं की शेड्यूलिंग तथा डिस्पैच, इंडियन इलैक्ट्रिसिटी ग्रिड कोड (आईईजीसी) जैसे केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) के संगत विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप की जाती है। नवीकरणीय विद्युत उत्पादन परियोजनाओं के एकीकरण के लिए पारेषण प्रणाली की आयोजना मैनुअल आन ट्रांसमिशन प्लानिंग क्रोइटेरिऑन के प्रावधानों के अनुरूप की जाती है। 12वीं योजना अवधि में आठ(8) नवीकरणीय विद्युत संपन्न राज्यों में लगभग 33 जीडब्ल्यू नवीकरणीय क्षमता अभिवृद्धि किए जाने का विचार है। 12वीं योजना में इस प्रकार की बड़े पैमाने पर नवीकरणीय उत्पादन क्षमता के एकीकरण को सुविधाजनक बनाने की दृष्टि से अंतःराज्यीय एवं अंतरराज्यीय पारेषण प्रणाली को सुदृढ़ करने वाली एक व्यापक पारेषण योजना की पहचान की गई है, जिसमें अन्य बातों के साथ साथ नवीकरणीय विद्युत उत्पादन का पूर्वानुमान जैसी नियंत्रण अवसंरचना, बैलेंसिंग अवसंरचना, नवीकरणीय विद्युत प्रबंधन केन्द्रों (आरईएमसी) की स्थापना आदि शामिल हैं।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1285

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

विद्युत संयंत्र की स्थापना

1285. श्री यशवंत लागुरी:

श्री लक्ष्मण टुडु:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या देश में उच्च जिम्मेदार पदाधिकारियोंकी अक्षमता एवं लापरवाही के कारण विद्युतसंयंत्रों के कार्यकरण/निर्माण में विलंब हुआ है;
- (ख) यदि हां, तो ऐसी विद्युत परियोजनाओं मेंविलंब का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
- (ग) सरकार द्वारा विद्युत संयंत्रों के निर्माण मेंलगे उच्च पदाधिकारियों की अक्षमता औरलापरवाही को रोकने के लिए क्या कदम उठाएगए हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)

(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) : परियोजना के लिए विभिन्न इनपुट/स्वीकृति मिलने में विलंब, उपस्करों/सामग्रियों की आपूर्ति में विलंब, जनशक्ति की कमी, संविदात्मक विवाद, कानून और व्यवस्था आदि की समस्याओं आदि जैसे विभिन्न कारणों की वजह से देश में विद्युत संयंत्रों के निष्पादन/निर्माण में विलंब होता है। इसके अतिरिक्त, जल विद्युत संयंत्रों में भी डिजाइन में परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाओं, भूवैज्ञानिक अप्रत्याशित घटनाओं, कठिन क्षेत्र, दुर्गम पहुंच और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की समस्याओं के कारण विलंब होता है।

विलंब से बचने के लिए सरकार निर्माणाधीन परियोजनाओं की गहन निगरानी करती है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण(सीईए) विद्युत अधिनियम, 2003 के 73(एफ) के अनुसरण में विद्युत परियोजनाओं की निगरानी का कार्य करती है। इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने जल विद्युत/ताप परियोजनाओं की प्रगति कीस्वतंत्र रूप से देख-रेख एवं निगरानी के लिए विद्युत परियोजना निगरानी पैनल(पीपीएमपी) का गठन किया है और विद्युत राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) और विद्युत सचिव द्वारा इसकी नियमित रूप से समीक्षा की जाती है।

निर्धारित समय से विलंब से चल रही ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं की सूची विलंब के लिए कारण सहित क्रमशःअनुबंध-1 और II पर दी गई है।

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1285 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

उन थर्मल पावर परियोजनाओं का ब्यौरा जो अपने शुरू होने के निर्धारित समय से पीछे हैं और उनके कारण सहित

राज्य	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी	इकाई सं.	क्षमता (मेगावाट)	चालू होने का वास्तविक कार्यक्रम	विलंब के कारण
केंद्रीय क्षेत्र						
असम	बोगाईगांव टीपीपी	एनटीपीसी	यू-1	250	जनवरी-11	निरंतर बंद, भारी वर्षा और धीमे सिविल कार्य, वर्ष 2011-12 के दौरान हिंसा तथा स्थल से श्रमिकों के पलायन के कारण रूक गया।
			यू-2	250	मई-11	
			यू-3	250	सितंबर-11	
बिहार	बाढ़ एसटीपीपी- I	एनटीपीसी	यू-1	660	अक्टूबर -13	पावर मशीन और टेक्नोप्रोमेक्सपोर्ट, रूस के साथ एनटीपीसी के विवाद के कारण विलंब, तथापि, इसका समाधान कर दिया गया है। मैसर्स टीपीई और मैसर्स पीएम द्वारा बायलर और टरबाइन सामग्री की आपूर्ति में विलंब और कार्यों की धीमी प्रगति के कारण विलंब। मैसर्स टीपीई द्वारा बीओआई का आदेश देने में विलंब। वास्तविक समय 2009-10 और 2010-11 में था। विवादों के निपटारे के पश्चात मैसर्स टीपीई और पावर मशीन रूस के साथ संशोधित समय के लिए बातचीत की गई।
			यू-2	660	अप्रैल-14	
			यू-3	660	अक्टूबर -14	
बिहार	बाढ़ एसटीपीपी-II	एनटीपीसी	यू-5	660	अक्टूबर -13	बायलर और टीजी पैकेजों के लिए भेल द्वारा सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
बिहार	मुजफ्फरपुर टीपीएस एक्सपें (कांटी टीपीपी चरण-II)	एनटीपीसी	यू-3	195	अक्टूबर -12	मुख्य संयंत्र सिविल कार्य सौंपने में विलंब। सिविल और ढांचागत कार्यों को पूरा करने में विलंब।
			यू-4	195	जनवरी-13	
बिहार	नवीनगर टीपीपी	एनटीपीसी	यू-1	250	मई-13	भूमि अधिग्रहण में विलंब। मुख्य संयंत्र सिविल एजेंसी ईआएर द्वारा कमजोर गतिशीलता जिससे भेल द्वारा निर्माण एजेंसियों को सिविल कार्य सौंपने में विलंब हुआ। उपस्करों की आपूर्ति।
			यू-2	250	सितंबर-13	
			यू-3	250	जनवरी-14	
			यू-4	250	मई-14	
झारखण्ड	बोकारो टीपीएस "क" एक्स.	डीवीसी	यू-1	500	दिसंबर-11	स्विचयार्ड(प्रभारित) के हस्तांतरण में विलंब। वर्तमान भूमिगत सुविधाओं को हटाने में विलंब। भेल द्वारा सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
म.प्र.	विंध्याचल टीपीपी -IV	एनटीपीसी	यू-13	500	अगस्त-15	बीओपी आदेश में विलंब तथा बायलर ढांचागत निर्माण की धीमी प्रगति।
तमिलनाडु	नेवेली टीपीएस-II एक्सपें.	एनएलसी	यू-2	250	जून-09	रिफ्रेक्टरी कार्य को पूरा करने में विलंब।
तमिलनाडु	तूतीकोरीन जेवी टीपीपी	एनएलसी	यू-1	500	मार्च-12	सिविल कार्यों की धीमी प्रगति और मुख्य संयंत्र उपस्करों की नींव के प्रारूप में परिवर्तन। जनशक्ति की कमी।
			यू-2	500	अगस्त-12	
तमिलनाडु	वल्लुर टीपीपी फेज-II	एनटीईसीएल	यू-3	500	दिसंबर-12	सिविल एजेंसी द्वारा कमजोर गतिशीलता जिससे सिविल कार्यों को सौंपने में विलंब हुआ। बायलर सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
त्रिपुरा	मोनार्चक सीसीपीपी	नीपको	जीटी+ एसटी	101	जुलाई-13	सिविल कार्य ठेका सौंपने में विलंब और भेल द्वारा सामग्री की आपूर्ति में विलंब। भारी मानसून। गैस पाइप लाइन बिछाने में विलंब।
त्रिपुरा	त्रिपुरा गैस	ओएनजीसी	मॉड्यूल -2	363.3	मार्च-12	भेल द्वारा लाजिस्टिक सौंपने में विलंब। सिविल कार्य की धीमी प्रगति। भारी वर्षा। सामग्री की आपूर्ति में विलंब। गैस में अशुद्धताओं के कारण एयर बूस्टर कम्प्रेसर को क्षति।
प.बं.	रघुनाथपुर टीपीपी, फेज-I	डीवीसी	यू-1	600	फरवरी-11	जल और रेल कारीडोर के लिए भूमि अधिग्रहण में विलंब। मुख्य संयंत्र उपस्करों के निर्माण में विलंब। बायलर इन्सुलेशन कार्य के पूरा होने में विलंब। सीएचपी की धीमी प्रगति। कानून एवं व्यवस्था समस्या।
			यू-2	600	मई-11	
कुल केंद्रीय क्षेत्र				9194.3		
राज्य क्षेत्र						
आंध्र प्र.	दामोदरम संजीवैया टीपीपी	एपीपीडीसीएल	यू-1	800	जुलाई-12	सिविल कार्यों के शुरू होने तथा आपूर्तियों में विलंब के कारण विलंब। बाहरी सीएचपी, आरडब्ल्यूपीएच और सीटी का निर्माण।
			यू-2	800	जनवरी-13	
आंध्र प्र.	काकतिया टीपीपी एक्सटें.	एपीजेको	यू-1	600	जुलाई-12	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब।
आंध्र प्र.	रायलसीमा स्टे-III	एपीजेको	यू-6	600	जुलाई-14	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब।

असम	नामरूप सीसीजीटी	एपीजीसीएल	जीटी	70	सितंबर-11	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब और सिविल एजेंसी के खराब निष्पादन के कारण विलंब। भूमि की खराब स्थिति और भारी वर्षा। भेल द्वारा सामग्री की आपूर्ति में विलंब और दक्ष जनशक्ति की कमी।
			एसटी	30	जनवरी-12	
छत्तीसगढ़	मारवा टीपीपी	सीएसपीजीसीएल	यू-1	500	मई-12	आरम्भिक विलंब चिमनी अवार्ड किए जाने में परिवर्तन के कारण हुआ था। बीओपी(सीएचपी, एएचपी और 400 केवी स्विचयार्ड आदि) की तैयारी में विलंब और कानून एवं व्यवस्था समस्याएं, सामग्री की प्राथमिकता आदि।
			यू-2	500	जुलाई-12	
दिल्ली	प्रगति सीसीजीटी-III	पीपीसीएल	चरण-2	250	नवंबर-10	सिविल कार्यों को पूरा होने में विलंब कर्मचारियों द्वारा की जाने वाली निरंतर हड़ताल के कारण मशीन के निर्माण के पूरा होने में विलंब।
गुजरात	पीपावाव सीसीपीपी	जीएसईसीएल	ब्लॉक-1	351	सितंबर-10	सिविल कार्यों में विलंब और आपूर्ति में विलंब। क्षतिग्रस्त जीटी काम्रेसर रोटर की आपूर्ति के कारण परियोजना प्राधिकारी और भेल के बीच कार्य रुका रहा। इसका निपटारा कर दिया गया है। जीआरपी पाइप लाइन और आईबीएच हेडर के संशोधन में विलंब।
गुजरात	सिक्का टीपीपी एक्सटें.	जीएसईसीएल	यू-3	250	अक्टूबर-13	सिविल कार्य की तैयारी में विलंब और बीओपी आदेश देने में विलंब। बीओपी की धीमी प्रगति। बायलर और टीजी के निर्माण की धीमी प्रगति।
			यू-4	250	जनवरी-14	
गुजरात	भावनगर सीएफबीसी टीपीपी	भावनगर एनर्जी	यू-1	250	अक्टूबर-13	सिविल कार्यों में विलंब और भेल द्वारा गैर क्रमबद्ध आपूर्ति। बीओपी की धीमी प्रगति।
			यू-2	250	दिसंबर-13	
महाराष्ट्र	चंद्रपुर टीपीएस	एमएसपीजीसीएल	यू-8	500	जून-12	बीओपी आदेश देने में विलंब और मुख्य संयंत्र उपस्कर आपूर्ति में विलंब। भेल द्वारा गैर क्रमबद्ध आपूर्ति। बीओपी में धीमी प्रगति। भारी मानसून।
			यू-9	500	सितंबर-12	
महाराष्ट्र	कोराडी टीपीपीएक्सटें.	एमएसपीजीसीएल	यू-8	660	दिसंबर-13	सिविल कार्यों में विलंब। भारी वर्षा के कारण कार्य की प्रगति में विलंब हुआ।
			यू-9	660	जून-14	
			यू-10	660	दिसंबर-14	
महाराष्ट्र	पार्ली टीपीपीएक्सटें.	एमपीपीजीसीएल	यू-8	250	जनवरी-12	बीटीजी आपूर्ति में विलंब। चित्रों के अनुमोदन में विलंब। धीमा निर्माण कार्य। बीओपी में धीमी प्रगति।
म.प्र.	मालवा टीपीपी (श्री सिंगाजी टीपीपी)	एमपीजीईएनसीओ	यू-2	600	अक्टूबर-12	जनशक्ति की कमी। बायलर प्रेशर पार्ट आपूर्ति/निर्माण में विलंब। ईएसपी में विलंब और आईडी एवं एफडी फैन की तैयारी।
म.प्र.	सतपुरा टीपीपी एक्सटें	एमएसपीजीसीएल	यू-11	250	अप्रैल-12	ईएसपी नियंत्रण कक्ष की तैयारी। मिलिंग प्रणाली और पीए एवं एफडी फैन की तैयारी में विलंब।
राजस्थान	छाबरा टीपीपी एक्सटें	आरआरवीयूएनएल	यू-4	250	जुलाई-11	टीजी डेरूक के आस-पास कन्वेंसर की नींव एवं तैयारी में विलंब। यू-3 और 4 के बीच संबंध वाले प्लेटफार्म की तैयारी में विलंब।
राजस्थान	कालीसिंध टीपीएस	आरआरवीयूएनएल	यू-1	600	अगस्त-11	जनरेटर ट्रांसफार्मर की आपूर्ति में विलंब और बंकर और मिलों के निर्माण में विलंब। पारेषण लाइन की तैयारी में विलंब।
			यू-2	600	मार्च-12	बंकर एवं कोयला मिलों के ढांचागत निर्माण में विलंब।
राजस्थान	रामगढ़ सीसीपीपी एक्सटें. -III	आरआरवीयूएनएल	एसटी	50	अक्टूबर-11	एसटी कार्स्टिंग की तैयारी में विलंब और एसटी डैक तलों सहित एसटी हाल की तैयारी। टीजी निर्माण के शुरू होने में विलंब।
उ.प्र.	अनपरा डी	यूपीआरवीयूएनएल	यू-6	500	मार्च-11	सिविल कार्यों में विलंब। चिमनी और कूलिंग टावर आदि की धीमी प्रगति। बायलर सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
			यू-7	500	जून-11	
प. बं.	दुर्गापुर टीपीएस एक्सटें.	डीपीएल	यू-8	250	दिसंबर-13	बीटीजी की आपूर्ति में विलंब। जनरेटर ट्रांसफार्मर की मरम्मत में विलंब। एएचपी की धीमी प्रगति।
प.बं.	सागरदिघी टीपीएस एक्सटें.	डब्ल्यूबीपीडीसासी	यू-3	500	जुलाई-14	बायलर और टीजी सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
			यू-4	500	अक्टूबर-14	
राज्य क्षेत्र कुल				13331	नवंबर-09	
निजी क्षेत्र						
आंध्र प्र.	भवनपाडु टीपीपी	ईस्ट कोस्ट एनर्जी लि.	यू-1	660	अक्टूबर-13	कार्य पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के आदेश के कारण लंबे समय तक रुका रहा। कानून एवं न्याय समस्या।
			यू-2	660	मार्च-14	
आंध्र प्र.	एनसीसी टीपीपी	एनसीसी पावर प्रोजेक्ट लि.	यू-1	660	मार्च-15	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब। मुख्य संयंत्र पैकेज की आपूर्ति में विलंब।
			यू-2	660	जून-15	
आंध्र प्र.	पेनमपुरम टीपीपी	थर्मल पावर टेक. कारपो. लि.	यू-1	660	अप्रैल-14	सिविल कार्यों के शुरू होने तथा पूरा होने में विलंब।
			यू-2	660	अगस्त-14	
आंध्र प्र.	सिम्हापुरी एनर्जी प्रा लि फेज-II	मधुकन प्रोजेक्ट लि.	यू-3	150	दिसंबर-11	परियोजना के चरण-1 के शुरू होने में विलंब और अंजी,

			यू-4	150	फरवरी-12	सीएचपी तथा शीफ्टरी सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
आंध्र प्र.	शामिनापटनम टीपीपी-II	मीनाक्षी एनर्जी लि.	यू-3	350	मई-12	सिविल कार्यों की धीमी प्रगति। बैंकरों के साथ भुगतान की समस्या। बीटीजी ठेकेदार के वैध लाइसेंस के उपलब्ध न होने के कारण कार्य रुका रहा।
			यू-4	350	अगस्त-12	
आंध्र प्र.	वाईजैंग टीपीपी	हिन्दुजा नेशनल पावर कारपो. लि.	यू-1	520	जून-13	सिविल कार्यों की धीमी प्रगति। जल प्रणाली, सीडब्ल्यू प्रणाली, सीएचपी और बिजली शुरू करने के लिए पारेषण लाइनें।
			यू-2	520	सितंबर-13	
छत्तीसगढ़	अकलतारा टीपीपी (नैयारा)	केएसके महानदी पावर कं. लि.	यू-2	600	अगस्त-12	जनशक्ति की कमी और ग्रामीणों द्वारा आन्दोलन।
			यू-3	600	दिसंबर-12	
			यू-4	600	अप्रैल-13	
छत्तीसगढ़	अवंथा भंडार टीपीएस	कोरबा वेस्ट पावर कं. लि.	यू-1	600	जुलाई-12	सिविल कार्यों में विलंब तथा चिमनी की तैयारी। सीएचपी और एएचपी की तैयारी में विलंब।
छत्तीसगढ़	बराधरा टीपीपी (डीबी पावर टीपीपी)	डीबी पावर कं. लि.	यू-1	600	मार्च-13	सिविल कार्यों का देशी से शुरू होना। सीएचपी, एएचपी और मिलों की तैयारी में विलंब।
			यू-2	600	जुलाई-13	
छत्तीसगढ़	बालको टीपीपी	भारत एल्युमीनियम कं. लि.	यू-1	300	फरवरी-11	चिमनी का टूटना। राज्य सरकार से संयंत्र के प्रचालन हेतु स्वीकृति प्राप्त न होना।
			यू-2	300	नवंबर-10	
छत्तीसगढ़	बांडाखार टीपीपी	मै. मारुति क्लीन कोल एण्ड पावर लि.	यू-1	300	दिसंबर-12	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब।
छत्तीसगढ़	बिजकोट टीपीपी	मै. एसकेएस पावर जेनरेशन लि. (छत्तीसगढ़)	यू-1	300	जनवरी-14	सिविल कार्यों का देशी से शुरू होना। बायलर ड्रम की आपूर्ति में देरी। सिविल कार्यों का देशी से शुरू होना। बायलर ड्रम की आपूर्ति में देरी। *स्थल पर कार्य अभी होना है।
			यू-2	300	अप्रैल-14	
			यू-3	300	जुलाई-14	
			यू-4	300	अक्टूबर-14	
छत्तीसगढ़	लैंको अमरकंटक टीपीएस-II	लेप प्रा. लि.	यू-3	660	जनवरी-13	जल प्रणाली और बीओपी के लिए भूमि के अधिग्रहण में विलंब। वित्तीय अवरोध, बीटीजी सामग्री की आपूर्ति आदि में विलंब।
			यू-4	660	मार्च-13	
छत्तीसगढ़	रायखेड़ा टीपीपी	जीएमआर	यू-1	685	सितंबर-13	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब।
			यू-2	685	जनवरी-14	
छत्तीसगढ़	सिंघीतराय टीपीपी	ऐथना छत्तीसगढ़ पावर लि.	यू-1	600	जून-14	भूमि अधिग्रहण में विलंब।
			यू-2	600	सितंबर-14	
छत्तीसगढ़	स्वास्तिक टीपीपी	मैसर्स एसीबी	यू-1	25	जून-12	बीओपी की तैयारी में विलंब। सीएचपी विक्रेताओं के साथ व्यावसायिक विवाद के कारण विलंब। शीफ्टरी कार्य में विलंब और सुपर हीटर क्वायल में देरी।
छत्तीसगढ़	तामनार टीपीपी (रायगढ़)	ओ.पी. जिन्दल	यू-1	600	जनवरी-14	बायलर निर्माण के शुरू होने में विलंब। मुख्य संयंत्र सिविल कार्यों की तैयारी में विलंब।
			यू-2	600	अप्रैल-14	
			यू-3	600	सितंबर-14	
			यू-4	600	नवंबर-14	
छत्तीसगढ़	टीआरएन एनर्जी टीपीपी	टीआरएन एनर्जी प्रा. लि.	यू-1	300	दिसंबर-13	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब।
			यू-2	300	अप्रैल-14	
छत्तीसगढ़	उंचपीड़ा टीपीपी	आरकेएम पावरजेन प्रा. लि.	यू-1	360	मई-12	ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे आन्दोलन के कारण विलंब हुआ। स्थल पर कार्यों की धीमी प्रगति के कारण विलंब हुआ।
			यू-2	360	नवंबर-12	
			यू-3	360	फरवरी-13	
			यू-4	360	जुलाई-13	
छत्तीसगढ़	वंदना विद्युत टीपीपी	मैसर्स वंदना विद्युत	यू-1	135	जून-13	परियोजना स्थल पर ग्रामीणों द्वारा आन्दोलन और बीओपी की तैयारी। बायलर सामग्री, सीएचपी सामग्री की आपूर्ति और विद्युत शुरू करने में विलंब। आरम्भ से पूर्व की विभन्न समस्याएं।
			यू-2	135	सितंबर-11	
छत्तीसगढ़	चकाबुरा टीपीपी	एसीबी लि.	यू-1	30	सितंबर-11	सीटी की तैयारी में विलंब।
छत्तीसगढ़	रायगढ़ टीपीपी (बीजा टीपीपी)	बीजा पावर	यू-1	600	अगस्त-13	बायलर सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
झारखंड	मैत्रीशी उषाटीपीपी फेज-I	कारपोरेट पावर लि.	यू-1	270	मई-12	कानून एवं न्याय समस्या। बीटीजी उपस्कर की आपूर्ति में

			यू-2	270	जून-12	विलंब। वन स्वीकृति के कारण पारेषण लाइन की तैयारी में विलंब। कार्य भेल को बकाया भुगतान न करने के कारण रुका हुआ है। *चालू किए जाने के समय को कार्य के पुनः शुरू होने के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा।
झारखंड	मैत्रीशी उषा टीपीपी फेज -II	कारपोरेट पावर लि.	यू-3	270	फरवरी-13	कानून एवं न्याय समस्या और बीटीजी सामग्री की आपूर्ति में विलंब। कार्य भेल को बकाया भुगतान न करने के कारण रुका हुआ है।
			यू-4	270	मार्च-13	
झारखंड	तोरी टीपीपी	एस्सार पावर	यू-1	600	जून-13	कानून एवं न्याय समस्या। कार्य के शुरू होने में विलंब।
महाराष्ट्र	अमरावती टीपीपी फेज-I	इण्डिया बुल्स	यू-2	270	दिसंबर-11	बीटीजी सामग्री की गैर क्रमबद्ध आपूर्ति। सिविल मोर्चे की तैयारी में विलंब। भेल के पास व्यावसायिक मामला। इन्सुलेशन के लागू होने में विलंब। एचएफओ, सीएचपी और एचपी की तैयारी में विलंब। भेल के साथ व्यावसायिक मामले। बायलर और टीजी निर्माण की धीमी प्रगति।
			यू-3	270	जनवरी-12	
			यू-4	270	फरवरी-12	
			यू-5	270	मार्च-12	
महाराष्ट्र	अमरावती टीपीपी फेज-II	इण्डिया बुल्स	यू-1	270	जुलाई-14	स्थल पर कोई कार्य नहीं हो रहा है।
			यू-2	270	सितंबर-14	
			यू-3	270	नवंबर-14	
			यू-4	270	जनवरी-15	
			यू-5	270	मार्च-15	
महाराष्ट्र	धारीवाल इंफ्रास्ट्रक्चर टीपीपी	धारीवाल इंफ्रास्ट्रक्चर (प्रा.) लि.	यू-2	300	मई-12	यूनिट-1 के चालू होने में विलंब। भारी वर्षा।
महाराष्ट्र	लैंको विदर्भ टीपीपी	लैंको विदर्भ	यू-1	660	जनवरी-14	प्रेसर पार्ट की आपूर्ति एवं निर्माण में विलंब। कार्य वित्तीय समस्याओं के कारण रुका हुआ है।
			यू-2	660	मई-14	
महाराष्ट्र	नासिक टीपीपी फेज-I	इण्डिया बुल्स	यू-1	270	फरवरी-12	बीटीजी सामग्री की ओर क्रमबद्ध आपूर्ति। और सिविल मोर्चे की तैयारी। भेल के साथ भुगतान मामला। डकिंग इन्सुलेशन। मिलों, एचएफओ, सीएचपी और एचपी की तैयारी। रेलवे साइडिंग की भूमि के अधिग्रहण में विलंब। परियोजना प्राधिकारियों द्वारा बीटीजी सामग्री को स्वीकार न किया जाना।
			यू-2	270	अप्रैल-12	
			यू-3	270	जून-12	
			यू-4	270	अगस्त-12	
			यू-5	270	अक्टूबर-12	
महाराष्ट्र	नासिक टीपीपी फेज-II	इण्डिया बुल्स लि.	यू-1	270	अप्रैल-13	स्थल पर कोई कार्य नहीं हो रहा है।
			यू-2	270	जून-13	
			यू-3	270	अगस्त-13	
			यू-4	270	अक्टूबर-13	
			यू-5	270	दिसंबर-13	
महाराष्ट्र	तिरौसा टीपीपी फेज-II	अदानी पावर लि.	यू-2	660	जुलाई-12	भारी वर्षा, सीएचपी और विद्युत निकासी एवं डकिंग के कारण विलंब।
			यू-3	660	अक्टूबर-12	भारी वर्षा, सीएचपी और विद्युत निकासी के कारण विलंब।
म. प्र.	अनुपुर टीपीपी फेज-I	एमबी पावर	यू-1	600	अप्रैल-13	सिविल कार्यों के देर से शुरू होने और धीमी प्रगति के कारण विलंब। बायलर सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
			यू-2	600	अगस्त-13	
म. प्र.	गोरगी टीपीपी (डीबी पावर)	डीबी पावर	यू-1	660	जून-13	स्थल पर कोई कार्य नहीं हो रहा है।
म. प्र.	महान टीपीपी	एस्सार पावर एमपी लि.	यू-2	600	सितंबर-11	कोयला ब्लॉक के विकास में विलंब।
म. प्र.	नीगरी टीपीपी	जयप्रकाश पावर वेंचर्स लि.	यू-1	660	जून-13	सिविल कार्यों के शुरू होने में विलंब। एसीडब्ल्यू प्रणाली की तैयारी में विलंब। बीटीजी आपूर्तियों में विलंब।
			यू-2	660	दिसंबर-13	
म. प्र.	सिवनी टीपीपी फेज-I	झाबुआ पावर लि.	यू-1	600	मार्च-13	सिविल मोर्चे की तैयारी में विलंब। एचपी और चिमनी की तैयारी में विलंब।
ओडिशा	देरांग टीपीपी	जेआईटीपीएल	यू-1	600	मार्च-12	कानून एवं व्यवस्था समस्या। भूमि अधिग्रहण में विलंब। स्टार्ट अप पावर के लिए पारेषण लाइन की तैयारी में विलंब।
			यू-2	600	जून-12	
ओडिशा	इंड भारत टीपीपी (ओडिशा)	इण्ड. भारत	यू-1	350	सितंबर-11	भारी वर्षा के कारण विलंब। स्टार्ट अप पावर की तैयारी में

			यू-2	350	दिसंबर-11	विलंब।
ओडिशा	कमलंगा टीपीपी	जीएमआर	यू-3	350	फरवरी-12	विदेशी कार्मिकों के लिए बीजा की समस्या। भूमि अधिग्रहण में विलंब। भारी वर्षा। निकटतम उद्योग में श्रमिक असंतोष के कारण श्रम की कमी।
ओडिशा	केवीके नीलांचल टीपीपी	केवीके नीलांचल	यू-1	350	दिसंबर-11	धिमनी की स्वीकृति एवं कानून एवं व्यवस्था समस्या के कारण आरंभ में विलंब हुआ। कार्य माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए स्थगन आदेश के कारण रूका हुआ है।
			यू-2	350	जनवरी-12	
			यू-3	350	मार्च-12	
ओडिशा	लैंको बबंध टीपीपी	लैंको बबंध पावर लि.	यू-1	660	अप्रैल-13	भूमि अधिग्रहण में विलंब। बायलर निर्माण में धीमी प्रगति। कार्य वित्तीय समस्याओं के कारण रूका हुआ है।
			यू-2	660	अगस्त-13	
ओडिशा	मलीब्रह्मानी टीपीपी (मोनेट इस्पात)	एमपीसीएल	यू-1	525	दिसंबर-12	भूमि अधिग्रहण में विलंब। टीजी हाल ढांचागत सामग्री की आपूर्ति में विलंब।
			यू-2	525	फरवरी-13	
पंजाब	तलवंडी साबो टीपीपी	मैसर्स स्टेरलाइट	यू-1	660	अक्टूबर-12	सिविल फ्रंट की तैयारी में विलंब।
			यू-2	660	जनवरी-13	
			यू-3	660	मई-13	
पंजाब	गोइंदवाल साहिब टीपीपी	मैसर्स जीवीके पावर	यू-1	270	अप्रैल-13	रेलवे साइडिंग के लिए भूमि के अधिग्रहण में विलंब और सीएचपी और एएचपी के पूरा होने में विलंब।
			यू-2	270	अक्टूबर-13	
राजस्थान	कवाई टीपीपी	अदानी पावर लि.	यू-2	660	मार्च-13	यूनिट-1 के चालू होने में विलंब।
तमिलनाडु	मेलामरुथुर टीपीपी	कोस्टल एनर्जें	यू-1	600	फरवरी-12	मुख्य संयंत्र उपस्कर की आपूर्ति में विलंब। जनशक्ति की कमी के कारण विलंब और स्विचयार्ड और डीएम संयंत्र की तैयारी। रेत की आपूर्ति एवं भूमिगत जल का उपयोग की नीति में परिवर्तन। बैंकर्स द्वारा अतिरिक्त ऋण का वितरण।
			यू-2	600	मार्च-12	
तमिलनाडु	तूतीकोरीन टीपीपी (इंड- बराथ टीपीपी)	आईबीपीआईएल	यू -1	660	मई-12	सिविल कार्यों की धीमी प्रगति के कारण विलंब।
उ. प्र.	ललितपुर टीपीपी	ललितपुर पावर जेनरेशन कं.	यू -1	660	अक्टूबर-14	भारी वर्षा के कारण विलंब।
			यू -2	660	फरवरी-15	
			यू -3	660	जून-15	
उ. प्र.	प्रयागराज टीपीपी	प्रयाग राज पावर जेनरेशन कंपनी लिमि.	यू -1	660	फरवरी-14	बीटीजी आपूर्ति में विलंब और निर्माण की धीमी प्रगति।
			यू -2	660	जुलाई-14	
			यू -3	660	दिसंबर-14	
	कुल निजी क्षेत्र				49755	
	सकल योग				72280.3	

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1285 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

देश में प्रारंभ होने की निर्धारित समय-सीमा से पीछे चल रही निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं का क्षेत्र सहित ब्यौरा (एमएनआरई के अंतर्गत अपारंपरिक और 25 मेगावाट तक की क्षमता को छोड़कर)

क्रम सं.	परियोजना का नाम क्षमता/एजेंसी/ राज्य स्वीकृति की तारीख	चालू किए जाने का कार्यक्रम		समय और लागत बढ़ने के कारण
		मूल माह/वर्ष	नवीनतम माह/वर्ष	
1	2	3	4	5
केन्द्रीय क्षेत्र				
1	कोल जैम (4X200 मेगावाट) एनटीपीसी एच.पी 28.10.2002	अप्रैल-09 (2008-10)	2014-15	<ul style="list-style-type: none"> बांध की मिट्टी भराई, बांध गैलरियों की ग्राउटिंग, स्पिलवे की कंक्रिटिंग की धीमी प्रगति। संविदा संबंधी मामले। इस्पात के प्रापण में विलंब। कमजोर भूविज्ञान, क्लेकोर की नींव में सीलन के कारण राइट बैंक का विफल होना।
2	तपोवन विष्णुगाड (4 x 130 मेगावाट) एनटीपीसी उत्तरांचल 11/2006	मार्च 2013 (2012-13)	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> सिविल ठेकेदारों द्वारा सुरंग बोरिंग मशीन के प्रापण/तैनाती में विलंब। खराब पत्थर स्ट्रुटा के कारण पावर हाउस में धीमी प्रगति। एचआरटी में खराब भूविज्ञान और टीबीएम पर पत्थर गिरने के कारण अत्यधिक जल का प्रवेश। जून, 2013 में बादल का फटना।
3	पारे (2 x 55 मेगावाट) नीपको अरुणाचल प्रदेश 04.12.2008	अगस्त-13 2013-14	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> कानून-व्यवस्था की समस्या। ठेकेदार के पास संसाधनों की कमी। कमजोर भूविज्ञान। सितंबर, 2012 में बादल का फटना। खराब पहुंच सड़क।
4	तुरियल (2 x 30 मेगावाट) नीपको मिजोरम 16.07.1998	जुलाई-06 2006-07	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> जून, 2004 से स्थानीय अशांति के कारण समय से पहले कार्यों का निलंबन। 14.11.2011 को कार्य पुनः प्रारंभ। खराब पहुंच सड़क। ठेकेदार द्वारा अपर्याप्त एकत्रीकरण। पावर हाउस में स्लोप का असफल होना।
5	कामेंग (4 x 150 मेगावाट) नीपको अरुणाचल प्रदेश 02.12.2004	दिसंबर 09 (2009-10)	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> बांध पैरामीटरों में परिवर्तन। खराब भूविज्ञान, अत्यधिक सीलन अपर्याप्त मशीनरी के कारण बांध एवं एचआरटी में धीमी प्रगति। अक्टूबर, 2008 और सितंबर, 2012 में बादल का फटना। एचआरटी में जल का प्रवेश। खराब पहुंच सड़क। संविदात्मक मामले।
6	टिहरी पीएसएस (4 x 250मेगावाट) टीएचडीसी 18.07.2006(मूल) नवंबर, 2011(आरसीई)	जुलाई 2010 2010-11 (मूल अनुमोदन के अनुसार) फरवरी-16 (2015-16) (आरसीई के अनुसार)	2017-18	<ul style="list-style-type: none"> ई एंड एम कार्यों की विशेषज्ञता वाली प्रकृति। एल-1 कीमत बोली के रूप में आरसीई का अनुमोदन अनुमानित लागत से अधिक था। आरसीई अक्टूबर, 2010 में अनुमोदित किया गया। मुकदमा, एकल ईपीसी ठेका मैसर्स एलस्टोम हाइड्रो फ्रांस और मैसर्स एचसीसी को 23.6.2011 को अवाई किया गया। खराब भूविज्ञान। असेना क्वारी एवं मक निपटान क्षेत्र में स्थानीय विरोध। ठेकेदारों की खराब तैयारी। खराब भूविज्ञान के कारण मशीन हॉल की योजना का संशोधन।
7	रामपुर (6 x 68.67 मेगावाट) एसजेवीएनएल एचपी 25.01.2007	जनवरी-12 2011-12	2013-15	<ul style="list-style-type: none"> एचआरटी में खराब भूविज्ञान। पावर हाउस क्षेत्र में स्लोप विफलता। स्थानीय लोगों द्वारा रूक-रूक कर किया गया अवरोध।
8	पार्वती -III (4 x 130 मेगावाट) एनएचपीसी एच.पी 09.11.2005	नवंबर-10 (2010-11)	2013-15	<ul style="list-style-type: none"> एचआरटी में खराब भूविज्ञान। ई एंड एम कार्यों की समाप्ति में विलंब। 16 अगस्त, 2011 को बादल का फटना। भेल द्वारा यूनिटों की सामग्री और निर्माण की आपूर्ति में विलंब। स्थानीय लोगों द्वारा कार्य बंदी। जून, 2012 में प्राप्त पारेषण लाइन के लिए वन स्वीकृति।

क्रम सं.	परियोजना का नाम क्षमता/एजेंसी/ राज्य स्वीकृति की तारीख	चालू किए जाने का कार्यक्रम		समय और लागत बढ़ने के कारण
		मूल माह/वर्ष	नवीनतम माह/वर्ष	
1	2	3	4	5
				➤ एक्सप्लोई केबल को हटाना।
9	तीस्ता लो डैम- IV (4x40 मेगावाट) एनएचपीसीडब्ल्यूबी 30.09.2005	सितंबर-09 2009-10	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ वन स्वीकृति में विलंब। ➤ जुलाई, 2007, मई, 2009 और जुलाई, 2010 में बादलों का फटना। ➤ गोरखा जन मुक्ति आंदोलन/बंद। ➤ सिविल संविदाकार(मैसर्स एचसीसी) की धन संबंधी समस्या, दिनांक 20.03.2013 से कार्य पूरी तरह से रुका हुआ है।
10	पारबती - II (4x200 मेगावाट) एनएचपीसीएच.पी. 11.09.2002	सितंबर-09 2009-10	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> ➤ माननीय उच्च न्यायालय हिमाचल प्रदेश ने स्टोन क्रशर प्रचालन पर रोक लगाई। ➤ संशोधित वन स्वीकृति में विलंब। ➤ नवंबर, 2006 में टीबीएम फेस में पानी और गाद के भारी मात्रा में प्रवेश करने के कारण टीबीएम को अत्यधिक क्षति हुई। ➤ फरवरी, 07 में पावर हाउस क्षेत्र में स्लाइड। ➤ अगस्त, 2011 में बादलों का फटना। ➤ केविटी ट्रीटमेंट के कारण जीवा नाला कार्य प्रभावित हुए। ➤ पीबी-2 क्षेत्र में संविदागत मामले, मैसर्स एचजेवी के साथ मार्च, 12 में संविदा समाप्त हुई। ➤ पीबी-2 क्षेत्र के शेष कार्यों के लिए पुनः संविदा प्रदान करना(13.08.2013 को एचआरटी के टीबीएम भाग को पुनः अवाई किया गया)।
11	सुबानसिरी लोअर (8x250 मेगावाट) एनएचपीसीअरुणाचल प्रदेश/असम 09.09.2003	सितंबर-10 2010-11	2016-18	<ul style="list-style-type: none"> ➤ आंध्र प्रदेश क्षेत्र में स्थानीय लोगों द्वारा कार्यों में बाधा। ➤ जनवरी, 2008 में पावर हाउस में स्लोप विफलता। ➤ रंगानदी नदी पर पुल को क्षति। ➤ सर्ज शॉफ्ट्स से सर्ज टनल्स के डिजाइन में परिवर्तन। ➤ परियोजना के निर्माण के विरोध में बांध विरोधी कार्यकर्ताओं द्वारा घोषित आंदोलन के कारण कार्यबंदी दिनांक 16.12.2011 से कार्य रुक गया। ➤ डी/एस प्रभाव अध्ययनों का मामला।
12	उरी-II (4x60 मेगावाट) एनएचपीसीजम्मू एवं कश्मीर 01.09.2005 <u>शुरू की गई युनिटें</u> यूनिट # 1: 25.09.2013 यूनिट # 3: 27.09.2013 यूनिट# 2: 16.11.2013	नवंबर-09 2009-10	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> ➤ संसाधनों का अभाव एचसीसी की धन प्रवाह संबंधी समस्या। ➤ भारी बारिश के कारण मई, 10 और अप्रैल, 11 में कॉफर बांध का टूटना/ऊपर से पानी बहना। ➤ जून, 2010 से घाटी में अशांति। ➤ सर्ज शॉफ्ट गेट के निर्माण के दौरान समस्याओं का सामना किया गया। ➤ ड्राईवर्जन प्लगिंग कार्यों में विलंब। ➤ स्थानीय लोगों द्वारा एनएचपीसी में रोजगार की मांग करते हुए मार्च, 2012 से जून, 2012 तक कार्य रोक दिए गए। ➤ धन संबंधी समस्या के कारण मैसर्स एचसीसी द्वारा कार्यों की धीमी प्रगति। ➤ सितंबर, 2012 में बादलों का फटना। ➤ स्थानीय लोगों द्वारा एनएचपीसी में रोजगार की मांग करते हुए यू/एस जल संचालक को भरने में बाधा। ➤ जल संचालक प्रणाली को भरने के बाद झेलम नदी में तीव्र बाढ़ जिससे बांध के बाएं किनारे का कटाव शुरू हो गया और बांध के बाएं किनारे पर हिल स्लोप डाउन स्ट्रीम के पास कुछ दरारें भी पाई गईं।
13	किशनगंगा (3x110 मेगावाट) एनएचपीसीजम्मू एवं कश्मीर 20.07.2007 14.01.2009 (आरसीई)	जुलाई-14 (2014-15) (मूल अनुमोदन के अनुसार) जन.-16 (2015-16) (संशोधित अनुमोदन के अनुसार)	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> ➤ परियोजना के टर्नकी निष्पादन के लिए न्यूनतम बोलीकर्ता द्वारा लगाई जाने वाली बोली की कीमत अधिक होने को ध्यान में रखते हुए संशोधित सीसीई को 14.01.2009 को अनुमोदित दिया गया। ➤ मार्च, 2011 में भारी बारिश। ➤ एचआरटी-टीबीएम भाग में केविटी। ➤ एक्सेस टनल में खराब भूविज्ञान। ➤ स्थानीय लोगों द्वारा एनएचपीसी में रोजगार की मांग करते हुए 29.08.2012 से 17.10.2012 तक कार्य रोक दिया गया। ➤ अन्तर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय में मध्यस्थता प्रक्रियाओं के कारण बांध कार्य प्रभावित हुए।
राज्य क्षेत्र				
जम्मू एवं कश्मीर				
14	बगलीहार-II (3x150 मेगावाट) जेकेपीडीसी 29.12.2010	2014-15	2016-17	➤ संविदा की लागत को अंतिम रूप देने में विलंब। ईएंडएम कार्य।
हिमाचल प्रदेश				
15	कशांग-I (1x65मेगावाट) एचपीसीएल 31.07.08	2013-14	2014-15	<ul style="list-style-type: none"> ➤ सिविल और ईएंडएम कार्यों की धीमी प्रगति। ➤ जून, 2013 में बादलों का फटना।

क्रम सं.	परियोजना का नाम क्षमता/एजेंसी/ राज्य स्वीकृति की तारीख	चालू किए जाने का कार्यक्रम		समय और लागत बढ़ने के कारण
		मूल माह/वर्ष	नवीनतम माह/वर्ष	
1	2	3	4	5
	(एचपीएसईबी द्वारा टीईसी) 31.07.2008			
16	कशांग -II & III (1x65 + 1x65 मेगावाट) एचपीपीसीएल 10.09.2009	2013-14	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> स्थानीय मामले। लीपा ग्रामीणों के लगातार आंदोलन के कारण कार्य शुरू नहीं हो सके। मामले को उच्च स्तर पर रखा जा रहा है। जून, 2013 में बादलों को फटना।
17	यूएचएल-III (3x33.33मेगावाट) बीवीपीसीएल (एचपीएसईबी) 19.09.2002	मार्च-07 2006-07	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> कार्यों को अवार्ड करने में विलंब। संविदाकार के कार्य न करने और धीमी प्रगति के कारण एचआरटी के निर्माण के लिए संविदा दो बार अर्थात मई, 2008 और जुलाई, 2010 के दौरान रद्द की गई। एचआरटी में खराब भूविज्ञान।
18	सावरा कुड्डु (3x37मेगावाट) एचपीपीसीएल, 10.11.2004	दिसंबर-10 2010-11	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> एमओईएफ स्वीकृति में विलंब। सिविल एवं ईएंडएम कार्यों को अवार्ड करने में विलंब। एचआरटी में खराब भूविज्ञान। एचआरटी लाइनिंग की धीमी प्रगति।
19	सैंज (100 मेगावाट) एचपीपीसीएल 29.12.2010	2014-15	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> एचआरटी और बैराज कार्यों की धीमी प्रगति।
आंध्र प्रदेश				
20	लोअर जुराला (6x40 मेगावाट) एपीजेनको 2007	2011-13	2013-15	<ul style="list-style-type: none"> ईएंडएम कार्यों को अवार्ड करने में विलंब। सिविल कार्यों में धीमी प्रगति। भूमि अधिग्रहण अधिनियम समस्या। 2009,2010, 2012 और 2013 में अप्रत्याशित बाढ़। तेलंगाना राज्य के लिए टीजेएसी द्वारा बार-बार बंद। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आंदोलन। 23.04.2011 से 30.11.2012 तक ग्रामीणों द्वारा बांध के दाएं किनारे की कंक्रीटिंग। एचएम कार्यों की धीमी प्रगति।
21	पुलीचिनताला (4x30मेगावाट) एपीजेनको 25.04.2007	2009-11	2015-17	<ul style="list-style-type: none"> ईएंडएम कार्य। अक्टूबर, 2009 और सितंबर, 2011 में अप्रत्याशित बाढ़। संविदात्मक मामले। पावर हाउस कार्यों की धीमी प्रगति। संविदात्मक मामलों के कारण 16.09.2011 से 29.06.2012 तक और नवंबर, 12 से मई, 13 तक सिविल कार्य निरस्त कर दिए गए। संविदाकार द्वारा अधिक कीमत की मांग के कारण अगस्त, 2013 में ईएंडएम निर्माण कार्य संविदा समाप्त कर दी गई।
22	नागार्जुन सागर टेल पूल डैम (2x25 मेगावाट) एपीजेनको 17.01.2005	नवंबर-08 2008-09	2014-15	<ul style="list-style-type: none"> 2009, 2011 और 2013 के दौरान बार-बार बाढ़ आने के कारण धीमी प्रगति। एचएम कार्यों को अवार्ड करने में विलंब। बांध कार्यों में संविदात्मक मामले।
केरल				
23	पल्लीवसल 2x30मेगावाट) केएसईबी 31.01.2007	मार्च-11 2010-11	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> सिविल कार्यों की धीमी प्रगति। भूमि अधिग्रहण में विलंब। एचआरटी से एडिट के संरेखण में परिवर्तन। एचआरटी में खराब भूविज्ञान भूस्तर। भारी मानसून।
24	थोड्डीयार (1x30+1x10)मेगावाट केएसईबी 05.06.2008	2012-13	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> भूमि अधिग्रहण मामला। स्थानीय लोगों द्वारा 2010 से 2012 तक वायर और एप्रोच चैनल के कार्य रोक दिए गए। न्यायालय द्वारा 12.12.2012 से अप्रैल-2013 तक कार्य रोक दिया गया।
मेघालय				
25	न्यू उमतर् (2x20मेगावाट) एमईईसीएल 12/06	2011-12	2014-15	<ul style="list-style-type: none"> कार्यों के अवार्ड करने में विलंब। सिविल कार्यों की धीमी प्रगति।
निजी क्षेत्र				
हिमाचल प्रदेश				
26	तिदोंग-I	2013-14	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> परियोजना प्रभावित पंचायतों द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र में विलंब, सरकार द्वारा एक वर्ष के लिए कार्यों का निरस्तीकरण।

क्रम सं.	परियोजना का नाम क्षमता/एजेंसी/ राज्य स्वीकृति की तारीख	चालू किए जाने का कार्यक्रम		समय और लागत बढ़ने के कारण
		मूल माह/वर्ष	नवीनतम माह/वर्ष	
1	2	3	4	5
	2x50मेगावाट) एमएसएल तिमिंग 09.02.2006			
27	टंगनू रोमाई-1 (2x22 मेगावाट) टीआरपीजीपीएल 28.10.2010	2014-15	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ सिविल कार्यों की धीमी प्रगति। ➤ खराब भूविज्ञान। ➤ मुश्किल क्षेत्र। ➤ मौसम परिस्थितियां और पहुंच।
28	सोरंग (2x50 मेगावाट) एचएसपीपीएल 23.09.2004	2012-13	2013-14	<ul style="list-style-type: none"> ➤ खराब भूविज्ञान। ➤ मुश्किल क्षेत्र। ➤ मौसम परिस्थितियां और पहुंच।
उत्तराखंड				
29	श्रीनगर (4x82.5 मेगावाट) अलकनंदा हाइड्रो पावर कं. लिमि. 14.6.2000 (टीईसी)	2005-06	2014-15	<ul style="list-style-type: none"> ➤ वित्तीय बंदी। ➤ बांध कार्यों की धीमी प्रगति। ➤ एमओईएम ने 30.05.2011 से कार्य रोकने का नोटिस जारी किया। ➤ स्थानीय मुद्दे। ➤ जून, 2013 में बादलों का फटना।
30	सिंगोली भट्वासी (3x33मेगावाट) एल एंड टी 11.07.2008	2014-15	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ एचआरटी में खराब भूविज्ञान। ➤ स्थानीय लोगों द्वारा आन्दोलन। ➤ जून, 2013 में बादलों का फटना।
मध्य प्रदेश				
31	महेश्वर (10x40मेगावाट) एसएमएचपीसीएल 30.12.1996	2001-02	2014-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ आरएंडआर मामले। ➤ विकासकर्ता के साथ नगद प्रवाह संबंधी समस्या।
सिक्किम				
32	तीस्ता स्टेज III (6X200 मेगावाट) टीस्ता ऊर्जा लिमिटेड 12.05.2006 (टीईसी)	अक्टूबर-11 2011-12	2014-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ वन स्वीकृति में विलंब। ➤ सितंबर, 2011 में भूकम्प के कारण कार्य प्रभावित हुए।
33	तीस्ता स्टेजVI (4X125 मेगावाट) लेंको एनर्जी प्रा. लि. 27.12. 2006 (टीईसी)	2012-13	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ खराब भूविज्ञान। ➤ भूमि अधिग्रहण।
34	रंगीत-IV एचई प्रोजेक्ट (3X40 मेगावाट) जेपीसीएल 09.12.2005	2012-13	2016-17	<ul style="list-style-type: none"> ➤ खराब भूविज्ञान के कारण एचआरटी और सर्ज शॉफ्ट कार्यों की धीमी प्रगति। ➤ सितंबर, 2011 में भूकम्प के कारण कार्य बाधित हुए।
35	जोरेशांग लूप (2x28मेगावाट) डीएएन- एनर्जी प्रा. लि.	दिसंबर 12 2012-13	2014-15	<ul style="list-style-type: none"> ➤ खराब भूविज्ञान। ➤ पारिषण लाइन के लिए वन स्वीकृति।
36	भास्मे (2x25.5 मेगावाट) गति इन्फ्रास्ट्रक्चर 12/2008	2012-13	2015-16	<ul style="list-style-type: none"> ➤ वन स्वीकृति

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1294

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

एनटीपीसी और एनएचपीसी विद्युत संयंत्र

1294. श्री तूफानी सरोज:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड(एनटीपीसी) और नेशनल हाइड्रो पावर कारपोरेशनलिमिटेड (एन.एच.पी.सी.) की विद्युत उत्पादनइकाइयों का ब्यौरा क्या है तथा इनकी इकाई औरराज्य-वार अधिष्ठापित विद्युत उत्पादन क्षमताकितनी है;
- (ख) क्या ये इकाइयां गत कुछ वर्षों के दौरानअपनी अधिष्ठापित क्षमता के अनुसार विद्युत काउत्पादन कर रही हैं; और
- (ग) यदि हां, तो वर्ष 2012-13 के दौरान इनइकाइयों द्वारा उत्पादित विद्युत का पृथक-पृथकब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) : नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) तथा नेशनल हाइड्रो पावर कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) की विद्युत उत्पादन यूनिटों का यूनिट तथा राज्य-वार विवरण उनकी संस्थापित उत्पादन क्षमता सहित अनुबंध में दिया गया है।

संस्थापित क्षमता की तुलना में, किसी विद्युत संयंत्र से विद्युत उत्पादन कई कारकों के साथ-साथ नियोजित शट-डाउन, ईंधन की गुणवत्ता तथा पर्याप्त मात्रा आदि पर निर्भर होती है। वर्ष 2012-13 के दौरान एनटीपीसी तथा एनएचपीसी की यूनिटों से उत्पादित विद्युत का विवरण अनुबंध की सारणी के कालम 5 में दिया गया है।

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1294 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

वर्ष 2012-13 के लिए एनटीपीसी और एनएचपीसी के स्टेशनों की यूनिट और राज्य-वार संस्थापित क्षमता एवं उत्पादन -

स्टेशन (1)	यूनिट संख्या (2)	मेगावाट (क्षमता) (3)	राज्य (4)	उत्पादन (मिलियन यूनिट) (5)
एनटीपीसी को दिए गए प्रोजेक्ट्स				
बदरपुर टीपीएस	1	95	दिल्ली	530.84
	2	95		572.33
	3	95		504.55
	4	210		1514.3
	5	210		1433.62
फरीदाबाद सीसीपीपी	1	137.76	हरियणा	787.87
	2	137.76		769.66
	3	156.07		845.32
अंता सीसीपीपी	1	88.71	राजस्थान	410.59
	2	88.71		550.12
	3	88.71		411.14
	4	153.2		804.6
सिंगरौली एसटीपीएस	1	200	उत्तर प्रदेश	1650.35
	2	200		1775.82
	3	200		1774.2
	4	200		1752.13
	5	200		1822.23
	6	500		3724.75
	7	500		3694.52
रिहंद एसटीपीएस	1	500		3269.99
	2	500		3680.13
	3	500		4238.93
	4	500		4272.96
	5	500		955.71
	6	500		0
ऊँचाहार टीपीएस	1	210		1751.45
	2	210		1658.11
	3	210		1636.43
	4	210		1767.65
	5	210		1714.04
दादरी (एनसीटीपीपी)	1	210		1560.29
	2	210		1527.52
	3	210		1639.36
	4	210		1636.23
	5	490		3298.81
	6	490		3431.52
टांडा टीपीएस	1	110		951.21
	2	110		748.36
	3	110		837.3
	4	110		685.95
औरैया सीसीपीपी	1	111.19	उत्तर प्रदेश	328.23
	2	111.19		473.95
	3	111.19		388.77
	4	111.19		526.38
	5	109.3		539.95
	6	109.3		517.54
दादरी सीसीपीपी	1	130.19		768.83

	2	130.19		734.73
	3	130.19		841.53
	4	130.19		687.41
	5	154.51		641.12
	6	154.51		743.96
कवास सीसीपीपी	1	106	गुजरात	284.39
	2	106		407.91
	3	106		392.73
	4	106		561.92
	5	116.1		586.83
	6	116.1		667.21
गांधार सीसीपीपी	1	144.3		545.72
	2	144.3		886.36
	3	144.3		839.94
	4	224.49		1206.58
कोखा एसटीपीएस	1	200	छत्तीसगढ़	1749.82
	2	200		1707.76
	3	200		1582.3
	4	500		3978.2
	5	500		3677.18
	6	500		3745.77
	7	500		4081.96
सिपत एसटीपीएस	1	660		4191.31
	2	660		4468.26
	3	660		2922.59
	4	500		3458.92
	5	500		3449.34
विंध्याचल एसटीपीएस	1	210	मध्य प्रदेश	1746.66
	2	210		1650.06
	3	210		1582.93
	4	210		1671.28
	5	210		1691.14
	6	210		1658.97
	7	500		4053.27
	8	500		3801.81
	9	500		3920.89
	10	500		4228.05
	11	500		128.48
	12	500		0.36
मोदा टीपीएस	1	500	महाराष्ट्र	12.33
	2	500		1.02
रामागुंडम एसटीपीएस	1	200	आंध्र प्रदेश	1682.56
	2	200		1711.64
	3	200		1464.96
	4	500		4297.36
	5	500		3799.96
	6	500		4025.99
	7	500		3802.83
सिम्हाद्री एसटीपीएस	1	500		3589.47
	2	500		4117.03
	3	500		3323.15
	4	500		1661.51
आर. गांधी सीसीपीपी (लिक्वि.)	1	115.2	केरल	454.74
	2	115.2		531.79

	3	129.18		562.12
कहलगांव टीपीएस	1	210	बिहार	1478.58
	2	210		1413.68
	3	210		1412.32
	4	210		1499.17
	5	500		2884.73
	6	500		3302.56
	7	500		2716.41
तालचेर (ओल्ड) टीपीएस	1	62.5	उड़ीसा	523.47
	2	62.5		525.64
	3	62.5		505.87
	4	62.5		526.05
	5	110		906.28
	6	110		892.01
तालचेर एसटीपीएस	1	500		3712.89
	2	500		3406.87
	3	500		3827.3
	4	500		3665.81
	5	500		3493.19
	6	500		3340.17
फरक्का एसटीपीएस	1	200	पश्चिम बंगाल	1216.45
	2	200		1305.77
	3	200		1145.98
	4	500		3013.62
	5	500		2345.98
	6	500		2605.35
एनएचपीसी को दी गई				
बैरा सिउल एचपीएस	1	66	हिमाचल प्रदेश	242.23
	2	66		251.75
	3	66		227.36
चमेश- I एचपीएस	1	180		833.45
	2	180		711.1
	3	180		897.82
चमेश- II एचपीएस	1	100	हिमाचल प्रदेश	447.6
	2	100		507.99
	3	100		477.7
चमेश- III एचपीएस	1	77		199.04
	2	77		254.46
	3	77		262.79
सलल एचपीएस	1	115	जम्मू व कश्मीर	460.36
	2	115		595.16
	3	115		687.57
	4	115		444.15
	5	115		436.37
	6	115		653
उरी-I एचपीएस	1	120		830.29
	2	120		824.7
	3	120		630.36
	4	120		681.59
दुलहस्ती एचपीएस	1	130		660.49

	2	130		694.19
	3	130		688.75
सेवा-II एचपीएस	1	40		76.78
	2	40		205.09
	3	40		202.4
चूटक एचपीएस	1	11		0.96
	2	11		7.94
	3	11		4.85
	4	11		0.81
टनकपुर एचपीएस	1	31.4	उत्तराखण्ड	175.73
	2	31.4		175.73
	3	31.4		129.37
धौलीगंगा एचपीएस	1	70		276.06
	2	70		268.17
	3	70		324.06
	4	70		268.36
तीस्ता V एचपीएस	1	170	सिक्किम	815.3
	2	170		809.76
	3	170		643.34
संगित एचपीएस	1	20		103.84
	2	20		115.67
	3	20		108.59
लोकटक एचपीएस	1	35	मणिपुर	196.02
	2	35		179.88
	3	35		204.51

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1299
जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

ग्राम विद्युतीकरण

1299. श्री हरीश चौधरी:
श्री बद्रीराम जाखड़:
श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) वर्तमान में राजीव गांधी ग्रामीणविद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के अंतर्गतगांवों के विद्युतीकरण के लिए क्या मानदण्ड हैं तथा क्या ये अपर्याप्त हैं क्योंकि यह लोगों की आवश्यकता को पूरा नहीं करती;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त मानदण्ड में संशोधन करने के लिए यदि कोई प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास लंबित है, तो उसका ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार का विचार एक गांव को तभी विद्युतीकृत घोषित करने का है जब ऐसे गांवमें विशिष्ट प्रकार से बिजली प्रदान की जाती है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) देश विशेषकर राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर में विद्युतीकरण के लिए अभी भी बचेगांवों का ब्यौरा क्या है तथा चालू वर्ष के दौरान देश में गांवों के विद्युतीकरण के लिए राज्य-वार क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया)

(क) से (घ) : वर्ष 2004-05 से प्रभावी राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) दिशा निर्देशों के अनुसार, गांव विद्युतीकृत माना जाता है यदि:

- i) आवासीय क्षेत्र और दलित बस्ती/पुरवे जहां ये मौजूद हैं, में मूलभूत संरचनाएं जैसे वितरण ट्रांसफार्मर और वितरण लाइनें उपलब्ध कराई जाती है।

ii) सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूलों, पंचायत कार्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों, औषधालयों, सामुदायिक केंद्रों इत्यादि को बिजली उपलब्ध कराई जाती है, और

iii) विद्युतीकृत घरों की संख्या गांव में कुल घरों की संख्या कम से कम 10% होनी चाहिए।

(ड.): आरजीजीवीवाई के अंतर्गत, 648 परियोजनाएं (10 वीं योजना के दौरान 235 परियोजनाएं, 11वीं योजना के दौरान 341 परियोजनाएं और 11वीं योजना के चरण II के दौरान 72 परियोजनाएं) संस्वीकृत की गई थीं जिनमें देश में 1,12,225 गैर/निर्विद्युतीकृत गांवों (यूईवी) का विद्युतीकरण और 3,83,372 आंशिक रूप से विद्युतीकृत गांवों (पीईवी) का गहन विद्युतीकरण शामिल था। संचयी रूप से दिनांक 15.11.2013 की स्थिति के अनुसार स्कीम के अंतर्गत 1,07,752 यूई गांवों, 3,03,406 पीई गांवों में विद्युतीकरण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। यूई गांवों और पीई गांवों की राज्य-वार कवरेज और उपलब्धि अनुबंध-II पर है।

648 परियोजनाओं के अतिरिक्त, 93 यूई गांवों और 28576 पीई गांवों के विद्युतीकरण को शामिल करते हुए 12वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान आरजीजीवीवाई के अंतर्गत 39 परियोजनाएं (5-मध्यप्रदेश, 6-उत्तरप्रदेश और 28 राजस्थान) संस्वीकृत की गई हैं।

जिला जैसलमेर और बाडमेर की आरजीजीवीवाई परियोजनाएं क्रमशः 22.02.2006 और 27.05.2009 को संस्वीकृत की गई थीं। दिनांक 15.11.2013 की स्थिति के अनुसार, जैसलमेर और बाडमेर जिलों के संबंध में यूई गांवों और पीई गांवों की कवरेज और उपलब्धि निम्नानुसार है:

जिला	गैर-विद्युतीकृत गांव		आंशिक रूप से विद्युतीकृत गांव	
	कवरेज	उपलब्धि	कवरेज	उपलब्धि
जैसलमेर (10वीं योजना)	98	98(100%)	348	322(93%)
बाडमेर (11वीं योजना)	647	647(100%)	1200	1200(100%)

उपर्युक्त के अतिरिक्त, दिनांक 24.09.2013 को 12वीं योजना में आरजीजीवीवाई के अंतर्गत जिला जैसलमेर के लिए एक परियोजना भी संस्वीकृत की गई है जिसमें 171.93 करोड़ ₹ की परियोजना लागत से 543 पीई गांवों का विद्युतीकरण शामिल है।

चालू वर्ष अर्थात वर्ष 2013-14 के दौरान आरजीजीवीवाई के अंतर्गत गैर/निर्विद्युतीकृत गांव के राज्य-वार लक्ष्य और उपलब्धि अनुबंध-II पर है।

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1299 के भाग (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

आरजीजीवीवाई के अंतर्गत गैर-विद्युतीकृत गांवों और आंशिक रूप से विद्युतीकृत गांवों की राज्य-वार कवरेज और उपलब्धि

15.11.2013 के अनुसार

क्रम सं.	राज्य	गैर-विद्युतीकृत गांव		आंशिक रूप से विद्युतीकृत गांव	
		कवरेज	उपलब्धि	कवरेज	उपलब्धि
1	आंध्र प्रदेश	0	0	26628	26628
2	अरुणाचल प्रदेश	2081	1855	1526	1134
3	असम	8241	8069	12907	12502
4	बिहार	24295	22917	18639	5373
5	छत्तीसगढ़	1736	1143	16099	13102
6	गुजरात	0	0	16350	16280
7	हरियाणा	0	0	6593	4676
8	हिमाचल प्रदेश	95	83	12734	10534
9	जम्मू व कश्मीर	234	192	3247	3018
10	झारखंड	18747	18117	6099	5758
11	कर्नाटक	62	62	25349	24740
12	केरल	0	0	1272	473
13	मध्य प्रदेश	886	627	49327	26593
14	महाराष्ट्र	0	0	41921	36763
15	मणिपुर	882	616	1378	585
16	मेघालय	1866	1705	3239	2484
17	मिजोरम	137	109	570	346
18	नागालैंड	105	91	1169	1078
19	ओडिशा	14728	14397	29329	25742
20	पंजाब	0	0	6580	6030
21	राजस्थान	4237	4155	34449	33422
22	सिक्किम	25	25	413	383
23	तमिलनाडु	0	0	10402	9673
24	त्रिपुरा	148	143	658	623
25	उत्तर प्रदेश	28006	27750	22973	2982
26	उत्तराखंड	1512	1511	9263	9221
27	पश्चिम बंगाल	4202	4185	24258	23263
	कुल	112225	107752	383372	303406

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1299 के भाग (ड) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान आरजीजीवीवाई के अंतर्गत गैर/निर्विद्युतीकृत गांवों के राज्य-वार लक्ष्य और उपलब्धि			
क्रम सं.	राज्य	लक्ष्य	उपलब्धि (15.11.2013 के अनुसार)
1	अरुणाचल प्रदेश	406	155
2	असम	219	50
3	बिहार	826	187
4	छत्तीसगढ़	525	72
5	हिमाचल प्रदेश	12	0
6	जम्मू व कश्मीर	61	16
7	झारखंड	362	31
8	मध्य प्रदेश	45	31
9	मणिपुर	264	0
10	मेघालय	212	51
11	मिजोरम	43	15
12	नागालैंड	17	3
13	ओडिशा	204	52
14	राजस्थान	99	18
15	त्रिपुरा	1	0
16	पश्चिम बंगाल	4	0
	कुल	3300	681

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1325
जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

विद्युत उत्पादन की लागत

1325. डॉ. अनूप कुमार साहा:
श्री फ्रांसिस्को कोज्मी सारदीना:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) आज की तिथि के अनुसार विभिन्नराज्यों में प्रति यूनिट विद्युत उत्पादन की औसतलागत और प्रति इकाई इसके युक्तियुक्तकरण करनेका ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या विद्युत उत्पादन की औसत लागतऔर प्रति यूनिट औसत शुल्क वसूली के बीच केअंतर में वृद्धि हुई है;
- (ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (घ) इस अंतर को कम करने के लिएसरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहेहैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (ग) : यूटिलिटियों द्वारा उपलब्ध कराए गए लेखा ब्यौरों के आधार पर वर्ष 2009-10 से 2011-12 हेतु "राज्य विद्युत यूटिलिटियों के कार्य निष्पादन" पर पावर फाइनेंस कारपोरेशन लिमिटेड की रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न राज्यों में विद्युत की प्रति यूनिट औसत आपूर्ति लागत (एसीएस), प्रति यूनिट अनुमानित औसत राजस्व (एआरआर) और उनका अन्तर अनुबंध में दिया गया है। जहां तक इनदोनों के बीच अन्तर में परिवर्तन का संबंध है, तो उसमें वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-10 से 2011-12 के लिए ब्यौरा नीचे दिया गया है-

	रु./केडब्ल्यूएच		
	2009-10	2010-11	2011-12
एसीएस	3.55	3.97	4.39
एआरआर (बुक की गई सब्सिडी के आधार पर)	3.16	3.33	3.68

एआरआर (प्राप्त की गई सब्सिडी के आधार पर)	2.95	3.30	3.63
रिक्त (बुक की गई सब्सिडी के आधार पर)	0.40	0.64	0.70
रिक्त (प्राप्त की गई सब्सिडी के आधार पर)	0.61	0.67	0.76

(घ) :अन्य बातों के साथ-साथ सरकार द्वारा इस अन्तर को कम करने के लिए उठाए गए कदम हैं :

- (i) उत्पादन की प्रति यूनिट आवश्यक ईंधन की लागत को कम करने के विचार से ताप विद्युत उत्पादन में और अधिक दक्ष सुपर क्रिटिकल टेक्नोलॉजी के उपयोग को बढ़ावा देना ।
- (ii) दिनांक 06.01.2006 को अधिसूचित प्रशुल्क नीति के अंतर्गत वितरण लाइसेंसियों द्वारा, मौजूदा परियोजनाओं के विस्तार के मामलों को छोड़कर, जहां राज्य नियंत्रित/स्वामित्व की कंपनी एक चिह्नित विकासकर्ता के रूप में है, प्रतिस्पर्धी रूप से विद्युत का प्रापण अनिवार्य है । सार्वजनिक क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए भी सभी उत्पादन परियोजनाओं का प्रशुल्क 5 जनवरी, 2011 के बाद प्रतिस्पर्धी बोली के आधार पर तय किया जाना है ।
- (iii) वर्ष 2009-14 के लिए केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा जारी प्रशुल्क विनियमों में उन्नत प्रचालनात्मक मानक ।
- (iv) बड़े पैमाने की किफायतके कारण पूंजी लागत को कम करने के लिए उच्चतर यूनिट आकार/संयंत्र कोबढ़ावा देना ।
- (v) विद्युत मंत्रालय द्वारा दिसंबर, 2009 में जारी संशोधित मेगापावर प्रोजेक्ट पॉलिसी, जिसके अंतर्गत परियोजनाओं की कुछ विशिष्ट क्षमता के विद्युत उत्पादन उपस्करों के लिए सीमा प्रशुल्क के भुगतान में छूट दी जाती है और कुछ विशिष्ट श्रेणी की परियोजनाओं के लिए उत्पाद शुल्क में भी छूट दी जाती है ।
- (vi) विद्युत के प्रापण के लिए प्रशुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से प्रतिस्पर्धी प्रशुल्क निकाले गए हैं जिसके लिए मंत्रालय द्वारा बोली दस्तावेज़ उपलब्ध कराए गए हैं ।

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1325 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

2009-10								
क्षेत्र	राज्य	यूटिलिटी	एसीएस	राजस्व औसत (दी गई सन्धि)	राजस्व औसत (प्राप्त की गई सन्धि)	रिक्त (दी गई सन्धि)	रिक्त (प्राप्त की गई सन्धि)	
पूर्वी	बिहार	बीएसईबी	4.14	2.75	2.75	1.39	1.39	
	झारखंड	जेएसईबी	3.40	2.61	2.61	0.79	0.79	
	उड़ीसा	सेसको	2.21	1.97	1.97	0.23	0.23	
		नेसको	2.10	2.04	2.04	0.06	0.06	
		सेसको	1.70	1.52	1.52	0.17	0.17	
		वेसको	2.19	2.15	2.15	0.04	0.04	
	सिक्किम	सिक्किम पीडी	1.40	1.24	1.24	0.16	0.16	
	पश्चिम बंगाल	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	3.23	3.27	3.27	(0.04)	(0.04)	
पूर्वी योग			3.05	2.71	2.71	0.34	0.34	
पूर्वांतर	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल पीडी	5.95	1.61	1.61	4.35	4.35	
	असम	एपीडीसीएल	4.25	3.56	3.56	0.69	0.69	
	मणिपुर	मणिपुर पीडी	4.44	1.74	1.74	2.69	2.69	
	मेघालय	मेघालय एसईबी	3.66	3.28	3.28	0.38	0.38	
		मेघालय ईसीएल						
	मिजोरम	मिजोरम पीडी	5.75	1.86	1.86	3.90	3.90	
	नागालैंड	नागालैंड पीडी	3.89	1.78	1.78	2.12	2.12	
त्रिपुरा	टीएसईसीएल	2.84	2.86	2.73	(0.02)	0.10		
पूर्वांतर योग			4.13	3.04	3.02	1.09	1.10	
उत्तरी	दिल्ली	बीएसईएस राजधानी	4.33	4.49	4.49	(0.16)	(0.16)	
		बीएसईएस यमुना	4.08	4.20	4.20	(0.12)	(0.12)	
		एनडीपीएल	4.54	4.92	4.92	(0.38)	(0.38)	
	हरियाणा	डीएचबीवीएनएल	3.52	3.15	3.13	0.37	0.40	
		यूएचबीवीएनएल	4.62	4.07	4.07	0.56	0.56	
	हिमाचल प्रदेश	एचपीएसईबी	3.85	3.66	3.66	0.18	0.18	
		एचपीएसईबी लि.						
	जम्मू और कश्मीर	जेएंडके पीडीडी	2.93	0.90	0.90	2.03	2.03	
	पंजाब	पीएसईबी	3.32	3.00	3.00	0.32	0.32	
		पीएसपीसीएल						
	राजस्थान	एवीवीएनएल	5.24	5.24	2.30	(0.00)	2.94	
		जेडीवीवीएनएल	4.57	4.57	2.25	(0.00)	2.32	
		जेवीवीएनएल	4.93	4.93	2.68	(0.00)	2.25	
		डीवीवीएन	3.76	2.46	2.46	1.30	1.30	
		केस्को	3.46	2.89	2.89	0.57	0.57	
	उत्तर प्रदेश	एमवीवीएन	3.81	2.74	2.74	1.08	1.08	
		पश्चिमी वीवीएन	3.49	2.82	2.82	0.67	0.67	
		पूर्वी वीवीएन	3.44	2.53	2.53	0.92	0.92	
		उत्तराखंड	उत्तराखंड पीसीएल	3.09	2.45	2.45	0.64	0.64
		उत्तरी योग			3.91	3.46	2.97	0.46
दक्षिणी		आंध्र प्रदेश	एपीसीपीडीसीएल	3.08	3.08	2.72	(0.00)	0.36
	एपीईपीडीसीएल		3.52	3.54	3.14	(0.02)	0.38	
	एपीएनपीडीसीएल		3.32	3.33	2.56	(0.01)	0.77	
	एपीएसपीडीसीएल		3.63	3.63	2.92	(0.00)	0.71	
	कर्नाटक	बेसकोम	3.25	3.26	3.30	(0.01)	(0.05)	
		चेसकोम	3.20	3.08	2.55	0.12	0.65	
		जेसकोम	2.93	2.93	2.93	(0.00)	(0.00)	
		हेसकोम	3.33	3.09	3.09	0.23	0.23	
		मेसकोम	3.63	3.67	3.60	(0.03)	0.04	
	केरल	केएसईबी	3.55	3.69	3.69	(0.14)	(0.14)	

	पुडुचुचेरी	पुडुचुचेरी	2.27	2.10	2.10	0.18	0.18
	तमिलनाडु	टीएनईबी	4.14	2.67	2.67	1.46	1.46
		टैनजेडको					
दक्षिणी योग			3.58	3.09	2.90	0.50	0.69
पश्चिमी	छत्तीसगढ़	सीएसपीडीसीएल	2.08	1.93	1.93	0.15	0.15
	गोवा	गोवा पीडी	2.44	2.48	2.48	(0.05)	(0.05)
	गुजरात	डीजीवीसीएल	3.98	4.01	4.01	(0.04)	(0.04)
		एमजीवीसीएल	3.79	3.82	3.82	(0.03)	(0.03)
		पीजीवीसीएल	2.70	2.71	2.71	(0.01)	(0.01)
		यूजीवीसीएल	2.90	2.91	2.91	(0.00)	(0.00)
	मध्य प्रदेश	एमपी मध्य क्षेत्र वीवीसीएल	3.10	2.47	2.47	0.62	0.62
		एमपी पश्चिम क्षेत्र वीवीसीएल	3.86	2.81	2.81	1.05	1.05
		एमपी पूर्व क्षेत्र वीवीसीएल	3.90	2.82	2.82	1.09	1.09
	महाराष्ट्र	एमएसईडीसीएल	3.51	3.41	3.41	0.09	0.09
पश्चिमी योग			3.26	3.04	3.04	0.21	0.21
कुल योग			3.55	3.16	2.95	0.40	0.61

2010-11

क्षेत्र	राज्य	यूटिलिटी	एसीएस	राजस्व औसत (दी गई सन्निडी)	राजस्व औसत (प्राप्त की गई सन्निडी)	रिक्त (दी गई सन्निडी)	रिक्त (प्राप्त की गई सन्निडी)
पूर्वी	बिहार	बीएसईबी	4.44	3.24	3.24	1.19	1.19
	झारखंड	जेएसईबी	3.35	2.64	2.64	0.72	0.72
	उड़ीसा	सेसको	2.67	2.54	2.54	0.12	0.12
		नेसको	2.70	2.56	2.56	0.14	0.14
		सेसको	2.09	2.01	2.01	0.07	0.07
		वेसको	2.65	2.60	2.60	0.06	0.06
		सिक्किम	सिक्किम पीडी	1.69	1.06	1.06	0.63
	पश्चिम बंगाल	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	3.35	3.39	3.39	(0.04)	(0.04)
पूर्वी योग			3.29	2.99	2.99	0.30	0.30
पूर्वात्तर	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल पीडी	4.44	1.54	1.54	2.91	2.91
	असम	एपीडीसीएल	5.36	4.34	4.34	1.02	1.02
	मणिपुर	मणिपुर पीडी	4.93	1.74	1.74	3.19	3.19
	मेघालय	मेघालय एसईबी					
		मेघालय ईसीएल	3.08	2.58	2.58	0.50	0.50
	मिजोरम	मिजोरम पीडी	5.28	1.66	1.66	3.62	3.62
	नागालैंड	नागालैंड पीडी	4.66	1.69	1.69	2.98	2.98
त्रिपुरा	टीएसईसीएल	3.62	2.62	2.58	1.01	1.04	
पूर्वात्तर योग			4.61	3.20	3.19	1.41	1.41
उत्तरी	दिल्ली	बीएसईएस राजधानी	4.65	5.00	5.00	(0.34)	(0.34)
		बीएसईएस यमुना	4.79	5.01	5.01	(0.22)	(0.22)
		एनडीपीएल	4.32	4.69	4.69	(0.36)	(0.36)
	हरियाणा	डीएचबीवीएनएल	3.94	3.49	3.40	0.45	0.54
		यूएचबीवीएनएल	4.30	4.22	4.22	0.08	0.08
	हिमाचल प्रदेश	एचपीएसईबी	4.23	3.46	3.46	0.77	0.77
		एचपीएसईबी लि.	3.49	3.09	3.09	0.40	0.40
	जम्मू और कश्मीर	जेएंडके पीडीडी	3.14	1.11	1.11	2.03	2.03
	पंजाब	पीएसईबी					
		पीएसपीसीएल	3.46	3.07	3.07	0.38	0.38
	राजस्थान	एवीवीएनएल	7.84	2.77	2.77	5.08	5.08
		जेडीवीवीएनएल	7.03	2.33	2.33	4.71	4.71
		जेवीवीएनएल	6.69	2.68	2.68	4.01	4.01
	उत्तर प्रदेश	डीवीवीएन	3.84	2.94	2.94	0.90	0.90
		केस्को	3.84	3.22	3.22	0.62	0.62
		एमवीवीएन	3.45	3.13	3.13	0.32	0.32
		पश्चिमी वीवीएन	3.33	3.18	3.18	0.16	0.16
पूर्वी वीवीएन		4.00	2.82	2.82	1.18	1.18	
उत्तराखंड		उत्तराखंड पीसीएल	3.15	2.91	2.91	0.24	0.24

उत्तरी योग			4.42	3.22	3.22	1.20	1.20
दक्षिणी	आंध्र प्रदेश	एपीसीपीडीसीएल	3.40	3.41	3.19	(0.00)	0.22
		एपीईपीडीसीएल	3.84	3.85	3.35	(0.01)	0.49
		एपीएनपीडीसीएल	3.80	3.81	3.46	(0.01)	0.34
		एपीएसपीडीसीएल	4.10	4.10	3.84	(0.00)	0.25
	कर्नाटक	बेसकोम	3.60	3.60	3.60	(0.00)	(0.00)
		चेसकोम	3.47	3.51	3.51	(0.04)	(0.04)
		जेसकोम	3.70	3.74	3.74	(0.04)	(0.04)
		हेसकोम	3.79	3.71	3.71	0.08	0.08
		मेसकोम	4.00	4.00	4.00	(0.01)	(0.01)
	केरल	केएसईबी	3.74	3.88	3.88	(0.13)	(0.13)
	पुडुचेरी	पुडुचेरी	2.82	2.35	2.35	0.47	0.47
	तमिलनाडु	टीएनईबी	4.42	2.98	2.98	1.44	1.44
		टैनजेडको	5.39	3.33	3.33	2.05	2.05
दक्षिणी योग			4.04	3.49	3.39	0.55	0.66
पश्चिमी	छत्तीसगढ़	सीएसपीडीसीएल	2.56	2.27	2.27	0.29	0.29
	गोवा	गोवा पीडी	2.71	2.50	2.50	0.22	0.22
	गुजरात	डीजीवीसीएल	4.14	4.21	4.21	(0.07)	(0.07)
		एमजीवीसीएल	3.80	3.83	3.83	(0.04)	(0.04)
		पीजीवीसीएल	3.00	3.01	3.01	(0.01)	(0.01)
		यूजीवीसीएल	3.26	3.27	3.27	(0.01)	(0.01)
	मध्य प्रदेश	एमपी मध्य क्षेत्र वीवीसीएल	3.41	2.91	2.91	0.49	0.49
		एमपी पश्चिम क्षेत्र वीवीसीएल	3.60	3.21	3.21	0.40	0.40
		एमपी पूर्व क्षेत्र वीवीसीएल	3.82	2.96	2.96	0.86	0.86
	महाराष्ट्र	एमएसईडीसीएल	3.92	3.82	3.82	0.10	0.10
पश्चिमी योग			3.58	3.41	3.41	0.17	0.17
कुल योग			3.97	3.33	3.30	0.64	0.67

2011-12							
क्षेत्र	राज्य	यूटिलिटी	एसीएस	राजस्व औसत (दी गई सब्सिडी)	राजस्व औसत (प्राप्त की गई सब्सिडी)	रिक्त (दी गई सब्सिडी)	रिक्त (प्राप्त की गई सब्सिडी)
पूर्वी	बिहार	बीएसईबी	5.89	4.41	4.41	1.48	1.48
	झारखंड	जेएसईबी	6.40	3.19	3.19	3.21	3.21
	उड़ीसा	सेसको	3.34	2.98	2.98	0.36	0.36
		नेसको	3.53	3.35	3.35	0.18	0.18
		सेसको	2.45	2.37	2.37	0.08	0.08
		वेसको	3.36	3.28	3.28	0.08	0.08
	सिक्किम	सिक्किम पीडी	1.15	2.04	2.04	(0.89)	(0.89)
	पश्चिम बंगाल	डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	4.47	4.50	4.50	(0.03)	(0.03)
पूर्वी योग			4.60	3.90	3.90	0.70	0.70
पूर्वोत्तर	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल प्रदेश पीडी	5.52	1.51	1.51	4.01	4.01
	असम	एपीडीसीएल	4.64	3.95	3.70	0.68	0.93
	मणिपुर	मणिपुर पीडी	6.88	1.97	1.97	4.91	4.91
	मेघालय	मेघालय एसईबी					
		मेघालय ईसीएल	4.30	3.14	3.14	1.16	1.16
	मिजोरम	मिजोरम पीडी	5.64	2.42	2.42	3.22	3.22
	नागालैंड	नागालैंड पीडी	5.52	2.10	2.10	3.42	3.42
	त्रिपुरा	टीएसईसीएल	4.39	3.13	3.13	1.26	1.26
पूर्वोत्तर योग			4.82	3.33	3.19	1.50	1.63
उत्तरी	दिल्ली	बीएसईएस राजधानी	5.69	5.78	5.78	(0.09)	(0.09)
		बीएसईएस यमुना	5.79	5.84	5.84	(0.04)	(0.04)
		एनडीपीएल	5.02	5.46	5.46	(0.44)	(0.44)
	हरियाणा	डीएचबीवीएनएल	4.41	3.59	3.57	0.82	0.84
		यूएचबीवीएनएल	4.93	3.84	3.84	1.08	1.08
	हिमाचल प्रदेश	एचपीएसईबी					
		एचपीएसईबी लि.	4.53	4.01	4.01	0.52	0.52

	जम्मू और कश्मीर	जेएंडके पीडीडी	4.03	1.29	1.29	2.74	2.74
	पंजाब	पीएसईबी					
		पीएसपीसीएल	3.97	3.86	3.86	0.11	0.11
	राजस्थान	एवीवीएनएल	8.35	3.11	3.11	5.24	5.24
		जेडीवीवीएनएल	6.66	2.73	2.73	3.93	3.93
		जेवीवीएनएल	6.04	3.12	3.12	2.92	2.92
	उत्तर प्रदेश	डीवीवीएन	3.67	2.73	2.73	0.93	0.93
		केस्को	4.55	3.31	3.31	1.24	1.24
		एमवीवीएन	3.80	3.09	3.09	0.72	0.72
		पश्चिमी वीवीएन	3.46	3.28	3.28	0.17	0.17
		पूर्वी वीवीएन	3.88	3.15	3.15	0.74	0.74
	उत्तराखंड	उत्तराखंड पीसीएल	3.47	3.09	3.09	0.39	0.39
उत्तरी योग			4.75	3.56	3.56	1.19	1.19
दक्षिणी	आंध्र प्रदेश	एपीसीपीडीसीएल	4.07	4.07	3.67	(0.00)	0.40
		एपीईपीडीसीएल	4.24	4.25	3.49	(0.01)	0.75
		एपीएनपीडीसीएल	4.06	4.06	3.41	(0.00)	0.65
		एपीएसपीडीसीएल	4.28	4.28	3.89	(0.00)	0.38
	कर्नाटक	बेसकोम	3.75	3.81	3.81	(0.06)	(0.06)
		चेसकोम	3.88	3.67	3.42	0.20	0.46
		जेसकोम	3.67	3.65	3.65	0.02	0.02
		हेसकोम	3.85	3.89	3.89	(0.04)	(0.04)
		मेसकोम	4.18	4.20	4.20	(0.02)	(0.02)
	केरल	केएसईबी	3.96	4.08	4.08	(0.12)	(0.12)
	पुडुचेरी	पुडुचेरी	3.18	2.66	2.66	0.51	0.51
	तमिलनाडु	टीएनईबी					
		टैनजेडको	5.40	3.34	3.34	2.06	2.06
दक्षिणी योग			4.42	3.80	3.61	0.62	0.81
पश्चिमी	छत्तीसगढ़	सीएसपीडीसीएल	3.10	2.44	2.44	0.66	0.66
	गोवा	गोवा पीडी	3.11	2.39	2.39	0.72	0.72
	गुजरात	डीजीवीसीएल	4.60	4.67	4.67	(0.07)	(0.07)
		एमजीवीसीएल	4.08	4.13	4.13	(0.05)	(0.05)
		पीजीवीसीएल	3.27	3.27	3.27	(0.01)	(0.01)
		यूजीवीसीएल	3.52	3.52	3.52	(0.01)	(0.01)
	मध्य प्रदेश	एमपी मध्य क्षेत्र वीवीसीएल	3.84	3.05	3.05	0.79	0.79
		एमपी पश्चिम क्षेत्र वीवीसीएल	3.45	3.10	3.10	0.35	0.35
		एमपी पूर्व क्षेत्र वीवीसीएल	4.36	3.37	3.37	0.99	0.99
	महाराष्ट्र	एमएसईडीसीएल	4.14	4.14	4.14	0.00	0.00
पश्चिमी योग			3.85	3.67	3.67	0.19	0.19
कुल योग			4.39	3.68	3.63	0.70	0.76

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1336

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

एनएचपीसी विद्युत परियोजनाएं

1336. श्री नारनभाई काछड़िया:
श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ला:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या नेशनल हाइड्रो पावर कारपोरेशनलिमिटेड (एनएचपीसी) की विभिन्न विद्युतपरियोजनाएं अनुमति हेतु लंबित पड़ी हैं;
- (ख) यदि हां तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौराक्या है;
- (ग) क्या इन परियोजनाओं के समय से पूरेहोने से देश में बिजली की कमी को पूरा करनेऔर मंद अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायतामिलेगी; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है औरइस पर सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाएजा रहे हैं?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) से (घ) : एनएचपीसी लिमिटेड की 8531 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता वाली दस जल-विद्युत परियोजनाएं (एचईपी), जिस पर केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की सहमति हो चुकी है, की पर्यावरण एवं वन स्वीकृति जैसी विभिन्न अन्य स्वीकृतियों की प्रतीक्षा है। राज्य-वार ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है। ये परियोजनाएं प्रतिवर्ष 32.1 बिलियन यूनिट तक का योगदान करेगी, जिससे देश में विद्युत की मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी। विद्युत मंत्रालय ने संबंधित मंत्रालयों, विशेषकर पर्यावरण एवं वन मंत्रालय से शीघ्र स्वीकृतियों की आवश्यकता पर जोर दिया है।

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 1336 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लेखित
अनुबंध

विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों सहित सीईए द्वारा सहमत एनएचपीसी लि. की जल विद्युत स्कीमों का ब्यौरा

क्रम सं.	स्कीम/क्षेत्र	एजेंसी	आईसी (मेगावाट)	डिजाइन एनर्जी (जीडब्ल्यूएच)	अभ्युक्ति
जम्मू व कश्मीर					
1	पकल दुल संयुक्त उद्यम	सीवीपीपी *	1000	3330.18	29.2.2008 को पर्यावरण स्वीकृति(ईसी) प्राप्त की गई। 16.5.2005 और 6.12.2010 को वन स्वीकृति(एफसी) प्राप्त की गई। निवेश संबंधी अनुमोदन अभी दिया जाना है।
उत्तराखण्ड					
2	कोटलीभेल स्टेज-I केंद्रीय	एनएचपीसी	195	1025.50	9.5.2007 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की गई। 13.10.2011 को वन स्वीकृति स्टेज-I प्राप्त की गई। वन स्वीकृति स्टेज-II प्रतीक्षित है।
3	कोटलीभेल स्टेज-I ख केंद्रीय	एनएचपीसी	320	1278.30	पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा वन स्वीकृति को अस्वीकृत कर दिया गया। पूर्व में 14.08.2007 को पर्यावरण स्वीकृति दी गई जिसे 22.11.2010 को वापस ले लिया गया।
4	कोटलीभेल स्टेज-II केंद्रीय	एनएचपीसी	530	2031.00	23.08.2007 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की गई। पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा वन स्वीकृति को अस्वीकृत कर दिया गया।
सिक्किम					
5	तीस्ता स्टेज-IV केंद्रीय	एनएचपीसी	520	2373.00	पर्यावरण स्वीकृति प्रतीक्षित है। 26.02.2013 को वन स्वीकृति-I प्राप्त की गई।
मणिपुर					
6	तिपाईमुख केंद्रीय	एनएचपीसी	1500	3805.70	24.10.2008 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की गई।**
7	लोकटक डी/एस संयुक्त उद्यम	एलडीएचसीएल ***	66	342.00	16.01.2013 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की गई। 03.03.11 को वन स्वीकृति स्टेज -I प्राप्त की गई। वन स्वीकृति स्टेज -II प्रतीक्षित है।
अरुणाचल प्रदेश					
8	दिबांग केंद्रीय	एनएचपीसी	3000	11330.00	पर्यावरण स्वीकृति और वन स्वीकृति प्रतीक्षित है।
9	तवांग स्टेज-I केंद्रीय	एनएचपीसी	600	2963.00	10.06.11 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की गई। वन स्वीकृति प्रतीक्षित है।
10	तवांग स्टेज -II केंद्रीय	एनएचपीसी	800	3622.00	10.06.11 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की गई। वन स्वीकृति प्रतीक्षित है।
	कुल		8531	32100.61	

* : सीवीपीपी एनएचपीसी, जेकेएसपीडीसी और पीटीसी की संयुक्त उद्यम कंपनी है।

** : वन स्वीकृति प्रतीक्षित है। परियोजना संयुक्त उद्यम कंपनी (एमएचपीसी 69%, एसजेवीएनएल 26% और मणिपुर सरकार - 5%) के माध्यम से शुरु किया जाना प्रस्तावित है।

*** : एलडीएचसीएल एनएचपीसी और मणिपुर सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1340

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

बांग्लादेश को बिजली का निर्यात

1340. श्री मानिक टैगोर:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का बांग्लादेश को उसकी बिजली मांग को पूरा करने के लिए उसे बिजली देने का प्रस्ताव है;
- (ख) यदि हां, तो इससे संबंधित निबंधन और शर्तों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) उन देशों के देश-वार क्या नाम हैं जिन्हें हमारे देश द्वारा विद्युत की आपूर्ति की जाती है/कीजा रही है तथा उन्हें कितनी विद्युत की आपूर्ति कीजा रही है;
- (घ) क्या सरकार के पास निर्यात के लिए अधिशेष बिजली है; और
- (ङ) यदि नहीं, तो बिजली के निर्यात के क्या कारण हैं जबकि देश बिजली की भारी कमी का सामना कर रहा है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख) : जी हां, विद्युत का निर्यात वैद्युत ग्रिड इंटरकनेक्शन के माध्यम से किया जाता है जिसे भारत-बांग्लादेश विद्युत संचालन केंद्र कहा जाता है जिसका उद्घाटन 05.10.2013 को किया गया था। भारत सरकार दोनों देशों के बीच जनवरी, 2010 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन की शर्तों के अधीन बांग्लादेश को विद्युत आपूर्ति कर रही है।

(ग) : नेपाल और बांग्लादेश को आपूर्ति की गई विद्युत की मात्रा क्रमशः लगभग 150 मेगावाट और 475 मेगावाट है।

(घ) और (ङ) : भारत दोनों देशों के बीच विद्युत क्षेत्र में पारस्परिक लाभ और सहयोग के लिए उपर्युक्त मात्रा की आपूर्ति कर रहा है।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1360

जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

राज्य विद्युत बोर्डों के ऋण का पुनर्गठन

1360. श्री विक्रमभाई अर्जनभाई मादमः

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में विभिन्न राज्यविद्युत बोर्डों के ऋण-पुनर्गठन की स्वीकृति दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हो;

(ग) क्या विद्युत-वितरण के कार्य में संलग्न निजी कंपनियां भी इसके अंतर्गत सम्मिलित होंगी; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हो?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) और (ख) : जी हां, सरकार द्वारा देश की विद्युत वितरण कंपनियों की अल्पावधि देयताओं के पुनर्गठन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राज्य वितरण कंपनियों (डिस्कामों) का वित्तीय पुनर्गठन करने हेतु योजना तैयार की गई है। यह योजना संचयी हानियों सहित और प्रचालनात्मक हानियों का वित्तपोषण करने में कठिनाईयों का सामना कर रहे राज्य स्वामित्व वाले सभी सहभागी डिस्कामों के लिए उपलब्ध है। योजना का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

(ग) और (घ) : जी नहीं, प्रश्न नहीं उठता।

लोकसभा में दिनांक 12.12.2013 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1360 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

राज्य विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) के वित्तीय पुनर्गठन काब्यौरा

सरकार द्वारा राज्य के स्वामित्व वाले डिस्कॉम्स के वित्तीय पुनर्गठन हेतु योजना को राज्य डिस्कॉम्स घटते हुए प्रचालनात्मक निष्पादन तथा वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए डिस्कॉम्स के प्रत्यावर्तन (टर्न अराउंड तथा उनकी दीर्घावधिक व्यवहार्यता को सुनिश्चित करने के लिए बनाया और अनुमोदन प्रदान किया गया था। यह योजना ऐसी कंपनियों के लिए थी जिनके पास संचित भारी हानियां और अस्थाई ऋण हैं। इस योजना में राज्य डिस्कॉम्स तथा राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय सरकार के सहयोग से ट्रांजिशनल फाइनेंस मकैनैज्म के माध्यम से अपने ऋण का पुनर्गठन करके वित्तीय प्रत्यावर्तन (टर्न अराउंड) प्राप्त करने के उपाय दिए गए हैं।

- राज्य सरकार 31 मार्च, 2012 की स्थिति के अनुसार डिस्कॉम्स की बकाया अल्प अवधि देयताओं (एसटीएल) के 50%भाग को अपने हाथ में ले लेगी। इसे पहले डिस्कॉम्स द्वारा प्रतिभागी ऋण दाताओं को जारी किए जाने वाले बांड्स में परिवर्तित किया जाएगा, जोकि राज्य सरकार की गारंटी द्वारा विधिवत समर्थित होगा। इसके बाद राज्य सरकार अगले 2-5 वर्षों में इन देयताओं को डिस्कॉम्स के एफआरबीएम स्पेस के अनुसार विशेष प्रतिभूतियां जारी करके अपने हाथ में लेगी। विशेष प्रतिभूतियां जारी कर इसे अपने हाथ में लेने की तिथि तक राज्य सरकार ब्याज के भुगतान और मूलधन के पुनर्भुगतान में सहयोग देगी।
- शेष 50% अल्प अवधि देयताओं को ऋणदाताओं द्वारा बेहतर संभव शर्तों पर मूलधन पुनर्भुगतान पर अधिस्थगन के साथ पुनः निर्धारित किया जाएगा।
- टर्न अराउंड प्लान की प्रगति की निगरानीकरण के लिए इस योजना में केन्द्र और राज्य स्तर पर समितियों द्वारा द्विस्तरीय निगरानी प्रणाली विद्यमान है।
- केंद्र सरकार आर-एपीडीआरपी के अंतर्गत विनिर्धारित ट्रेजेक्टरी हानि से अधिक त्वरित एटी एंड सी हानियों में कमी करने के माध्यम से बचाई गई अतिरिक्त ऊर्जा के मूल्य के समान राशि का अनुदान प्रोत्साहन प्रदान करेगी तथा इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा अपने ऊपर ली गई देयताओं का राज्य सरकार द्वारा मूलधन के 25%पुनर्भुगतान की प्रतिपूर्ति सहायता देगी।
- इस योजना में राज्य के स्वामित्व वाले डिस्कॉम्स की दीर्घावधि वित्तीय और वाणिज्यिक व्यवहार्यता को सुनिश्चित करने हेतु डिस्कॉम्स तथा राज्य सरकारों द्वारा समयबद्ध तरीके से किए जाने वाले अपेक्षित तत्काल/जारी रहने वाले तथा अन्य उपाय समाविष्ट हैं। इन उपायों में वित्तीय पुनर्गठन, टैरिफ सेटिंग तथा राजस्व वसूली, सब्सिडी, मीटरिंग, लेखा-परीक्षा और लेखे तथा निगरानी शामिल हैं।

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1375
जिसका उत्तर दिनांक 12.12.2013 को दिया जाना है।

बिल्हौर विद्युत परियोजना

1375. श्री अशोक कुमार रावत:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड(एन.टी.पी.सी.) की बिल्हौर विद्युत परियोजना कानिर्माण कार्य पूरा हो चुका है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है औरयदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
- (ग) इस परियोजना को कब तक चालू किएजाने की सम्भावना है?

उत्तर

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री(स्वतंत्रप्रभार)
(श्रीज्योतिरादित्यमा.सिंधिया)

(क) : जी नहीं।

(ख) तथा (ग) : बिल्हौर परियोजना के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट एनटीपीसी द्वारा अनुमोदित की गई है तथा इसके लिए ईंधन की व्यवस्था कर ली गई है। निर्माण कार्य सक्षम प्राधिकारी से परियोजना हेतु निवेश के लिए अनुमोदन प्राप्त होने के बाद ही शुरू किया जा सकता है, जिसे सभी सांविधिक अनुमोदनों/मंजूरियों के मिलने औरपरियोजना के लिए भूमि और जल उपलब्ध होने के बाद ही किया जा सकता है।
